MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 11 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-189

मेरे भंडार भरेंगे राम!

सपा ने चढ़ावा चोरी को बनाया हथियार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा भारतीय जनता पार्टी के लिए केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं थी। यह तीन दशक लंबे राम मंदिर आंदोलन की राजनीतिक और वैचारिक पराकाष्ठा थी। भाजपा का विश्वास था कि राम मंदिर आने वाले वर्षों तक उसके सबसे मजबूत राजनीतिक नैरेटिव का केंद्र बना रहेगा।

लेकिन प्राण-प्रतिष्ठा के ढाई वर्ष के भीतर ही राम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में कथित चोरी के आरोपों ने पूरे घटनाक्रम को एक अलग दिशा दे दी है। इस विवाद की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस बार बहस मंदिर निर्माण को लेकर नहीं है। सवाल मंदिर के प्रबंधन, पारदर्शिता और जवाबदेही पर उठ रहे हैं।

यही कारण है कि यह मामला 2021 के जमीन खरीद विवाद से अलग माना जा रहा है। उस समय विपक्ष के आरोपों को ट्रस्ट और भाजपा ने राजनीतिक हमला बताकर खारिज कर दिया था। लेकिन इस बार खुद उत्तर प्रदेश सरकार ने एसआईटी गठित की, ट्रस्ट ने एफआईआर दर्ज कराई, कर्मचारियों की गिरफ्तारी हुई और जांच का दायरा संस्थागत जिम्मेदारी तक पहुंच गया।

आरोपों से जांच तक : मामला पहुंचा संस्थागत जिम्मेदारी तक

7 जून को समाजवादी पार्टी के नेता तेज नारायण पांडे उर्फ पवन पांडे ने पहली बार चढ़ावे में गड़बड़ी का आरोप लगाया। शुरुआती दौर में इसे राजनीतिक आरोप माना गया लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, मामला केवल विपक्ष के आरोपों तक सीमित नहीं रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 13 जून को तीन सदस्यीय एसआईटी गठित की और 19 जून को अयोध्या दौरे के दौरान सार्वजनिक रूप से कहा कि कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। यहीं से राजनीतिक विमर्श भी बदल गया। अब विपक्ष यह नहीं कह रहा कि मंदिर नहीं बनना चाहिए बल्कि यह पूछ रहा है कि श्रद्धालुओं के दान की सुरक्षा और उसका हिसाब-किताब कैसे रखा गया।

भाजपा की दोहरी चुनौती

राम मंदिर भाजपा की वैचारिक पहचान का सबसे मजबूत प्रतीक रहा है। मंदिर निर्माण को पार्टी अपनी सबसे बड़ी वैचारिक उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत करती रही है। ऐसे में मंदिर प्रबंधन से जुड़ा कोई भी विवाद स्वाभाविक रूप से राजनीतिक असर पैदा करता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए यह मामला और अधिक संवेदनशील है। गोरक्षपीठ राम मंदिर आंदोलन की प्रमुख शक्ति रही है। उनके गुरु महंत अवैद्यनाथ इस आंदोलन के अग्रणी नेताओं में शामिल थे।

मुख्यमंत्री बनने के बाद योगी ने फैजाबाद का नाम बदलकर अयोध्या किया, दीपोत्सव को वैश्विक पहचान दिलाई और रामनगरी के व्यापक विकास को अपनी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल किया। इसलिए मंदिर प्रबंधन पर उठे सवाल सीधे सरकार की साख से जुड़ते दिखाई देते हैं। हालांकि इगझ इस संकट को अवसर में बदलने की कोशिश कर रही है। पार्टी का दावा है कि सरकार ने आरोपों को दबाने के बजाय तत्काल कार्रवाई की। ट्रस्ट की शिकायत पर एसआईटी बनी, गिरफ्तारियां हुईं और जांच लगातार आगे बढ़ रही है। अयोध्या के भाजपा नेता विकास मिश्र कहते हैं, मुख्यमंत्री ने बिना किसी दबाव के तुरंत एसआईटी बनाई। इससे यह संदेश गया कि योगी सरकार किसी को बचाने वाली नहीं है। यदि कहीं गड़बड़ी हुई है तो दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा की रणनीति यह दिखाने की है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। पार्टी इस पूरे विवाद को 'सिस्टम की सफाई' के रूप में पेश करना चाहती है ताकि मंदिर की पवित्रता और सरकार की विश्वसनीयता दोनों पर आंच कम से कम आए।

समाजवादी पार्टी की नई रणनीति

2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) सामाजिक समीकरण के सहारे बड़ी सफलता हासिल की थी।

▶8पर

ट्रंप का बड़ा बयान

सीज़फ़ायर ख़त्म बातचीत जारी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा पुराना विवाद अब एक बेहद संवेदनशील मोड़ पर आ गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया है कि वे ईरान से बातचीत आगे बढ़ाने के लिए पूरी तरह राजी हैं। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि दोनों देशों के बीच चल रहा सीज़फ़ायर अब खत्म हो चुका है। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इस मुद्दे पर अमेरिका का रुख भी साफ कर दिया। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने अमेरिका से बातचीत जारी रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इसके लिए सहमति दे दी है। साथ ही ईरान को साफ बता दिया गया है कि दोनों देशों के बीच सीज़फ़ायर अब खत्म हो चुका है। हालांकि, उन्होंने इस बातचीत के तौर-तरीकों या सीज़फ़ायर की शर्तों को लेकर कोई बहुत ज्यादा खुलकर जानकारी साझा नहीं की है।

क्यों बिगड़े दोनों देशों के हालात?

दरअसल, ताजा विवाद की शुरुआत तब हुई जब अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर ताबड़तोड़ हमले किए। यह कार्रवाई स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ में तीन व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में की गई थी। अमेरिका ने इन जहाजों पर हमले के लिए सीधे तौर पर तेहरान को जिम्मेदार ठहराया था। दूसरी तरफ ईरान ने इन सभी आरोपों को संदिग्ध बताते हुए पूरी तरह खारिज कर दिया था। वेसल ट्रैकिंग (जहाजों की लोकेशन देखने वाले डेटा) के मुताबिक, जिन जहाजों को निशाना बनाया गया था, वे ओमान के तट के करीब से गुजर रहे थे। ईरान का पहले से ही यह दावा रहा है कि होर्मुज़ से केवल उसके तय किए गए रास्तों से जाने वाले जहाज ही सुरक्षित रहेंगे। इसी वजह से अमेरिकी कार्रवाई के बाद वहां स्थिति बेहद गंभीर हो गई। ▶8पर

अमेरिका नहीं तो कौन?

ईरान पर रहस्यमयी हमले

अमेरिका की ओर से ईरान पर हमले बंद करने के बाद भी इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान को निशाना कौन बना रहा है, ये एक अहम सवाल खड़ा हो गया है। अमेरिका के हमले रोकने की घोषणा के बाद ईरान पर हुए रहस्यमयी और बिना दावे वाले हवाई हमलों ने ईरानी प्रशासन को हैरानी में डाल दिया है।गुरुवार को हुए ये हमले तब हुए जब ईरान दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई को दफनाने की तैयारी कर रहा था; इन हमलों ने दक्षिणी ईरान के कई इलाकों को अपनी चपेट में लिया। ▶8पर

कुपवाड़ा से कठुआ तक

पाक आतंक की कब्रें

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। हिजबुल मुजाहिदीन के डिप्टी सुप्रीम कमांडर शमशेर खान का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह खुलकर यह दावा करता नजर आ रहा है कि पाकिस्तान से आए आतंकियों ने कश्मीर में लड़ाई लड़ी और उनकी कब्रें घाटी के अलग-अलग इलाकों में मौजूद हैं।

एक समाचार चैनल को मिले वीडियो में शमशेर खान कहता है, लोलाब और कुपवाड़ा से लेकर कठुआ तक ऐसा कोई कब्रिस्तान नहीं है, जहां पाकिस्तान के कोने-कोने से आए नौजवानों की कब्रें न हों। उसने आगे कहा कि पाकिस्तान और कश्मीर का रिश्ता कोई नहीं तोड़ सकता। उसके मुताबिक, इस रिश्ते के खिलाफ कोई नफरत पैदा नहीं कर सकता। शमशेर खान ने अपने भाषण में पाकिस्तान से आए आतंकियों को शहीद बताया और कहा कि वह उन्हें कभी नहीं भूल सकता। उसने दावा किया कि ये लोग कश्मीर के लिए लड़ते हुए मारे गए।

शमशेर खान ने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में सक्रिय जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) पर भी निशाना साधा। उसने जेएएसी को गद्दार करार देते हुए कहा कि कश्मीर की एकता, शहीदों की कुर्बानी और पाकिस्तान की विचारधारा पर कोई समझौता नहीं होगा। उसने कहा, एक्शन कमेटी को याद रखना चाहिए कि कश्मीर की एकता, कश्मीर के शहीद और पाकिस्तान की विचारधारा किसी को भी समझौता नहीं करने देंगे। इसके बाद उसने जेएएसी को भारत का दोस्त बताते हुए उसे गद्दार कहा।

बुरहान वानी की बरसी पर दिया भाषण

मिली जानकारी के मुताबिक, शमशेर खान ने 8 जुलाई को पीओके के मुजफ्फराबाद में हिजबुल मुजाहिदीन के मारे गए कमांडर बुरहान वानी की बरसी के मौके पर यह भाषण दिया। कार्यक्रम के दौरान बुरहान वानी और अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी के पोस्टर भी लगाए गए थे।

शमशेर खान का यह बयान इसलिए अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसमें उसने सार्वजनिक रूप से यह दावा किया कि पाकिस्तान के अलग-अलग हिस्सों से आए लोग कश्मीर में आकर आतंकी हमलों को अंजाम दिया और ये पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से भारत में हो रहे आतंकवाद को और पुख्ता करता है।

ढाई करोड़ की क्षतिपूर्ति आदेश

बीएचयू को अवैध पेड़ कटाई की सज़ा

वाराणसी, 10 जुलाई (एजेंसियां)। वाराणसी स्थित बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में 33 पेड़ों की कथित अवैध कटाई के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को बड़ा निर्देश दिया है। एनजीटी ने यूपीपीसीबी को तीन महीने के अंदर विश्वविद्यालय से 2,65,06,877.08 रुपये की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति वसूलने की प्रक्रिया पूरी करने के लिए कहा है। यह राशि विश्वविद्यालय परिसर में पेड़ों की अवैध कटाई के आकलन के आधार पर तय की गई है।

राष्ट्रीय हरित अधिकरण की अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य अफरोज अहमद की पीठ ने 7 जुलाई को यह आदेश पारित किया। यह आदेश गुरुवार को सार्वजनिक किया गया। पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड पहले ही पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की राशि का आकलन कर चुका है और इसे लगाने की प्रक्रिया चल रही है। एनजीटी ने अपने आदेश में कहा कि अगस्त 2025 में भी यूपीपीसीबी को तीन महीने के भीतर पूरी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया था। हालांकि बोर्ड निर्धारित समय सीमा के भीतर इस आदेश का पालन नहीं कर सका। ऐसे में परिस्थितियों को देखते हुए अधिकरण ने एक बार फिर तीन महीने का अतिरिक्त समय दिया है और इस अवधि में पूरी प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया है।

अगस्त 2025 में भी एनजीटी ने दिए थे कार्रवाई के निर्देश

अधिकरण ने अपने आदेश में कहा कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने पहले दिए गए निर्देश के अनुसार तीन महीने में कार्रवाई पूरी नहीं की। इसलिए अब विस्तारित समय सीमा के भीतर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति से जुड़ी सभी कार्यवाही पूरी की जाए। यह पूरा मामला अधिवक्ता सौरभ तिवारी की तरफ से दायर याचिका से शुरू हुआ था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के करीब 1300 एकड़ में फैले परिसर के भीतर बड़ी संख्या में पेड़ों की अवैध कटाई की गई है। इस शिकायत पर सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने एक संयुक्त जांच समिति का गठन किया था।

संयुक्त समिति ने अपनी जांच में पाया कि विश्वविद्यालय परिसर में कुल 33 पेड़ अवैध रूप से काटे गए थे। इनमें सात चंदन के पेड़ शामिल थे, जबकि बाकी 26 पेड़ अन्य प्रजातियों के थे। समिति की रिपोर्ट के आधार पर एनजीटी ने अगस्त 2025 में उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति का आकलन करने और तीन महीने के भीतर वसूली की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया था।

निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी जब कार्रवाई पूरी नहीं हुई तो याचिकाकर्ता सौरभ तिवारी ने अधिकरण में एक निष्पादन आवेदन दायर किया। इसमें उन्होंने पहले दिए गए आदेश को लागू कराने की मांग की। याचिकाकर्ता के अनुसार उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने उन्हें बताया था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ और सर्वोच्च न्यायालय के कुछ आदेशों के कारण पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की वसूली शुरू नहीं की जा सकी थी। इसी वजह से प्रक्रिया में देरी हुई। हालिया सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तरफ से पेश वकील ने अधिकरण को बताया कि अब पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की राशि तय कर दी गई है और उसकी वसूली की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके बाद अधिकरण ने बोर्ड को विस्तारित अवधि के भीतर पूरी कार्रवाई पूरी करने का निर्देश दिया। सुनवाई के दौरान अधिकरण ने प्रभागीय वन अधिकारी की ओर से पेश रिपोर्ट का भी संज्ञान लिया। रिपोर्ट में बताया गया कि विश्वविद्यालय ने क्षतिपूरक पौधरोपण के तहत ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 25^0

चादरघाट में भीषण आग, 7 दुकानें खाक

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद के चादरघाट इलाके में मूसी नदी के पीछे स्थित बाजार में शुक्रवार को एक भीषण आग लग गई। इस हादसे में कार मरम्मत (रिपेयरिंग) इकाइयों और सजावटी सामानों की दुकानों सहित कम से कम सात दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गई हैं। घटना की सूचना मिलते ही आपातकालीन दल मौके पर पहुंचे और करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। इस अग्निकांड में भारी संपत्ति का नुकसान हुआ है, हालांकि राहत की बात यह है कि कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ और न ही कोई जनहानि (कैजुअल्टी) हुई। घटनास्थल पर पुलिस की निगरानी जारी है और अधिकारियों ने जनता से अपील की है कि वे इस घटना को लेकर किसी भी तरह की असत्यापित जानकारी या अफवाह न फैलाएं। आग पर काबू पाने के लिए कम से कम 7 दमकल गाड़ियों (फायर टेंडर्स) को मौके पर तैनात किया गया था। दक्षिण क्षेत्र (साउथ जोन) के डीसीपी खरे किरण ने बताया, चादरघाट में मूसी नदी के पीछे आग लगने की दुर्घटना की सूचना मिली थी। शाम करीब 4:30 बजे हमें फोन आया, जिसके तुरंत बाद दमकल विभाग और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। प्रथम दृष्टया (प्रथम स्तर पर), लगभग सात दुकानें आग की चपेट में आकर खाक हो गई हैं। इनमें कार रिपेयरिंग की दुकानें और सजावटी सामान बेचने वाली दुकानें शामिल हैं। अब आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मौके पर लगभग सात दमकल गाड़ियां मौजूद हैं। ▶8पर

हैवान को फाँसी

मासूम को बेरहमी से मार डाला

फिरोजाबाद, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद के शिकोहाबाद स्थित यादव कॉलोनी से एक बच्चे की हत्या का गंभीर मामला सामने आया था। आरोप लगाया गया कि 30 मई को बदायूं निवासी विराज उर्फ जितेंद्र पाठक ने डेढ़ साल के मासूम आरव को सड़क पर पटककर उसकी हत्या कर दी। महज 30 सेकंड में आरोपी ने बच्चे को आठ बार पटका। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई थी।

घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में भारी आक्रोश फैल गया और पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। अब इस मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाया है। जिला जज ने आरोपी को दोषी करार देते हुए मौत की सजा सुनाई। इस हत्याकांड में पुलिस ने केवल 6 दिन में चार्जशीट दाखिल की, जबकि अदालत ने घटना के 40 दिन के भीतर ही फैसला सुना दिया।

जानकारी के मुताबिक, आरोपी ने यह भी दावा किया कि उसका बच्चे की मां के साथ प्रेम प्रसंग था और वह उसे ब्लैकमेल कर रही थी। प्रेम-प्रसंग और आपसी विवाद के चलते उसने इस वारदात को अंजाम दिया। ▶8पर

हमलों से दहला दक्षिणी ईरान, बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र के पास शक्तिशाली विस्फोट

तेहरान/वाशिंगटन

होर्मुज जलडमरूमध्य पर अमेरिका और ईरान के बीच छिड़ी वर्चस्व की लड़ाई से खाड़ी देशों तक बारूदी सुरंग फैल चुकी है। भीषण संग्राम के बीच ईरान का बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र धमाकों से दहल उठा है। अमेरिका ने दक्षिणी ईरान पर हुए ताजा हमलों में हाथ होने से इनकार किया है। इससे पहले 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल की एकीकृत सैन्य कार्रवाई के ठीक एक माह बाद 28 मार्च को ईरान के इस संयंत्र को निशाना बनाया जा चुका है। ईरान का यह एकमात्र और पहला चालू परमाणु ऊर्जा संयंत्र है। यह फारस की खाड़ी के तट पर दक्षिणी ईरान के बुशहर शहर के पास स्थित है। हालिया संघर्ष के दौरान इसके आसपास के क्षेत्रों में मिसाइलें और प्रोजेक्टाइल गिरने की घटनाएं सामने आई हैं। इसे 1970 के दशक में जर्मन कंपनियों ने बनाना शुरू किया था। बाद में इसे रूस के सहयोग से पूरा किया गया। यहां का पहला रिएक्टर (यूनिट-1) लगभग 1000 मेगावाट बिजली राष्ट्रीय ग्रिड को प्रदान करता है। ताजा विस्फोट से व्यापक रेडियोधर्मी रिसाव का खतरा बढ़ गया है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी ईरान के रणनीतिक इलाकों में एक के बाद एक कई जोरदार धमाकों ने पूरी दुनिया की सांसें अटका दी हैं। स्थानीय मीडिया और ईरानी अधिकारियों का दावा है कि बुशहर संयंत्र के बेहद नजदीकी सुरक्षा घेरे के साथ चोगादक सैन्य अड्डे और तटीय इलाकों को निशाना बनाया गया है। अब तक किसी ने भी इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। ना ही ईरान ने किसी पर आरोप मढ़ा है। एक अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि वाशिंगटन हर हाल में ईरान के साथ बातचीत के लिए प्रतिबद्ध है। तेहरान के साथ तकनीकी बातचीत जारी है। रपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका ने गुरुवार को हालात को शांत करने की कोशिश की। परमाणु समझौते तक पहुंचने के लिए तकनीकी स्तर की बातचीत जारी है। मध्यस्थों ने बुधवार को ईरान और अमेरिका के नेतृत्व से फोन पर बातचीत भी की। इस समय दोनों पक्षों के बीच तनाव कम करने पर सहमति बनाने और फिर तकनीकी टीमों के बीच बातचीत के अगले दौर के लिए तारीख तय करने के लिए बड़े पैमाने पर कूटनीतिक कोशिशें की जा रही हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व अमेरिकी मरीन कार्प्स अधिकारी डैन ग्रेजियर का कहना है कि इस हमले के पीछे इजराइल का हाथ होने की पूरी संभावना है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्थानीय समयानुसार गुरुवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी कदमों के बारे में जानकारी दी।

न्यूज ब्रीफ

पहले डील फिर धमकी और अब अटैक, क्यों भड़के ट्रंप

वाशिंगटन। ईरान ने स्ट्रेट आफ होर्मुज में वाणिज्यिक जहाजों पर हमला किया, और इसके जवाब में अमेरिका ने 80 से अधिक सैन्य ठिकानों पर मिसाइलें बरसाने का दावा किया। पहली नजर में यह संघर्ष विराम तोड़ने पर अमेरिका की सीधी सैन्य प्रतिक्रिया लगती है, लेकिन इस कहानी का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक पहलू भी है जिस पर ध्यान देना आवश्यक है। डोनाल्ड ट्रंप ने जून में जिस संघर्ष विराम और समझौते को अपनी बड़ी कूटनीतिक जीत बताया था, वही समझौता कुछ ही दिनों बाद उनके लिए राजनीतिक बोझ बन गया। उनकी अपनी रिपब्लिकन पार्टी के कई बड़े नेताओं ने सवाल उठाए कि आखिर अमेरिका ने ईरान को इतनी रियायतें क्यों दीं। इस डील के तहत अमेरिका ने होर्मुज से नौसैनिक नाकाबंदी हटाने और ईरानी तेल पर अस्थायी राहत देने जैसी रियायतें दीं। बदले में ईरान ने स्ट्रेट आफ होर्मुज खोलने का वादा किया। लेकिन इस डील के आलोचकों का कहना था कि ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम, मिसाइल क्षमता या प्राक्सी नेटवर्क पर कोई ठोस कार्रवाई करने का वादा नहीं किया। इसने ही ट्रंप के लिए राजनीतिक मुश्किलें पैदा कर दीं। टाम काटन, रोजर विकर, बिल कैसिडी, जान कार्निन और टेड क्रूज जैसे रिपब्लिकन नेताओं ने अलग-अलग शब्दों में इस समझौते पर सवाल उठाए। कुछ ने इसे अमेरिका की कमजोर सौदेबाजी बताया तो कुछ ने इसे अमेरिकी विदेश नीति का ब्लंडर कहा। वहीं कुछ ने कहा कि ईरान को बिना पर्याप्त कीमत चुकाए बड़ी राहत मिल गई। फिर 6-7 जुलाई को ईरान ने स्ट्रेट आफ होर्मुज में तीन वाणिज्यिक जहाजों पर हमला कर दिया। इससे ट्रंप को न केवल सैन्य जवाब देने का कारण मिला, बल्कि राजनीतिक तौर पर भी अपनी छवि बदलने का एक बड़ा मौका मिल गया। मेरी राय में यहीं से पूरी तस्वीर बदलती है।

भूकंप से कुछ सेकंड पहले अलर्ट भेज सकता है गूगल का ये फीचर

काराकास। प्राकृतिक आपदाओं के पूर्व सचेत करने को लेकर आधुनिक तकनीक ने इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति की है। ऐसा ही एक गूगल का एंड्रायड भूकंप अलर्ट फीचर है जो भूकंप के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले लोगों के मोबाइल फोन पर चेतावनी भेज सकता है। वेनेजुएला में हाल के दिनों में आए शक्तिशाली भूकंप के बाद इस तकनीक की फिर से चर्चा तेज हो गई है। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने दावा किया कि भूकंप के झटके आने से पहले उनके एंड्रायड फोन पर गूगल की ओर से चेतावनी संदेश प्राप्त हुआ था। साझा किए गए स्क्रीनशाट के अनुसार, अलर्ट में संभावित भूकंप की तीव्रता, दूरी और आवश्यक सावधानियों की जानकारी दी गई थी। इससे लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण सेकंड मिल सके। गूगल का यह सिस्टम पारंपरिक भूकंप मापने वाले उपकरणों के साथ-साथ दुनिया भर में मौजूद करोड़ों एंड्रायड स्मार्टफोन का भी उपयोग करता है। आधुनिक स्मार्टफोन में लगा एक्सेलेरोमीटर सेंसर फोन की गति और कंपन को पहचानने में सक्षम होता है। यही सेंसर सामान्य उपयोग के दौरान स्क्रीन को घुमाने या गतिविधियों का पता लगाने का काम करता है। जब किसी क्षेत्र में बड़ी संख्या में स्मार्टफोन एक जैसी असामान्य कंपन दर्ज करते हैं, तो यह जानकारी गूगल के सर्वर तक पहुंचती है। इसके बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता और विशेष एल्गोरिद्म यह विश्लेषण करते हैं कि कंपन किसी भूकंप के कारण है या सामान्य गतिविधि के कारण।

दुनिया के सबसे वीआईपी फोन नंबर्स का अनमोल संग्रह, मालिक के नाम दर्ज हैं 4 गिनीज रिकार्ड!

बीजिंग। एक गुमनाम शख्स ने मोबाइल नंबर याद रखने की आम परेशानी को एक अनोखे जुनून में बदल दिया, जिसने शख्स को सीधा गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स की किताब में पहुंचा दिया है। ये शख्स दुनिया के 15 सबसे दुर्लभ और वीआईपी मोबाइल नंबर्स के संग्रह के मालिक हैं, जिसे उन्होंने गोल्डन डिजिट्स नाम दिया है। इस अनमोल कलेक्शन में शामिल चार नंबरों ने गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड्स में अपनी जगह बनाई है, जिनकी कीमत का अंदाजा लगाना भी करीब असंभव है। इस अनोखे शौक की शुरुआत करीब 15 साल पहले एक इत्तेफाक से हुई। जब उनका मोबाइल फोन खराब हुआ और उन्हें अपना ही नंबर याद करने में पसीने छूट गए, तब एक दोस्त ने सलाह दी कि उन्हें ऐसा नंबर लेना चाहिए, जिस याद रखना बच्चों का खेल हो। बस फिर क्या था, इस सलाह ने एक इसतरह के सफर की शुरुआत की, जिसने इस शख्स को वीआईपी नंबर्स का सबसे बड़ा कलेक्टर बना दिया। उन्होंने बार-बार दोहराए जाने वाले या पैटर्न वाले अंकों वाले नंबर्स को प्राथमिकता दी।

बांग्लादेश ने स्टारलिंक को दी बैंडविड्थ निर्यात की अनुमति नेपाल के लिए सैटेलाइट इंटरनेट का नया रास्ता खुला

काठमांडू

बांग्लादेश ने अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स की सैटेलाइट इंटरनेट सेवा स्टारलिंक को दक्षिण एशियाई देशों के लिए बैंडविड्थ निर्यात करने की औपचारिक अनुमति दे दी है। बांग्लादेश दूरसंचार नियामक आयोग (बीटीआरसी) ने स्टारलिंक को अपने दूरसंचार ढांचे का उपयोग कर सीमा पार इंटरनेट ट्रैफिक भेजने की स्वीकृति प्रदान की है। इस फैसले के बाद नेपाल और भूटान जैसे स्थल-रुद्ध (लैंडलाक्ड) देशों के लिए बांग्लादेश सैटेलाइट इंटरनेट का प्रमुख ट्रांजिट हब बन सकता है। नई व्यवस्था के तहत स्टारलिंक बांग्लादेश की समुद्री सबमरीन केबल से प्राप्त अंतरराष्ट्रीय बैंडविड्थ को सैटेलाइट के माध्यम से नेपाल तक पहुंचा सकेगा।

बांग्लादेश के अखबार डेली स्टार के अनुसार, इस प्रक्रिया में बांग्लादेश बिना किसी अतिरिक्त फिल्टरिंग के बैंडविड्थ उपलब्ध कराएगा। बांग्लादेश के सैटेलाइट विशेषज्ञ और पुकु डाट एसएच के प्रबंध निदेशक मुस्तफा महमुद हुसैन का कहना है कि यदि नेपाल सरकार अनुमति देती है तो नेपाली उपभोक्ता आसानी से स्टारलिंक की इंटरनेट सेवा का उपयोग कर सकेंगे। उन्होंने इस व्यवस्था को विदेशी एंकर के साथ बेंट पाइप संरचना बताया।

उन्होंने कहा कि नेपाल में उपभोक्ता के घर पर लगे स्टारलिंक डिश (टर्मिनल) से लगभग 550 किलोमीटर ऊपर लो-अर्थ आर्बिट में मौजूद सैटेलाइट तक सिग्नल भेजा जाएगा। तकनीकी रूप से नेपाल में ग्राहक की डिश के अलावा किसी अतिरिक्त हार्डवेयर, गेटवे या सर्वर की आवश्यकता नहीं होगी।

ऐसे में बांग्लादेश को डेटा ट्रैम्पोलिन के रूप में उपयोग कर दक्षिण एशियाई बाजार में प्रवेश करने की रणनीति को एलन मस्क की बड़ी सफलता माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि बांग्लादेश ने बैंडविड्थ निर्यात के बदले विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लिए भी प्रभावी बातचीत की है।

स्टारलिंक लंबे समय से नेपाल में अपनी सेवा शुरू करने की इच्छा जता रहा है। हाल ही में कंपनी की निदेशक रेबेका हंटर काठमांडू पहुंचीं और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री विक्रम तिमिल्सिना से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने नेपाल में इंटरनेट सेवा शुरू करने की अनुमति मांगी, लेकिन मौजूदा नीतिगत और कानूनी जटिलताओं के कारण अनुमति न मिलने की शिकायत भी की।

इससे पहले स्टारलिंक प्रमुख एलन मस्क ने तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के साथ वर्चुअल बातचीत में माउंट एवरेस्ट (सगरमाथा) की चोटी तक स्टारलिंक सेवा पहुंचाने की इच्छा जताई थी। वहीं, पिछले कुछ वर्षों से नेपाल के हिमालयी क्षेत्रों में स्टारलिंक इंटरनेट के अवैध उपयोग की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। नेपाल दूरसंचार प्राधिकरण के सहायक प्रवक्ता प्रदीप पौड्याल के अनुसार, स्टारलिंक को नेपाल में सीधे ग्राहकों को सेवा देने के लिए अनिवार्य रूप से पंजीकरण कर अनुमति लेनी होगी। बिना अनुमति वह न तो सीधे इंटरनेट सेवा बेच सकता है और न ही नेपाल की सीमा के भीतर सैटेलाइट सिग्नल का डाउनलिंक कर सकता है। हालांकि नेपाल के इंटरनेट सेवा प्रदाता किसी भी अंतरराष्ट्रीय सैटेलाइट दूरसंचार कंपनी से बैंडविड्थ खरीदकर अपने ग्राहकों को बेच सकते हैं। पौड्याल ने कहा कि किस देश या कंपनी से बैंडविड्थ खरीदनी है, यह पूरी तरह इंटरनेट सेवा प्रदाताओं का व्यावसायिक निर्णय है। सरकार इस पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाती। इसलिए बांग्लादेश का नया निर्णय नेपाली आपरेटरों के लिए एक अतिरिक्त विकल्प बन सकता है। वर्तमान में भी नेपाल के कुछ सेवा प्रदाता विदेशी सैटेलाइट कंपनियों से बैंडविड्थ खरीदकर इंटरनेट सेवा उपलब्ध करा रहे हैं। इसके लिए अब तक दो कंपनियों को ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशंस (जीएमपीसीएस) लाइसेंस मिला है। सानेपा स्थित कन्स्टिलेसन प्रा.लि. और कमलादी की आईफोर टेक्नोलाजीज ने यह लाइसेंस प्राप्त किया है। कन्स्टिलेसन 2022 से संयुक्त अरब अमीरात की थुरैया सैटेलाइट टेलीकम्युनिकेशंस से तथा आईफोर टेक्नोलाजीज ब्रिटेन की इनमारसैट से सैटेलाइट बैंडविड्थ लेकर नेपाल में इंटरनेट और सैटेलाइट फोन सेवाएं उपलब्ध करा रही हैं। कन्स्टिलेसन के सनातन गजुरेल का कहना है कि नेपाल के हिमालयी और उच्च हिमालयी क्षेत्रों में अवैध सैटेलाइट फोन और इंटरनेट के इस्तेमाल से उनका वैध कारोबार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। उनके अनुसार, एवरेस्ट बेस कैंप-2 और बेस कैंप-3 में खुलेआम अवैध सैटेलाइट इंटरनेट का उपयोग किया जा रहा है। स्थानीय इंटरनेट सेवा प्रदाताओं का कहना है कि जब तक स्टारलिंक नेपाल में किसी स्थानीय कंपनी के साथ साझेदारी नहीं करता और आवश्यक लाइसेंस प्राप्त नहीं करता, तब तक वह यहां सेवा शुरू नहीं कर सकता। नेपाल की मौजूदा दूरसंचार नीति के अनुसार इंटरनेट सेवा क्षेत्र में विदेशी निवेश की अधिकतम सीमा 80 प्रतिशत है, जबकि शेष 20 प्रतिशत हिस्सेदारी स्थानीय साझेदार की होना अनिवार्य है। दूसरी ओर, स्टारलिंक अपनी कंपनी में 100 प्रतिशत विदेशी स्वामित्व बनाए रखने की शर्त पर अड़ा हुआ है। यही कारण है कि उसे अब तक नेपाल में व्यावसायिक अनुमति नहीं मिल सकी है। हालांकि, संचार मंत्री विक्रम तिमिल्सिना ने हाल ही में कहा था कि स्टारलिंक नेपाल के मौजूदा कानूनों और प्रक्रियाओं का पालन करते हुए पंजीकरण करा सकता है।

भारतीय मूल के नासा अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए भरेंगे उड़ान

वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रीय वैमानिकी और अंतरिक्ष प्रशासन (नासा) के अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। 49 वर्षीय मेनन भारतीय मूल के हैं। इस आशय की विज्ञप्ति नासा की वेबसाइट पर नौ जुलाई को साझा की गई है। विज्ञप्ति के अनुसार, मिनियापोलिस में यूक्रेनी और भारतीय प्रवासी माता-पिता के घर जन्मे मेनन आपातकालीन चिकित्सा के चिकित्सक और अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं।

नासा की विज्ञप्ति के अनुसार, अनिल मेनन, कास्मोनाट प्योत्र डुब्रोव और अन्ना किकिना के साथ रोस्कोस्मोस के सोयुज एमएस-29 स्पेसक्राफ्ट से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए उड़ान भरेंगे। वहां वे एक्सपीडिशन 74 क्रू के साथ मिलकर वैज्ञानिक अनुसंधान को आगे बढ़ाएंगे। उत्तरी अमेरिका के समयानुसार तीनों सुबह 10:47 बजे (बैकोनूर समय के अनुसार शाम 7:47 बजे) उड़ान भरेंगे। इसका लाइव कवरेज नासा, अमेजन प्राइम और नासा के यू-ट्यूब चैनल पर उपलब्ध होगा। नासा ने साफ किया है कि इस कार्यक्रम में बदलाव हो सकता है।

अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन, डुब्रोव और किकिना अप्रैल 2027 में पृथ्वी पर लौटने से पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक्सपीडिशन 74/75 क्रू सदस्यों के तौर पर आर्बिटल काम्प्लेक्स में लगभग आठ महीने बिताएंगे। मेनन की यह पहली, डुब्रोव और किकिना की यह दूसरी अंतरिक्ष उड़ान होगी। इस दौरान मेनन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अपने प्रवास के दौरान वैज्ञानिक प्रयोग करेंगे। इनमें लंबे समय तक अंतरिक्ष में रहने का मानव शरीर पर पड़ने वाले शारीरिक प्रभावों का अध्ययन तथा यह जांच शामिल होगी।

संभल नहीं रहा देश तो भारत का नाम लेने लगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं, आर्थिक संकट और बढ़ते उग्रवाद से जूझ रहा है, ऐसे में पाकिस्तानी सेना के डीजी आईएसपीआर लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी एक बार फिर अपनी नाकामियों का ठीकरा भारत पर फोड़ते नजर आए। अपनी फजीहत करवाने और सड़कछाप भाषा के लिए मशहूर इस जनरल ने अपनी सरकार और सेना की अक्षमता से ध्यान भटकाने के लिए भारत के खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए, जो पाकिस्तान में झूठ और छल की एक पुरानी आदत को दर्शाते हैं। देश में बार-बार सुरक्षा चूक, खुफिया विफलता और विद्रोह को रोकने में नाकामयाबी के कारण पाकिस्तानी सेना भारी दबाव में है, और ऐसे में भारत पर आरोप लगाना एक सुविधाजनक बहाना बन गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आटे, दाल और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों को लेकर जनता सड़कों पर है, बलूचिस्तान में बरसों के दमन से परेशान होकर बलूच लिबरेशन आर्मी ने पाकिस्तानी सेना पर बड़े हमले शुरू कर दिए हैं, और खैबर पख्तूनख्वा तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के हमलों से दहल रहा है। इन गंभीर आंतरिक चुनौतियों के बावजूद, पाकिस्तानी नेतृत्व समाधान खोजने के बजाय भारत के खिलाफ मनगढ़ंत आरोप लगाने में व्यस्त है।

बुजुर्गों में स्मार्टफोन के कारण बढ सकता है डिप्रेशन का खतरा

बीजिंग

अगर स्मार्टफोन का इस्तेमाल जरूरत से ज्यादा या एक आदत के तौर पर किया जाए तो यह मानसिक स्वास्थ्य पर उल्टा असर भी डाल सकता है। हाल ही किए गए अध्ययन के अनुसार, 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में इसके कारण डिप्रेशन (अवसाद) का खतरा काफी बढ़ सकता है, जो एक गंभीर चिंता का विषय है।

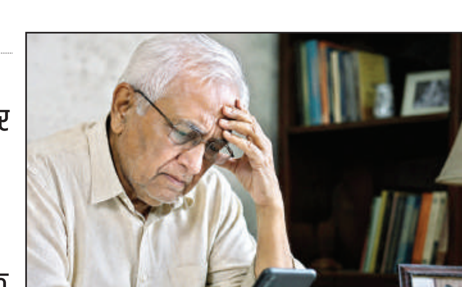

यह महत्वपूर्ण अध्ययन रटगर्स स्कूल आफ सोशल वर्क के प्रोफेसर चिएन-चुंग हुआंग के नेतृत्व में किया गया और इसे प्रतिष्ठित जेएमआईआर एजिंग नाम की जर्नल में प्रकाशित किया गया है। शोध में चीन के ग्वांगझू शहर की 87 कम्युनिटीज में रहने वाले 2,585 बुजुर्ग लोगों को शामिल किया गया। इन लोगों से उनके स्मार्टफोन इस्तेमाल करने की आदतों, उनके सामाजिक जीवन और उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी एकत्र की गई। इसके साथ ही, उनकी उम्र, शिक्षा का स्तर, आय और पारिवारिक स्थिति जैसे महत्वपूर्ण आंकड़े भी इकट्ठा किए गए। शोधकर्ताओं ने आधुनिक मशीन लर्निंग तकनीक का इस्तेमाल करके यह समझने की कोशिश की कि कौन-कौन से कारण डिप्रेशन से सबसे ज्यादा जुड़े हुए हैं। इस विश्लेषण में सबसे बड़ा कारण कम सामाजिक गतिविधियों में भाग लेना पाया गया, जिसका अर्थ है कि जो बुजुर्ग अपने सामाजिक दायरे से दूर रहते हैं, उनमें डिप्रेशन का खतरा ज्यादा होता है। इसके बाद स्मार्टफोन की लत या बहुत ज्यादा इस्तेमाल को दूसरा बड़ा कारण माना गया। जिन लोगों में स्मार्टफोन का इस्तेमाल जरूरत से ज्यादा और आदतन पाया गया, उनमें डिप्रेशन के लक्षण भी ज्यादा देखे गए, जो इस तकनीक के नकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है। अध्ययन में यह भी पाया गया कि फोन का इस्तेमाल हमेशा नुकसानदायक नहीं होता है। यदि बुजुर्ग लोग वीडियो काल, मैसेजिंग या फोटो शेयरिंग के जरिए अपने परिवार और दोस्तों से जुड़े रहते हैं तो यह उनके मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। यह उन्हें अकेलापन महसूस करने से बचाता है और सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने में मदद करता है। समस्या तब शुरू होती है जब फोन सिर्फ अकेले बैठकर वीडियो देखने, सोशल मीडिया पर स्क्राल करने या गेम खेलने का जरिया बन जाता है। इससे व्यक्ति धीरे-धीरे असल दुनिया के लोगों और गतिविधियों से दूरी बनाने लगता है, जिससे अकेलापन और अवसाद बढ़ सकता है। एक शोधकर्ता ने बताया कि जब कोई बुजुर्ग व्यक्ति अपने फोन को वास्तविक सामाजिक जीवन के विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने लगता है तो यह डिप्रेशन का एक बड़ा संकेत हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं है कि फोन ही बीमारी की वजह है, बल्कि यह कि फोन का गलत और अत्यधिक इस्तेमाल सामाजिक दूरी और अकेलेपन को बढ़ा सकता है। स्टडी में यह भी सामने आया कि कुछ खास समूहों में डिप्रेशन का खतरा ज्यादा देखा गया। जैसे वे बुजुर्ग पुरुष जिनकी शिक्षा कम थी और जो स्मार्टफोन का ज्यादा इस्तेमाल करते थे। इनके लिए डिजिटल दुनिया को समझना थोड़ा मुश्किल होता है, इसलिए वे अक्सर सिर्फ मनोरंजन वाले कंटेंट पर निर्भर हो जाते हैं और धीरे-धीरे अकेलेपन में चले जाते हैं। वहीं दूसरी तरफ, ज्यादा पढ़े-लिखे और अच्छे आर्थिक हालात वाले बुजुर्ग भी अगर फोन की लत में फंस जाते हैं तो उनके लिए भी अकेलापन और डिप्रेशन का खतरा बढ़ सकता है।

नेपाल में पूर्व प्रधानमंत्रियों, पूर्व सेना प्रमुखों, पूर्व प्रधान न्यायाधीशों सहित 13,660 ने जमा कराया संपत्ति का विवरण

काठमांडू

सार्वजनिक पदों पर रहते हुए असामान्य रूपये से संपत्ति अर्जित करने के मामलों की जांच के लिए गठित संपत्ति जांच आयोग को अब तक 13,660 लोगों ने अपनी संपत्ति का विवरण सौंपा है। वहीं, कथित अवैध संपत्ति से जुड़ी 1,500 शिकायतें भी आयोग को प्राप्त हुई हैं।

आयोग के अनुसार, पूर्व प्रधानमंत्रियों, पूर्व प्रधान न्यायाधीशों, पूर्व सेना प्रमुखों से लेकर सरकारी कर्मचारियों तक ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा जमा कराया है। आयोग ने 14 अप्रैल को सार्वजनिक सूचना जारी कर जांच के दायरे में आने वाले पदाधिकारियों से एक महीने के भीतर अपने तथा अपने परिवार के नाम पर मौजूद संपत्तियों का विवरण जमा करने का आह्वान किया था। हालांकि अपेक्षित संख्या में विवरण नहीं मिलने पर आयोग ने समयसीमा बढ़ाकर 15 जुलाई के तक कर दी है।

अब तक पूर्व प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल और सुशीला कार्की, पूर्व मंत्रिपरिषद अध्यक्ष खिलराज रेग्मी, पूर्व उपप्रधानमंत्री ईश्वर पोखरेल, पूर्व मंत्री ओमप्रकाश अर्याल, रघुजी पंत, युवराज ज्ञवाली सहित कई वरिष्ठ नेताओं, पूर्व प्रधान न्यायाधीश रामकुमार प्रसाद शाह, गोपाल पराजुली, ओमप्रकाश मिश्र, प्रकाशमान सिंह राउत तथा पूर्व प्रधान सेनापति रुक्मांगत कटुवाल, मुख्य सचिव सुमनराज अर्याल, अधिकांश सचिव, लोक सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष उमेश मैनाली, अख्तियार दुरुपयोग अनुसंधान आयोग के पूर्व प्रमुख आयुक्त सूर्यनाथ उपाध्याय समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों ने संपत्ति विवरण जमा कराया है।

आयोग के प्रवक्ता गणेश केसी ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से प्रतिदिन लगभग 500 लोग विवरण जमा करा रहे हैं। गुरुवार को आयोग को 660 संपत्तियों का विवरण प्राप्त हुआ। आयोग ने जांच के दायरे में आने वाले व्यक्तियों को आयोग में स्वयं उपस्थित होकर, डाक अथवा ई-मेल के माध्यम से भी संपत्ति विवरण जमा करने की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने मंत्रिपरिषद की बैठक में उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार भण्डारी की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय संपत्ति जांच आयोग के गठन का निर्णय लिया था। आयोग पहले चरण में वर्ष 2006 से लेकर 2026 मार्च तक सार्वजनिक पदों पर रहे पदाधिकारियों और कर्मचारियों की संपत्तियों की जांच कर रहा है। इसके बाद वर्ष 1990 से 2006 तक सार्वजनिक पद संभालने वाले व्यक्तियों की संपत्तियों की जांच के लिए अलग से नई सूचना जारी की जाएगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। दिन के दूसरे हिस्से में आर्थिक तौर पर फ़ायदा होगा। आपको कोई अच्छी ख़बर मिल सकती है, जो न केवल आपको बल्कि आपके परिवार को भी रोमांचित कर देगी। आपको अपने रोमांच को नियंत्रित रखने की ज़रूरत है। नौकरी–पेशे के लिहाज़ से की गयी यात्रा सकारात्मक फल देगी। आपको इंटरव्यू के दौरान दिमाग़ ठण्डा रखने और ख़ुद को अभिव्यक्त करने की ज़रूरत है। आज अपने जीवनसाथी का व्यहवार उतना अच्छा नहीं होगा ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप जो शारीरिक बदलाव आज करेंगे, वे निश्चित तौर पर आपके रूप–रंग को आकर्षक बनाएगा। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए। सहकर्मियों और वरिष्ठों से मिला सहयोग आपके उत्साह में इज़ाफ़ा करेगा। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज आप ऊर्जा से लबरेज़ होंगे– आप जो भी करेंगे उसे आप उससे आधे वक़्त में ही कर देंगे, जितना वक़्त आप अक्सर लेते हैं। जेवर और एंटीक में निवेश फ़ायदेमंद रहेगा और समृद्धि लेकर आएगा। यह वक़्त इस बात को समझने का है कि गुस्सा छोटा–पागलपन है और यह आपको बारी नुक़सान की तरफ़ धकेल सकता है। काम की अधिकता के बावजूद भी आज कार्यक्षेत्र में आपमें ऊर्जा देखी जा सकती है। आज आप दिये गये काम को तय वक्त से पहले ही पूरा कर सकते हैं। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप खेल–कूद में हिस्सा ले सकते हैं, जो आपको तन्दुरुस्त बनाए रखेगा। आपकी माता पक्ष से आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है। हो सकता है कि आपके मामा या नाना आपकी आर्थिक मदद करें। अपने जीवन–साथी के साथ अपनी गोपनीय जानकारी बांटने से पहले सोच लें। अगर मुमकिन हो तो इससे बचें, क्योंकि इन बातों के बाहर फैलने का ख़तरा है । लोग आपको अपने बढ़िया काम के लिए कार्यक्षेत्र में पहचानेंगे। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। वैवाहिक जीवन में चीज़ें हाथ से निकलती हुई मालूम होंगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपको काफ़ी समय से चल रही बीमारी से छुटकारा मिल सकता है। आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आप किसी बड़े व्यावसायिक लेन–देन को अंजाम दे सकते हैं और मनोरंजन से जुड़ी किसी परियोजना में कई लोगों का संयोजन कर सकते हैं। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

घरेलू परेशानियाँ आपको तनाव दे सकती हैं। आज आपको अपने उन रिश्तेदारों को पैसा उधार नहीं देना चाहिए जिन्होंने आपका पिछला उधार अब तक वापस नहीं किया है। आपको ऐसी परियोजनाएँ शुरू करनी चाहिए, जो पूरे परिवार के लिए समृद्धिलाएँ। आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

झगड़ालू स्वभाव को क़ाबू में रखें, नहीं तो रिश्तों में कभी न मिटने वाली खटास पैदा हो सकती है। दीर्घावधि मुनाफ़े के नज़रिए से स्टॉक और म्यूचुअल फ़ंड में निवेश करना फ़ायदेमंद रहेगा। शाम का वक्त दोस्तों के साथ बिताना दिलचस्प तो रहेगा ही, साथ ही छुट्टी साथ बिताने की योजनाओं पर भी चर्चा हो सकेगी। प्यार के नज़रिए से यह दिन बेहद ख़ास रहेगा। अपने काम और प्राथमिकताओं पर ध्यान एकाग्र करें। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान–पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आपके घर वाले आपकी कोशिशों और समर्पण को सराहेंगे। आपका महबूब आज आपको बड़ी ख़ूबसूरती से कुछ ख़ास करके चौंका सकता है। लगता है कि आपके विरह आज देवदूतों जैसा व्यवहार करने वाले हैं। कोई रोचक मैगजीन या उपन्यास पढ़ के आजके दिन को आप अच्छी तरह से व्यतीत कर सकते हैं। मतभेदों की एक लम्बी श्रृंखला के पनपने के कारण आपको सामंजस्य बिठाने कें मुश्किल आएगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। कुछ भी चालाकी भरे काम को करने से बचें। मानसिक शांति के लिए इस तरह के कामों में से दूर रहे। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें– अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन किए गए दान–पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। आज घर से बाहर बड़ों का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है। किसी ऐतिहासिक इमारत के आस–पास सैर–सपाटे की योजना बनाएँ। इससे बच्चों और परिवार के सदस्यों को ज़रूरी ताज़गी मिलेगी। आपका साहस आपको प्यार दिलाने में सफल रहेगा। साझीदारी की परियोजनाएँ सकारात्मक परिणाम से ज़्यादा परेशानियाँ देंगी। कोई आपका बेजा फ़ायदा उठा सकता है और उसे ऐसा करने देने के लिए आप ख़ुद से ही नाराज़ हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

कुदरत ने आपको आत्मविश्वास और तेज़ दिमाग़ से नवाज़ा है– इसलिए इनका भरपूर इस्तेमाल कीजिए। नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार को पर्याप्त समय दें। उन्हें महसूस होने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। काम के दबाव के चलते मानसिक उथल–पुथल और परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

यात्रा के लिहाज़ से आप अभी कुछ कमज़ोर हैं, इसलिए लंबी यात्राओं से बचने की कोशिश कीजिए। पैसा अचानक आपके पास अएगा, जो अपके ख़र्चों और बिल आदि को सम्हाल लेगा। ऐसे कामों में सहभागिता करने के लिए अच्छा समय है, जिसमें युवा लोग जुड़े हों। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल–जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 11 जुलाई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : द्वादशी रात्रि 02:06 तक
नक्षत्र : कृतिका प्रातः 11:04 तक
योग : गण्ड रात्रि 12:05 तक
करण : कौलव सायं 03:48 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उड़द खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : योगिनी एकादशी व्रत , अमृत सिद्धि योग दोपहर 11:05 से

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

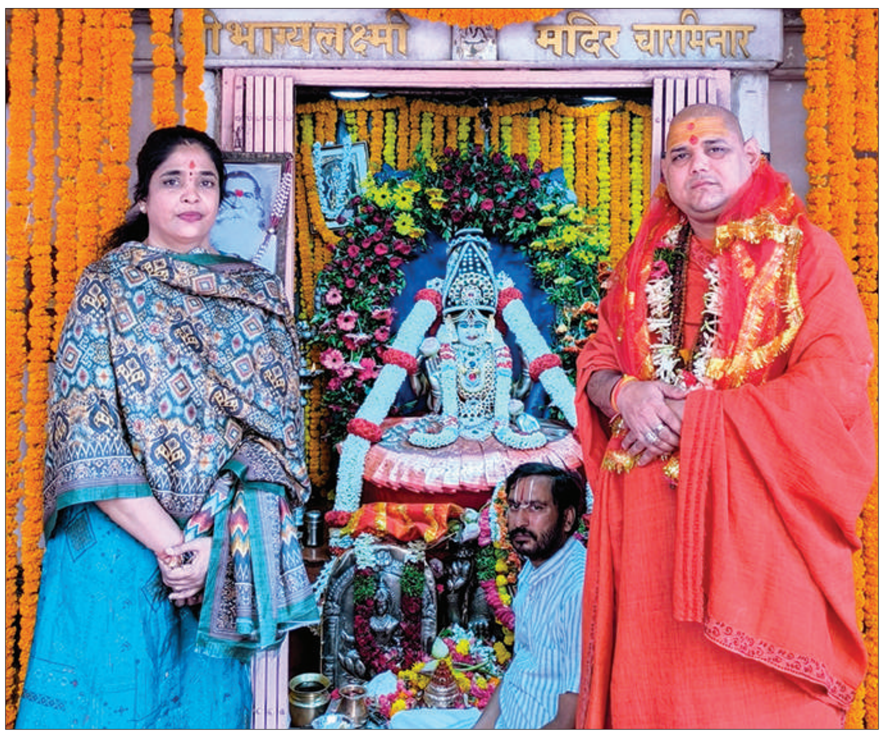

चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा–अर्चना के बाद उपस्थित महामण्डलेश्वर श्री स्वामी जय गिरि जी महाराज, पंचायती अखाड़ा निरंजनी हरिद्वार (उत्तराखण्ड)।

राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर चिकित्सालय के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि मानव सेवा ही सबसे बड़ी सेवा है तथा समूह का यह सेवा अभियान निरंतर जारी रहेगा।

महासाध्वी आगमश्रीजी एवं धैर्योश्रीजी का मंगल प्रवास

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रमण संघीयाचार्य, ज्ञान योगी एवं ध्यान योगी परम पूज्य डॉ. श्री शिव मुनि जी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी, अध्यात्म योगिनी एवं प्रवचन प्रभाविका महासाध्वी परम पूज्या अर्चनाश्रीजी म.सा. मीरा की सुशिष्याएँ, आयंबिल आराधिका तपसूर्या परम पूज्या आगमश्रीजी म.सा. तथा सेवाभावी मधुर गायिका महासाध्वी परम पूज्या धैर्योश्रीजी म.सा. आदि ठाणा इन दिनों श्री जीतमल गौतमचंद बेताला के निवास स्थान पर मंगल विराजमान हैं।

इस अवसर पर सभी धर्मप्रेमी भाई–बहनों से विनम्र निवेदन किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गुरुदेव एवं महासाध्वीजी के दर्शन, वंदन तथा धर्मश्रवण एवं धर्मलाभ का पुण्य अर्जित करें। साध्वीवृंद के सान्निध्य में श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक प्रेरणा एवं धर्माराधना का दुर्लभ अवसर प्राप्त हो रहा है।

महासाध्वीजी के विहार सेवा का पावन लाभ संजय कटारिया, विकास कटारिया, शेरमल तातेड़, अक्षय कटारिया, नीरज जैन तथा नयालचंद कोठारी ने श्रद्धाभावपूर्वक प्राप्त किया।

धर्मप्रेमियों में महासाध्वीजी के मंगल प्रवास को लेकर विशेष उत्साह एवं श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है। श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर दर्शन, वंदन एवं धर्मलाभ प्राप्त कर रहे हैं।

पेद्दापल्ली के कमान जंक्शन पर जाम से जनजीवन अस्त–व्यस्त, बाईपास और सड़क चौड़ीकरण की मांग तेज

पेद्दापल्ली, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कस्बे के व्यस्ततम कमान जंक्शन पर यातायात समस्या विकराल रूप लेती जा रही है। भारी वाहनों की निरंतर आवाजाही के कारण दिनभर में कई बार लंबा जाम लग जाता है। इससे दोपहिया वाहन चालकों, ऑटो चालकों और पैदल यात्रियों को रोजाना घंटों परेशानी झेलनी पड़ रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, कस्बे में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ी है, लेकिन कमान जंक्शन की सड़क संकरी होने से स्थिति बिगड़ गई है। भारी वाहनों के मुड़ते ही यातायात पूरी तरह ठप हो जाता है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड जैसे आपातकालीन सेवा वाहन भी जाम में फंस जाते हैं, जिससे कीमती समय बर्बाद होता है। नागरिकों का कहना है कि जंक्शन की मौजूदा स्थिति हादसों को न्योता दे रही है। अतीत में यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें जान–माल का नुकसान हुआ है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि समस्या के स्थायी समाधान के लिए कमान जंक्शन के साथ–साथ शहर की मुख्य सड़कों को चौड़ा किया जाए। साथ ही भारी वाहनों को शहर से बाहर निकालने के लिए प्रस्तावित बाईपास सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र पूरा किया जाए।

स्थानीय निवासियों और व्यापारियों ने जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की अपील की है, ताकि आमजन को रोजाना के जाम से राहत मिल सके और संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सके।

विशेष लोक अदालत 18 जुलाई को, चेक बाउंस के मामलों के निपटारे का सुनहरा मौका

पेद्दापल्ली, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला मुख्य न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की अध्यक्ष सुनीता कुंचला ने गुरुवार को रंगमपल्ली स्थित जिला न्यायालय परिसर में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर महत्वपूर्ण जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि जिले में वर्तमान में चेक बाउंस के 1659 मामले लंबित हैं, जिनमें से 476 मामलों में न्यायालय द्वारा वारंट जारी किए जा चुके हैं। जिन लोगों के खिलाफ वारंट जारी हुए हैं, वे निःसंकोच जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

जिला न्यायाधीश ने घोषणा की कि 18 जुलाई को विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसमें दोनों पक्षों की आपसी सहमति से समझौते के आधार पर मामलों का त्वरित निपटारा किया जाएगा। जो पक्षकार एकमुश्त राशि चुकाने में असमर्थ हैं, उन्हें किश्तों में भुगतान की सुविधा भी दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि सरकारी और निजी बैंकों से ऋण लेने वाले पक्षकार बैंक अधिकारियों से बातचीत कर रियायत के साथ समझौता कर सकते हैं। यूनियन बैंक तथा कई चिट फंड कंपनियों से जुड़े चेक बाउंस मामले भी लोक अदालत में सुलझाए जा सकेंगे।

इस अवसर पर सुनीता कुंचला ने जिले के अधिवक्ताओं से विशेष अपील की कि वे अपने मुवक्किलों को लोक अदालत के लाभ समझाएं और सुलह–समझौते के जरिए विवाद खत्म कराने में सहयोग करें।

अवैध शराब परोसने पर 15 हजार जुर्माना, संचालक एक लाख के मुचलके पर पाबंद

बांसवाड़ा, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी जिले में ढाबों पर अवैध शराब परोसने और गैरकानूनी गतिविधियों पर पुलिस की सख्त निगरानी जारी है। एसपी एम. राजेश चंद्र ने स्पष्ट किया है कि सार्वजनिक शांति भंग करने वाली किसी भी गतिविधि को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पिटलम थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव के बाहरी इलाके में स्थित दुर्गा भवानी संथु ढाबा के संचालक राठौड़ संतोष के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पुलिस के अनुसार, 30 अगस्त 2025 को तहसीलदार की मौजूदगी में पिटलम एसआई ने संचालक से 50 हजार रुपये का मुचलका भरवाया था। इसमें बिना अनुमति शराब परोसने और जमावड़ा न करने की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद 17 मई 2026 को ढाबे में फिर अवैध रूप से शराब परोसे जाने की सूचना पर पुलिस ने छापा मारा और अनियमितता पकड़ी। मामले में 10 जुलाई 2026 को पिटलम एसआई अंजनेयुलु ने तहसीलदार की मौजूदगी में संचालक राठौड़ संतोष पर मुचलका शर्तों के उल्लंघन पर 15 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। साथ ही भविष्य में ऐसी गतिविधि न दोहराने के लिए एक लाख रुपये का नया मुचलका भी भरवाया गया।

एसपी एम. राजेश चंद्र ने जिले के सभी ढाबा संचालकों को चेतावनी दी कि यदि ढाबों में अवैध शराब बिक्री, शराब परोसने या अन्य गैरकानूनी काम की अनुमति दी गई तो सख्त कार्रवाई होगी।

मदनूर–डोंगली में प्रतिबंध बेअसर

खुलेआम बिक रहा गुटखा–पान मसाला

मदनूर, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार ने राज्य में गुटखा और पान मसाला की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रखा है, लेकिन मदनूर और डोंगली मंडल में यह आदेश कागजों तक ही सीमित नजर आ रहा है। दोनों मंडलों की दुकानों पर बेधड़क गुटखा बेचा जा रहा है। सड़क किनारे खुलेआम पाउच लटकाकर बिक्री हो रही है, फिर भी खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस प्रशासन मौन है। स्थानीय जानकारी के अनुसार, दोनों मंडलों में हर माह लाखों रुपये का अवैध गुटखा कारोबार चल रहा है। प्रतिबंध के बाद बिक्री रुकी नहीं, बल्कि दाम दो से तीन गुना बढ़ गए हैं। इससे थोक विक्रेताओं की चांदी हो गई है। खुदरा दुकानों और पान ठेलों तक पहुंचते–पहुंचते कीमत और बढ़ जाती है, जिसका सीधा बोझ उपभोक्ताओं पर पड़ रहा है।

मदनूर मंडल की भौगोलिक स्थिति महाराष्ट्र सीमा से सटी होने के कारण समस्या और गंभीर हो गई है। बताया जा रहा है कि महाराष्ट्र के गुटखा व्यापारी रोजाना यहां से हजारों रुपये का माल खरीदकर ले जा रहे हैं। अवैध कारोबार पुलिस के लिए चुनौती बन गया है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि दुकानदारों को न तो खाद्य विभाग का डर है और न ही पुलिस प्रशासन का। लोगों ने मांग की है कि जिला प्रशासन तत्काल छापेमारी कर अवैध बिक्री पर रोक लगाए और दोषी दुकानदारों व इसमें लिप्त अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करे, ताकि सरकारी प्रतिबंध को जमीन पर लागू किया जा सके।

शिक्षकों–कर्मचारियों का 14 को जिला स्तरीय धरना, संगठनों ने सफल बनाने की अपील

मंचेरियाल, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना शिक्षक एवं कर्मचारी संगठनों ने लंबित मांगों के समाधान के लिए आगामी 14 जुलाई को जिला स्तरीय धरने का आह्वान किया है। गुरुवार को तांडूर स्थित जिला परिषद माध्यमिक विद्यालय में धरने के पोस्टर का विमोचन किया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों और कर्मचारियों की वर्षों से लंबित मांगों पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए बड़ी संख्या में धरने में शामिल होना जरूरी है। उन्होंने सभी विभागों के कर्मचारियों, शिक्षकों और संगठन के सदस्यों से एकजुट होकर आंदोलन को सफल बनाने की अपील की।इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बग्गानी रवि और जिला सचिव भारती अशोक ने कहा कि यह धरना कर्मचारियों के हक की लड़ाई है। उन्होंने सभी पदाधिकारियों और सदस्यों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धरने को ऐतिहासिक बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में संगठन के अन्य पदाधिकारी और बड़ी संख्या में सदस्य मौजूद रहे।

कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने किया वार्डों का निरीक्षण

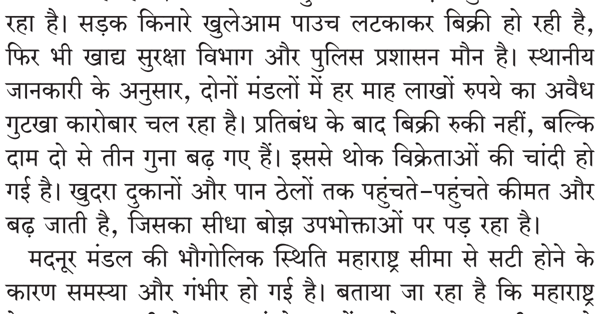

पेद्दापल्ली, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने शुक्रवार को पेद्दापल्ली कस्बे के वार्ड 33 भरत नगर और वार्ड 19 बंदरिकंता में चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एसआईआर प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी और त्रुटिरहित होनी चाहिए।कलेक्टर ने कहा कि यह प्रक्रिया पात्र मतदाताओं को मतदान का अधिकार देने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए हर अधिकारी पूरी जिम्मेदारी से काम करे। गणना कर्मियों को घर–घर जाकर फॉर्म एकत्र करते समय विशेष सावधानी बरतने की हिदायत दी गई, ताकि किसी भी प्रकार की गलती न हो।कलेक्टर ने नगर आयुक्त वेंकटेश को आदेश दिया कि नगरपालिका कार्यालयों में विशेष सहायता केंद्र स्थापित किए जाएं। इससे मतदाताओं को पंजीकरण में आने वाली दिक्कतें दूर होंगी और उनके सवालों का मौके पर समाधान मिल सकेगा। उन्होंने प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए नगर कर्मचारियों का पूरा उपयोग करने को कहा।कलेक्टर ने तहसीलदारों को निर्देश दिया कि ग्राम पंचायत क्षेत्रों में ग्राम एकता संघों के सदस्यों के सहयोग से गणना प्रपत्र त्रुटिरहित भरे जाएं। साथ ही जमीनी स्तर पर लगातार निगरानी रखकर तय समय में काम पूरा कराया जाए। निरीक्षण के दौरान आरडीओ गंगायाह, नगर आयुक्त वेंकटेश, उप तहसीलदार विजय और अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए फ्राइडे ड्राई डे अभियान, कमिश्नर ने की साफ–सफाई की अपील

बांसवाड़ा, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगर आयुक्त गोपू गंगाधर ने नागरिकों से मौसमी बीमारियों से बचने के लिए अपने घरों और आसपास सफाई रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि डेंगू जैसी बीमारियों को रोकने के लिए हर वार्ड में शुक्रवार को 'फ्राइडे ड्राई डे' कार्यक्रम आयोजित किया जाना चाहिए।

शुक्रवार को कामारेड्डी जिले की बांसवाड़ा नगरपालिका के वार्ड 13 स्थित टीचर्स कॉलोनी में सिंधु स्कूल के पास आयोजित 'फ्राइडे ड्राई डे' कार्यक्रम में नगर आयुक्त गोपू गंगाधर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में पार्षद खालेक, को–ऑप्शन सदस्य खमार सुल्ताना गौस और सिंधु स्कूल के कॉरेस्पोंडेंट ज्ञानेश्वर अनिल भी मौजूद रहे।

नगर आयुक्त ने कहा कि घरों और आसपास पानी जमा न होने दें, क्योंकि ठहरे हुए पानी में मच्छर पनपते हैं और डेंगू व अन्य मौसमी बीमारियां फैलती हैं। वार्ड 13 के पार्षद खालेक ने बताया कि नगरपालिका और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से यह अभियान चलाया गया। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सप्ताह में एक दिन सफाई के लिए जरूर निकालें।

को–ऑप्शन सदस्य गौस ने कहा कि हर नागरिक को शुक्रवार को ड्राई डे के रूप में मनाना चाहिए और अपने क्षेत्र को साफ रखना चाहिए।

कार्यक्रम में कॉलोनी के बुजुर्ग, मेडिकल पवन, ए वन फुटवियर के प्रतिनिधि, कादिर भाई, किशोर, अज़मत सहित कई स्थानीय नागरिक शामिल हुए।

बांसवाड़ा एससी गर्ल्स हॉस्टल की छात्रा ने की आत्महत्या, वार्डन ममता निलंबित

बांसवाड़ा, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर के एससी गर्ल्स जूनियर कॉलेज हॉस्टल में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष की छात्रा की आत्महत्या के मामले में जिला प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। जिला कलेक्टर आशीष सांगवान के आदेश पर हॉस्टल वार्डन ममता को गुरुवार शाम निलंबित कर दिया गया।

जिला एससी वेलफेयर ऑफिसर वेंकटेश ने बताया कि छात्रा की आत्महत्या के बाद हॉस्टल में हंगामे की स्थिति बन गई थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए बांसवाड़ा आरडीओ रविंदर रेड्डी और एससी वेलफेयर ऑफिसर वेंकटेश ने मौके पर पहुंचकर जांच की।

जांच के दौरान वार्डन पर लापरवाही के आरोप सामने आए। जांच रिपोर्ट जिला कलेक्टर को सौंपी गई, जिसके आधार पर कलेक्टर आशीष सांगवान ने तत्काल प्रभाव से वार्डन ममता को निलंबित करने के आदेश जारी किए। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

अर्जुन को बचाने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने सहे थे इस योद्धा के 12 तीर

महाभारत में वर्णित एक ऐसी ही कहानी है कर्ण और अर्जुन के युद्ध के समय की।

महाभारत युद्ध में कर्ण और अर्जुन आमने-सामने थे। युद्ध बहुत भयंकर होता जा रहा था। दोनों योद्धा एक-दूसरे पर शक्तियों का प्रयोग कर रहे थे। कर्ण ने अर्जुन को हराने के लिए सर्प बाण चलाने का निर्णय किया। इस बाण को कर्ण ने वर्षों से अर्जुन पर प्रहार के लिए रखा था। वास्तव में ये बाण पाताललोक में अश्वसेन नाम का नाग था, जो अर्जुन को अपना शत्रु मानता था। इसका कारण ये था कि खांडववन में अर्जुन ने उसकी माता का वध किया था। अश्वसेन तभी से अर्जुन को मारने के लिए मौके की तलाश में था।

कर्ण को सर्प बाण का प्रयोग करते देख अश्वसेन खुद बाण पर विराजित हो गया। कर्ण ने अर्जुन पर तीर से निशाना बनाया। अर्जुन बाण का रूप धारण किए नाग को पहचान नहीं पाए जबकि अर्जुन का रथ चला रहे भगवान कृष्ण ने अश्वसेन को तत्काल ही पहचान लिया। अर्जुन के प्राणों की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने अपने पैरों से रथ को दबा दिया। रथ के पहिए जमीन में धंस गए। घोडे बैठ गए और तीर अर्जुन के गले की बजाय उसके मस्तक पर जा लगा। इससे उसका मुकुट छिटककर धरती पर जा गिरा।

इस तरह श्रीकृष्ण ने अपने पार्थ अर्जुन को बचा लिया। अर्जुन और भगवान कृष्ण रथ के धंसे पहिए निकालने के लिए नीचे उतरे। तभी मौका देखकर कर्ण ने अर्जुन पर वार शुरू कर दिया और कृष्ण को 12 तीर मारे। पूरी सृष्टि के रचयिता भगवान श्रीकृष्ण ने उन बाणों के घाव को सह लिया। भगवान ने अर्जुन को अश्वसेन के बारे में बताया। अर्जुन ने छह तीरों से अश्वसेन के टुकड-टुकडे कर दिए और इस तरह भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं पीडा सहते हुए अपने परमप्रिय अर्जुन को बचा लिया।

महाभारत के युद्ध को इतिहास के सबसे भीषण रक्तपात वाले युद्धों में से एक माना जाता है। इस युद्ध से जुडी हुई कहानियां आज भी याद की जाती है। देखा जाए तो 18 दिनों तक चले इस युद्ध से हम आज भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। श्रीकृष्ण ने युद्ध के समय दुविधा में घिरे अर्जुन को गीता सार द्वारा जीवन की कई महत्वपूर्ण घटनाओं से लडने की शिक्षा दी थी।

धन की देवी लक्ष्मी की ये 5 बातें जानकर खुल जाएंगे किस्मत के दरवाजे

हिंदू धर्म में देवी लक्ष्मी का स्थान बहुत बड़ा है, हर घर में लक्ष्मी की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि अगर लक्ष्मी आप पर मेहरबान रहे तो आपके घर में धन, सुख की वर्षा जरूर होगी। ऐसे में आज हम आपको बताएंगे देवी लक्ष्मी से जुडी ऐसी 5 रोचक बातें जो आपके भाग्य बदल सकती हैं।

1. देवी लक्ष्मी को पुराणों में भगवान विष्णु की पत्नी का दर्जा हासिल है। इन्हें धन की देवी के रुप में पूजा जाता है। इनका प्रतीक है अक्षय कलश जिसे देवी लक्ष्मी ने अपने हाथों में ले रखा है। यह कलश आप इनकी हर मूर्ति में देख सकते हैं। इसी कलश से वह धन की वर्षा करती हैं।

2. देवी लक्ष्मी को कमला नाम से भी जाना जाता है, ऐसा इसलिए क्योंकि वह कमल पर विराजमान रहती हैं। साथ ही इनके हाथों में कमल के फूल भी हैं। कमल पर यह इसलिए विराजमान रहती हैं क्योंकि इनका जन्म सागर में हुआ था ऐसी मान्यता है।

3. देवी लक्ष्मी की मूर्तियों में हाथी होते हैं। दरअसल यह गज लक्ष्मी का स्वरुप होता है। इस तस्वीर का मतलब है कि देवी जल और जीवन को दर्शा रही हैं। जल से इनका संबंध कृषि और जीवन से है, वहीं हाथी वर्षा का प्रतीक है।

4. अक्सर आपने सुना होगा लक्ष्मी के साथ ही अलक्ष्मी का भी वास होता है। देवी लक्ष्मी की बडी बहन अलक्ष्मी हमेशा देवी लक्ष्मी के साथ रहती हैं, इसलिए जहां भी केवल धन का वास होता है वहां सुख ज्यादा देर नहीं टिक पाती। ऐसे में हमें विष्णु की पूजा करनी चाहिए, उनके पूजन से अलक्ष्मी दूर होती है।

5 . दे वी लक्ष्मी क बारे में यह कहा जाता है कि उनका वाहन उल्लू है। लेकनि कम लोग जानते हैं कि देवी लक्ष्मी का वाहन हाथी भी है। हाथी को गणेश जी का भी स्वरूप माना जाता है जो शुभता को दर्शाता है यानी जहां शुभ कर्म होंगे वहां लाभ भी होगा और लक्ष्मी भी होगी।

कुंती के जन्म से जुडा है ये रहस्य, जिसने बदल दी महाभारत की कहानी

कुंती के यहां ऋषि दुर्वासा पधारे और कुंती ने उनकी खूब सेवा की। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर ऋषि दुर्वासा ने कुंती को आशीर्वाद दिया कि वो जिस भी देवता का ध्यान करके मंत्र का उच्चारण करेगी, उस देवता के समान ही उसे पुत्र की प्राप्ति होगी।

महाभारत में कई चरित्र ऐसे हैं जिन्हें हमेशा से सवालों के घेरे में रखा जाता है। पांडवों और सूर्यपुत्र कर्ण की मां के रूप में कुंती द्वारा लिए गए कई निर्णयों को गलत ठहराया जाता है। जैसे महारथी और दानशील कहलाए जाने वाले कर्ण को स्वीकार न करके नदी में बहा देने की घटना को आज भी अधिकतर लोग सही नहीं मानते।

जबकि एक गलतफ्हमी के कारण दंड के रूप में द्रौपदी का विवाह पांचों भाईयों से करवा देने के निर्णय को भी अधिकतर लोग, खासकर आधुनिक बुद्धिजीवी वर्ग द्वारा आलोचना की जाती है, लेकिन इन सब बातों से ऊपर उठकर गहराई से सोचें तो महाभारत के अधिकतर पात्र स्वयं पूर्वजन्म या बचपन में कई भीषण समस्याओं से गुजर चुके थे, जिसके कारण उनका व्यक्तित्व और कर्म प्रभावित हुए। कुंती भी इस बात का अपवाद नहीं है।

क्या आप कुंती के जन्म से जुडे रहस्य के बारे में जानते हैं। वास्तव में आज भी कितने ही लोग कुंती का असली नाम नहीं जानते। इसका कारण ये भी है कि महाभारत पर बने टीवी सीरियल्स में कुंती के जन्म से जुडी हुई कहानी को विस्तार से नहीं दिखाया गया। चलिए , हम आपको बताते हैं राजकुमारी कुंती के जन्म से जुडे हुए रहस्य के बारे में।

पृथा था राजकुमारी कुंती का नाम

यदुवंश के प्रसिद्ध राजा शूरसेन श्रीकृष्ण के पितामह थे, जिनकी पृथा नामक एक पुत्री थी। शूरसेन के फुफेरे भाई कुंतीभोज की कोई सन्तान नहीं थी, इसलिए शूरसेन ने कुंतीभोज को वचन दिया कि उनकी पहली संतान को उन्हें गोद दे देंगे। फलस्वरूप पृथा शूरसेन की पहली पुत्री थी जिसे कुंतीभोज ने गोद लिया था। जिसके बाद पृथा का नाम कुंती पड गया। इस प्रकार कुंती को मिला मंत्र द्वारा संतान उत्पत्ति का वरदान।

एक बार कुंती के यहां ऋषि दुर्वासा पधारे और कुंती ने उनकी खूब सेवा की। उनकी सेवा से प्रसन्न होकर ऋषि दुर्वासा ने कुंती को आशीर्वाद दिया कि वो जिस भी देवता का ध्यान करके मंत्र का उच्चारण करेगी, उस देवता के समान ही उसे पुत्र की प्राप्ति होगी।

इस तरह कुंती ने सबसे पहले सूर्यदेव की स्तुति की, जिससे उन्हें महारथी कर्ण संतान के रूप में प्राप्त हुए। इसके बाद पांडु से विवाह होने के लिए बाद उन्हें युधिष्ठिर, भीम और अर्जुन की प्राप्ति हुई।

ध्यान रखें सोमवार को बिल्वपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए

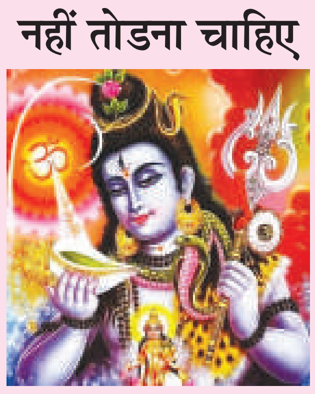

ध्यान रखें सोमवार को बिल्वपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए। इसके साथ ही चतुर्थी, अष्टमी, नवमीं, चतुर्दशी और अमावस्या को बिल्बपत्र तोडना शास्त्रों में निषेध माना गया है। श्रावण माह में शिवलिंग पर बिल्बपत्र अर्पित करने बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने पर शिवभक्त की मनोकामना जरूर पूरी होती है। यदि बिल्बपत्र की जड का जल अपने सिर पर लगाएं तो इससे सारे तीर्थों के दर्शन का पुण्य लाभ मिलता है।

बिल्बपत्र को शिवलिंग पर अर्पित करने के कुछ नियम होते हैं। यदि आप इनका पालन करते हैं तभी यह शुभकारक है। ध्यान रखें सोमवार को बिल्बपत्र पेड से नहीं तोडना चाहिए। इसके साथ ही चतुर्थी, अष्टमी, नवमीं, चतुर्दशी और अमावस्या को बिल्बपत्र तोडना शास्त्रों में निषेध माना गया है। श्रावण सोमवार को गंध, फूल, धतूरे से जो बिल्ववृक्ष की जड की पूजा करने से संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही श्रावण सोमवार के दिन यदि कोई कुंवारी कन्या व्रत रखें तो उसे उत्तम वर की प्राप्ति होती है।

स्त्रियों को खुश रखने के ये हैं अचूक उपाय

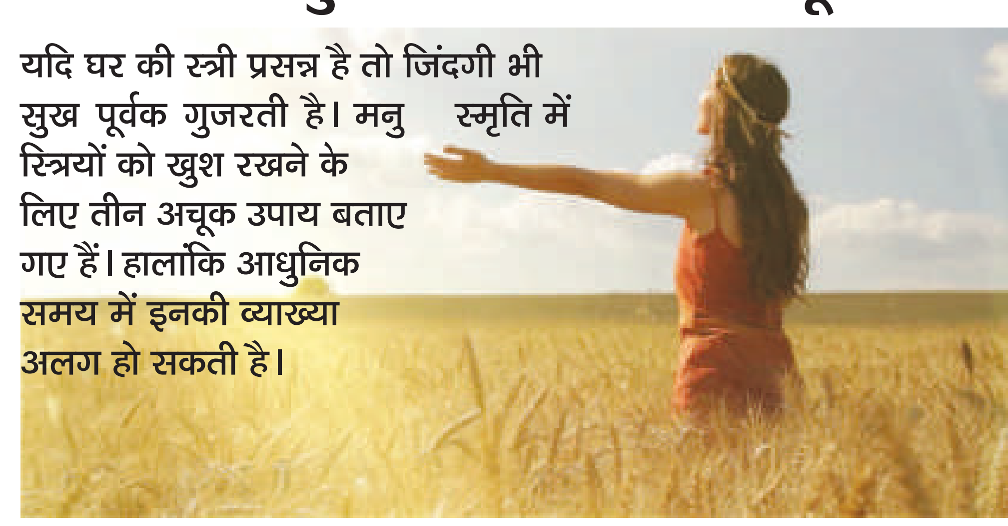

यदि घर की स्त्री प्रसन्न है तो जिंदगी भी सुख पूर्वक गुजरती है। मनु स्मृति में स्त्रियों को खुश रखने के लिए तीन अचूक उपाय बताए गए हैं। हालांकि आधुनिक समय में इनकी व्याख्या अलग हो सकती है।

मनु स्मृति के विचारों को हिंदू धर्म के आधार के तौर पर देखा जाता रहा है। इस पौराणिक ग्रंथ में कई रीति-रिवाज, संस्कारों के बारे में विस्तार से बताया गया है। स्त्रियों के बारे में भी इस ग्रंथ में बताया गया है, कि उन्हें कैसे प्रसन्न रखा जा सकता है। मनुस्मृति के अनुसार, जिस घर के पुरुष अपनी पत्नी, माता या बहन को अच्छे वस्त्र प्रदान करते हैं, उस घर पर भगवान हमेशा प्रसन्न रहते हैं। ऐसे घर में हमेशा सुख-शांति बनी रहती है और सभी कामों में सफलता मिलती है। जिस घर की महिलाएं खुश रहती हैं, वहां देवताओं का निवास माना जाता है। महिलाओं को आभूषण प्रिय होते हैं। हर मनुष्य को अपने घर की महिलाओं को गहने उपहार में देना चाहिए। जिस घर की महिलाएं अच्छे कपडे और गहनों से श्रृंगार करती है, वहां कभी दरिद्रता नहीं रहती। ऐसे घर में हमेशा खुशहाली और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। पुराणों में महिलाओं का सम्मान करने की बात कही गई है। जिस घर में महिलाओं से बुरी तरह से बात की जाती है या उनका सम्मान नहीं किया जाता, ऐसे घर में भगवान भी नहीं रहते।

यहां भगवान से की गई प्रार्थना की स्वयं अनुभूति होती है

यहां दशहरे में लंकापति रावण को नहीं जलाया जाता है, क्योंकि रावण ने यहां भगवान शंकर की तपस्या की थी। यही नहीं आज तक जिस ने भी यहां रावण के पुतले को जलाने का प्रयास किया। उसे भारी हानि उठानी पडी।

हिमाचल प्रदेश के चप्पे-चप्पे में आस्था की झलक मिलती है। यहां की संस्कृति, देवी-देवताओं पर गहरी आस्था के कारण ही इसे देवभूमि का नाम दिया गया है। देवभूमि के जिला कांगडा के बैजनाथ में ऐतिहासिक शिव मंदिर स्थित है। जहां शिव भगवान से सच्चे मन से की गई प्रार्थना की स्वयं अनुभूति होती है कि कहीं प्रार्थना की गई है और किसी ने उसे सुना है। शिखराकार शैली में निर्मित यह मंदिर कई रहस्यों से भी भरा हुआ है। यहां दशहरे में लंकापति रावण को नहीं जलाया जाता है, क्योंकि रावण ने यहां भगवान शंकर की तपस्या की थी। यही नहीं आज तक जिस ने भी यहां रावण के पुतले को जलाने का प्रयास किया। उसे भारी हानि उठानी पडी। इसी मंदिर के आसपास किसी सुनार को भी अपना व्यवसाय खोलने की इजाजत नहीं है। जो दुकान चलाता है, वह दुकान ही नष्ट हो जाती है।

मंदिर से जुडी एक परंपरा जिसे अखरोट मार यानी अखरोटो की बरसात भी कहते हैं, बेहद रोचक है। इस परंपरा को हर साल बैकुठ चौदस के दिन निभाया जाता है। इस बार बैंकुठ चौदस 24 नवंबर को है। इस परंपरा के तहत शाम ढलते ही बैजनाथ शिव मंदिर की छत से हजारों अखरोटों की बरसात की जाती है। इन अखरोटों को नीचे मंदिर परिसर में खडे लोग प्रसाद के रूप में एकत्रित करते हैं। यह परंपरा सदियों से निभाई जा रही है। इस बार भी 11 हजार अखरोटों की बरसात यहां की जाएगी।

इसलिए मनाई जाती है परंपरा

मंदिर के पुजारी सुरेंद्र आचार्य बताते हैं कि इस परंपरा को मनाने के पीछे पौराणिक कथा है कि शंकासुर नामक राक्षस ने देवताओं पर जीत हासिल की मगर देवताओं की शक्ति से पार न पा सका। जब उसे पता चला के देवता वेद मंत्रों के कारण उस पर भारी पड रहे हैं तब उसने वेद मंत्रों को छीनकर जल में प्रवाहित कर दिया। उसके बाद भगवान विष्णु ने मत्स्य का रूप धारण कर वेद मंत्रों को वापस लाकर देवताओं को सौंप दिया। इसी खुशी में पहले यहां आभूषणों की बारिश की जाती थी। इसे कई दशक पहले बंद कर दिया गया था तथा इसके स्थान पर अब अखरोटों की बारिश की जाती है।

नौवीं शताब्दी में निर्मित है मंदिर

पठानकोट-मंडी राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे में स्थित यह मंदिर नौंवी शताब्दी में निर्मित है। इसका निर्माण उस समय मयूक और अहूक नाम के दो भाइयों ने करवाया था। कांगडा के अंतिम राजा संसाद चंद ने इस मंदिर की मरम्मत व सुरक्षा दीवार लगवाई थी। मंदिर में एक ही पत्थर को तराश कर बनाई गई नंदी बैल की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र है। इस मंदिर में स्थापित शिवड्क्षलग काफी पुरानी है। कहा जाता है कि यह वही शिवड्क्षलग है, जिसे लंकापति रावण लंका ले जा रहा था लेकिन एक शर्त पूरी न करने के कारण यह यहीं स्थापित हो गई थी। बाद में रावण ने यहीं तपस्या भी की थी।

शिवरात्रि व घृत पर्व भी है आकर्षण का केंद्र

मंदिर में शिवरात्रि और घृत पर्व भी आकर्षण का केंद्र है। यहां हर साल शिवरात्रि का महोत्सव राज्य स्तर पर पांच दिन मनाया जाता है। इसके अलावा मकर संक्रांति के दिन यहां घृत पर्व शुरू होता है। इसमें शिवड्क्षलग के ऊपर सात दिन तक कई क्विंटल देशी घी को फिर से मक्खन का रूप देकर घृत चढाया जाता है। इसे बाद में लोग चर्म रोगों से मुकित के लिए लगाते है।

क्या कभी सोंचा है कि भगवान के सामने अगरबत्ती क्यूं जलाते हैं

अगरबत्ती के पूरे जलने पर वातावरण में अच्छी खुशबू फैलती है और राख पीछे छूट जाती है। यह एक हिन्दू प्रथा है जो इंसान के स्वभाव को दर्शाता है। यह इंसान को दूसरों के लिए कुर्बानी देना सिखाता है। यह अपनी आकांक्षा को छोडकर दूसरों की जिंदगी में उजाला करना सिखाता है। इसलिए हम धार्मिक समारोह में अगरबत्ती जलाते हैं।

क्या आपको पता है कि हम किसी धार्मिक समारोह में अगरबत्ती क्यों जलाते हैं। इसके एक से ज्यादा कारण हैं। यह एक हिन्दू प्रथा है जो सदियों से चली आ रही है। हर हिन्दू प्रथा के पीछे कुछ न कुछ ठोस कारण होते हैं। चलिए अगरबत्ती जलाने के पीछे क्या कारण है यह भी जानें।

आध्यात्मिक कारण: अगरबत्ती जलाने के पीछे आध्यात्मिक कारण है। ऐसा मानते हैं कि अगरबत्ती से जो धुंए के छल्ले निकलते हैं वह हमारी पूजा को सीधे भगवान के पास ले जाते हैं। यह आपके विचार को सुंदर और पवित्र रखते हैं।

अगरबत्ती का धुआं किस तरह ले सकता है आपकी जान

अगरबत्ती के पूरे जलने पर वातावरण में अच्छी खुशबू फैलती है और राख पीछे छूट जाती है। यह एक हिन्दू प्रथा है जो इंसान के स्वभाव को दर्शाता है। यह इंसान को दूसरों के लिए कुर्बानी देना सिखाता है। यह अपनी आकांक्षा को छोडकर दूसरों की जिंदगी में उजाला करना सिखाता है। इसलिए हम धार्मिक समारोह में अगरबत्ती जलाते हैं।

मनोवैज्ञानिक कारण:

अगरबत्ती को कई रोगोपचार में भी इस्तमाल करते हैं। जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो इसकी खुशबू से दिमाग पर हीलिंग और आरामदेह प्रभाव पडता है। आप मानसिक तौर पर रिलैक्स हो जाते हैं और जब आप किसी धार्मिक समारोह में बैठते हैं तो आप अपनी परेशानी को भूल जाते हैं।

भगवान की पूजा में आपका दिल और दिमाग लगता है। जब आप पूरे मन से पूजा करते हैं तो यह समाधि का काम करता है और इससे तनाव दूर होता है।

माहौल बनाता है:

हिन्दू प्रथा में जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो यह आपके आस पास की गन्दी बदबू को हटाता है। यह किसी धार्मिक समारोह के लिए सही माहौल बनाता है। अगरबत्ती के सुगंध मात्र से आप यह समझ सकते हैं कि कोई धार्मिक अनुष्ठान चल रहा है। इससे कीडे मकौडे भी दूर भागते हैं।

दूसरे कारण: अगरबत्ती सिर्फधार्मिक प्रथा का ही हिस्सा नहीं हैं, यह कई दशकों से चीन, इजिप्ट, तिब्बत की प्रथाओं में चला आ रहा है। वह इसका इस्तमाल धार्मिक समारोह में ही नहीं पर निजी चीज जैसे एरोमा थेरेपी में भी करते आ रहे हैं। इसलिए अगली बार जब आप अगरबत्ती जलाते हैं तो यह ध्यान रखिये कि यह आपको एक से अधिक रूप में फायदा पहुंचाता है।

हेल्थ नॉलेज

ऊंचाई पर जी मिचलाने की बीमारी को पहचानें...

अधिक ऊंचाई का रोग मनुष्यों को ऊंचे स्थानों पर होने वाला प्रभाव है जो अधिक ऊंचाई पर ऑक्सीजन की कम मात्रा के कारण होता है। इसे एएमएस यानी एक्यूट माउंटेन सिकनेस, ऊंचाई का रोग,अल्टीट्यूड सिकनेस, हाइपोबारोपेथी, द अल्टीट्यूड बेंड्स या सोरोची भी कहा जाता है। सामान्यतया यह 2,400 मीटर यानी 8,000 फीट से अधिक ऊंचाई पर होता है। यह मुख्यत: पर्वतारोहियों, ऊंचाई पर चलने या चढ़ने वालों, स्कीइंग करने वालों या यात्रियों को प्रभावित करता है। वायुमंडलीय दबाव में होने वाली कमी सांस लेना कठिन बनाती है। रोग के अधिकतर मामले हलके होते हैं। यदि आप नीचे उतर आएं तो लक्षण जल्दी ठीक हो जाते हैं।

जांच और परीक्षण

डॉक्टर द्वारा स्टेथोस्कोप के प्रयोग से किये जाने वाले शारीरिक परीक्षण में फेफड़ों से चटकने की आवाज मिल सकती है। यह आवाज फेफड़ों में तरल पदार्थ की उपस्थिति का सूचक है। अन्य जाँचों में रक्त परीक्षण, मस्तिष्क सीटी स्केन, छाती का एक्स-रे, इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ईसीजी) आदि हैं।

ये सावधानियां जरूरी

3000 मीटर से अधिक या जिस ऊंचाई पर ऑक्सीजन की पूर्णता की मात्रा तेजी से गिर जाये, वह गर्भवती महिला के लिए उचित नहीं है। अधिक ऊंचे स्थानों पर, शरीर की बढ़ी हुई सहानुभूतिपरक प्रक्रिया से रक्तचाप में वृद्धि हो सकती है, किन्तु यह हानिकारक स्तर तक नहीं पहुंचती। इसलिए ऊंचे स्थानों पर लोगों को अपने रक्तचाप की दवाएं लेते रहना चाहिए। ऊंचे-स्थान पर रक्तचाप वृद्धि का संभावित कारण शरीर की एड्रीनर्जिक गतिविधि हो सकती है, इसलिए लक्षण वाले रोगियों या अस्थिर रक्तचाप वाले रोगियों को एंटी-एड्रीनर्जिक दवा दी जाती है। यात्रा के कुछ सप्ताह पूर्व से अपनी दवा लेना शुरू कर देना और यात्रा के दौरान स्फिग्मोमेनोमीटर रखना उत्तम होता है।

दवा के दुष्प्रभाव

एसिटामोलामाईड कभी-कभी ऊंचाई की बीमारी के लक्षणों को कम करने के लिए बचाव की औषधि के रूप में प्रयोग होता है। यह आपकी ऊंचाई के प्रति अनुकूलन को बढ़ा देता है किन्तु ऊंचाई की बीमारी होने से नहीं रोकता। एसिटामोलामाईड लेने के बाद कुछ लोगों को झुनझुनी का अनुभव (खासकर अपने पैरों, हाथों और चेहरे पर) होता है और बार-बार मूत्रत्याग की आवश्यकता महसूस होती है। अन्य संभावित दुष्प्रभावों में उल्टी, सिरदर्द, चक्कर आना, और दस्त हैं। एसिटामोलामाईड गैस युक्त पेयों का स्वाद भी बदल सकता है, और कभी-कभी लोगों को चकत्ते उत्पन्न हो सकते हैं। अधिक ऊंचाई के मार्गों पर बवासीर आम समस्या है, इलाज में गर्म सिंकाई, हाइड्रोकार्टिसोन ऑइंटमेंट का प्रयोग, और कब्ज से बचने के तरीके आदि आते हैं।

स्पा मैनेजर के लिए

क्या है जरूरी योग्यताएं

वर्तमान समय में, युवा पारंपरिक नौकरियों की बजाय कुछ नए क्षेत्रों में अपना हाथ आजमा रहे हैं। आज बच्चे सिर्फ इंजीनियर या डॉक्टर बनने की चाह नहीं रखते हैं, बल्कि वे योगा इंस्ट्रक्टर या जिम ट्रेनर बनके लोगों की हेल्थ संवार रहे हैं। अगर आप भी कुछ हटकर करना चाहते हैं और आपको लोगों से मिलना अच्छा लगता है। साथ ही आपमें लीडरशिप क्वालिटीज भी हैं तो आप बतौर स्पा मैनेजर बनकर अपना उज्ज्वल भविष्य देख सकते हैं।

क्या होता है काम

एक स्पा मैनेजर का काम पूरे स्पा को बेहतर तरीके से संभालना होता है। इसके लिए उसे स्टाफ पर नजर रखने के अतिरिक्त आर्डर की सप्लाई, क्लांइट्स को अच्छी सर्विस देना व स्पा में अधिक से अधिक लोगों को सर्विस लेने के लिए प्रोत्साहित करना होता है। इसके अतिरिक्त वह स्पा के लिए कुछ मार्केटिंग एक्टिवटीज व मार्केटिंग प्लानिंग में भी हिस्सा लेता है। वहीं स्पा मैनेजर स्पा के बजट को ध्यान में रखकर अपना कार्य करता है व साप्ताहिक वर्क शेड्यूल भी तैयार करता है। अपने यहां कार्यरत लोगों की एबिलिटी को निखारने के लिए वर्कशॉप आर्गेनाइज कराना भी उसके ही कार्य का एक हिस्सा होता है।

स्किल्स

अगर आप अपने क्षेत्र में सफलता की नई उंचाइयों को छूना चाहते हैं तो आपके भीतर कुछ गुणों का होना बेहद आवश्यक है। मसलन, आपका कंप्यूटर सेवी, स्ट्रांग कम्युनिकेशन स्किल व इंटरपर्सनल स्किल भी बेहतर होना चाहिए। इतना ही नहीं, आपको पूरे स्पा को मैनेज करना होता है, इसलिए आपके भीतर आर्गेनाइजेशन स्किल भी अच्छा होना चाहिए। आपको न सिर्फ अपने यहां कार्यरत लोगों की क्षमताओं को पहचानना आना चाहिए, बल्कि उनकी क्षमताओं के हिसाब से बेहतर काम करवाना भी आना चाहिए। दूसरे शब्दों में, आपके भीतर एक लीडरशिप क्वालिटी होनी चाहिए। साथ ही आपको स्पा इंडस्ट्री के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए, तभी आप अपने काम को बेहतर तरीके से अंजाम दे पाएंगे। चूंकि अपने काम के दौरान आपको अलग-अलग प्रकार के लोगों से मिलना व उन्हें कन्वींस करना होता है, इसलिए आपको हर तरह के लोगों को डील करना आना चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में अपना भविष्य देख रहे छात्र मैनेजमेंट, हयूमन रिर्सोसेज या इससे संबंधित कोर्स में बैचलर डिग्री प्राप्त करके नौकरी की तलाश कर सकते हैं। अगर आप चाहें इन कोर्सेस में पोस्ट ग्रेजुएट भी कर सकते हैं लेकिन अधिकतर जगहों पर नौकरी के लिए बैचलर डिग्री ही पर्याप्त होती है। इसके अतिरिक्त आप स्पा मैनेजमेंट या हयूमन रिसोर्सेज आदि कोर्सेस में डिप्लोमा या सर्टिफिकेट कोर्स भी कर सकते हैं।

संभावनाएं

जिस प्रकार लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी जागरूक हो रहे हैं, उसे देखते हुए हर शहर में जिम एंड स्पा फैसिलिटी शुरू हो गई है। जिसके कारण स्पा मैनेजर की जॉब को भी एक नई ग्रोथ मिली है। एक स्पा मैनेजर पार्ट टाइम, फुल टाइम या कॉन्टैक्ट बेसिस पर भी काम कर सकता है। स्पा मैनेजर की आवश्यकता होटल रिसोर्ट, हेल्थ क्लब, क्रूस शिप या चिकित्सीय सैलून आदि में जॉब की संभावनाएं तलाश कर सकते हैं। एक स्पा मैनेजर विदेशों में भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकता है।

आमदनी

एक स्पा मैनेजर की सैलरी उसके अनुभव व संबंधित संस्थान पर भी काफी हद तक निर्भर करती है। फिर भी शुरूआती रूप से दस हजार से पंद्रह हजार रूपए आसानी से कमाए जा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- अन्नाबेल स्पा इंस्टीट्यूट, केरल
- हेयर एंड ब्यूटी एकेडमी, गुजरात
- गंगा स्पा एंड सेलोन एकेडमी, अहमदाबाद
- आईएसटीएचएए-स्पा एंड आयुर्वेद एकेडमी, विभिन्न केन्द्र
- प्योरटच स्पा एकेडमी, केरल
- इंटरनेशनल स्कूल ऑफ एस्थेटिक्स एंड स्पा, महाराष्ट्र

अपने पुराने स्मार्टफोन को इन तरीकों से बनाएं सिक्योरिटी कैमरा

आजकल लोग हर दो-तीन साल में अपने फोन को अपग्रेड करते हैं। ऐसी स्थिति में पुराने फोन का कोई खास इस्तेमाल नहीं रह जाता है। अगर पुराने फोन का कैमरा सही स्थिति में हो तो उसका इस्तेमाल सीसीटीवी या फिर सिक्योरिटी कैमरे की तरह भी किया जा सकता है। इस तरह आप अपने घर, ऑफिस, बच्चों या फिर पेट्स से दूर रहने के बावजूद उन पर नजर रख सकते हैं। तो आइए जानते हैं कैसे

ऐसे करेगा काम

इसके लिए सबसे पहले आपको एक एप डाउनलोड करना होगा। प्ले स्टोर या एप स्टोर से 'सिक्योरिटी कैमरा' एप को डाउनलोड कर लें। आपको बता दें कि यह एप एंड्रायड और OS दोनों पर काम करेगा।

ऐसे करें इस्तेमाल

1. सबसे पहले 'सिक्योरिटी कैमरा' ऐप को अपने फोन में डाउनलोड करें।
2. ऐप डाउनलोड होने के बाद यूजर्स से उसके गूगल अकाउंट की डिटेल मांगी जाएगी। यूजर अपनी गूगल अकाउंट की डिटेल को ऐप में सबमिट करें।
3. यूजर्स को अपना नाम और पासवर्ड भरने के बाद एंटर करे। अब आपको दो ऑप्शन 'कैमरा और व्यूअर, नजर आएगा।
4. इसमें अब कैमरा ऐप क्लिक करें और नेक्स्ट बटन पर क्लिक करें।
5. कैमरा ऐप को सिलेक्ट करने के बाद आपके फोन में अपने आप कैमरा चालू हो जाएगा। अब कैमरा व्यूअर क्लाइंट का वेट करेगा।
6. हो सकता है कि आपका स्मार्टफोन यूजर स्क्रीन व्यू को भी सिलेक्ट करे।
7. अब स्मार्टफोन का कैमरा ब्लैंक या फिर विजिबल मोड में जा सकता है।
8. अगर आप ब्लैंक स्क्रीन विकल्प को चुनते है तो स्मार्टफोन की स्क्रीन रिकॉर्डिंग के दौरान ऑफ रहेगी।
9. अब आप अपने कैमरे के जरिए बैकग्राउंड की स्ट्रीमिंग (लाइव वीडियो) भी की जा सकती है।
10. अब आपको ऐसी जगह का चुनाव करना है जहां से वीडियो सही से हो सके।

नोट: फोन को चार्जर से कनेक्ट करके ही रखे। फोन के बंद हो जाने की स्थिति में रिकॉर्डिंग को नहीं देखा जा सकता। इसलिए लगातार फोन को चेक करते रहें।

कान में झुमका फेदर वाला...

इयररिंग्स की बात करें तो बड़े-लटकते डैंजलर्स या झुमकी के साथ-साथ जब हमारी नजर फेदर इयररिंग्स, स्टड्स या बीडेड टॉप्स पर जाती है तो मन खुश हो जाता है। ये वजन में हल्के होने के साथ ही मल्टीकलर में भी मिलते हैं।

कुछ साल पहले मोर पंख वाले इयररिंग्स बाजार में भरे हुए थे। जींस पहनी हो या कॉटन की साड़ी, ये खूब जमते थे। मोर पंख वाले इयररिंग्स से आगे निकलकर अब रंग-बिरंगे फेदर इयररिंग्स बाजार में दिख रहे हैं। हर रंग और आकार में उपलब्ध ये इयररिंग्स बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखते हैं। आप इन्हें किसी भी ड्रेस के साथ पहन लें, यह अच्छे दिखते हैं। इन दिनों तो ब्लैक मेटल के टॉप्स के साथ फिक्स फेदर वाले इयररिंग्स नए आए हैं, जिन्हें वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ खूब पहना जा रहा है। यहां तक कि कॉकटेल ड्रेस के साथ बोल्ड रंगों में फेदर इयररिंग्स को सेलिब्रिटीज भी खूब पहन रहे हैं। इनमें तो इतने लंबे इयररिंग्स भी फैशन में इन हैं, जो कान से नीचे लटक कर टॉप पर सामने की ओर आ रहे हैं और आपकी पर्सनालिटी में चार चांद लगाने को उत्सुक हैं।

इयर कफ्स

इंटरनेशनल सेलिब्रिटीज से लेकर बॉलीवुड हीरोइन्स इस ट्रेंड को बड़ा प्लेटफॉर्म प्रदान कर रही हैं। रिहाना से लेकर एमा वाटसन और सोनम कपूर से काजोल ने इयर कफ्स को खूब जमकर पहना है। ड्रैगन से लेकर स्नेक, इजिप्शियन मोटिफ से लेकर स्पाइक और हैंजलर्स आपकी पर्सनालिटी को निखार देंगे। कॉकटेल ड्रेस के साथ फेदर्ड इयर कफ काफी अच्छे लगते हैं। जींस और टी- शर्ट कॉम्बो के साथ एक ही कान में इयर कफ पहनें। पारंपरिक परिधानों के साथ इजिप्शियन मोटिफ वाले इयर कफ अच्छे लगेंगे।

मल्टीकलर टॉप्स

टॉप्स सिर्फ बच्चों के लिए नहीं होते। इन्हें बड़े भी पहनते हैं और अच्छे दिखते भी हैं। मल्टीकलर में कई डिजाइन के टॉप्स बाजार में छाए हुए हैं। फ्लावर पावर देखना हो या एनिमल्स का जादू, एजटेक प्रिंट की बात हो या पोल्का डॉट्स की, टॉप्स पर ये सारे डिजाइन छाए हुए हैं। जींस टॉप पर तो ये बेमिसाल दिखते हैं, कुर्ती के साथ पहनने के लिए किसी ने मना तो नहीं किया है।

हर रंग में स्टड्स

स्टड्स यूं तो व्हाइट स्टोन में ही कमाल के दिखते हैं लेकिन इन दिनों हर रंग और कट में स्टड्स मिलने लगे हैं। इन्हें आप पारंपरिक परिधानों के साथ ही वेस्टर्न ड्रेसेज के साथ पहन सकती हैं। व्हाइट के अलावा, ब्लैक, पिंक, पीच, नीला जैसे रंग स्टड्स के लिहाज से हॉट पसंद हैं। कॉकटेल ड्रेसेज के साथ तो स्टड्स से बेहतरीन कोई और कॉम्बिनेशन नहीं है। बाल को बांध लें और बड़ा सा स्टड्स कानों में पहन लें, आपकी स्मार्टनेस का कोई जवाब नहीं होगा।

क्या है एक्सपायरी डेट का सच...?

बाजार से खरीदी जाने वाली लगभग हर चीज पर उत्पादन और एक्सपायरी डेट लिखी होती है, साथ ही कई निर्देश भी। क्यों अंकित की जाती है एक्सपायरी डेट...क्या आपको पता हैं इन निर्देशों का मतलब? इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान जरुर रखना चाहिए

जब भी हम बाजार से कोई सामान खरीदते हैं, तो हमारा ध्यान सिर्फ उसकी एक्सपायरी डेट पर होता है। लेकिन कुछ मैसेज इससे भी जरूरी हो सकते हैं, जिन्हें आपको समझना होगा। एक्सपायरी डेट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण..होती है, खाद्य पदार्थों, पेय पदार्थों एवं दवाईयों के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली वस्तुओं के लिए। लेकिन हर चीज सिर्फ एक्सपायरी डेट तक ही सुरक्षित हो, यह जरूरी नहीं है। एक्सपायरी डेट, वस्तुओं पर हमारी सुरक्षा के लिहाज से अंकित की जाती है, लेकिन अन्य निर्देशों को समझने का तरीका पता होना भी हमें जरूरी है।

पदार्थों की फ्रेशनेस

एक्सपायरी डेट एक अनुमान के मुताबिक डाली जाती है, जिसका संबंध खाद्य पदार्थों की फ्रेशनेस से होता है, यह जरूरी नही कि उनका संबंध सुरक्षा से ही हो। खाद पदार्थों की पैकिंग पर विक्रय की तारीख भी अंकित होती है, जो कि विक्रेताओं के लिए होती है। यह एक तरह की गाइडलाइन है, कि इस तारीख तक कि विक्रेता, संबंधित उत्पाद को बेच सकते हैं। कई उत्पादों पर बेस्ट इफ यूज्ड बाय डेट भी डली होती है, जिसका मतलब होता है, नीयत तारीख तक प्रयोग करने पर संबंधित वस्तु की गुणवत्ता और स्वाद बरकरार रहेगा। बेकरी उत्पादों पर गारंटीड फ्रेश डेट का होना दर्शाता है, कि संबंधित दिनांक तक उत्पाद का स्वाद और फ्रेसनेस बरकरार रहेगी। लेकिन इस दिनांक के बाद इनमें परिवर्तन आ सकता है। जरूरी नहीं है, कि वह उत्पाद उस दिनांक को एक्सपायर हो। एक्सपायरी डेट एकमात्र उत्पाद की सुरक्षा से संबंधित विकल्प है। इस डेट की सीमा पार हो जाने पर बेशक आपको संबंधित उत्पाद को फेंक देना चाहिए। जब भी कोई सामान खरीदें, हर तरह से पड़ताल करें। लेकिन किसी भी प्रकार का संशय होने की स्थिति में उस उत्पाद का प्रयोग बिल्कुल न करें।

रेसिपी

पनीर सैंडविच

सामग्री

ब्रेड स्लाईस आवश्यकतानुसार, आलू (उबले हुए), थोड़ा मक्खन, नमक स्वादानुसार, आधा चम्मच काली मिर्च, एक हरी मिर्च, पनीर की स्लाईस, एक चम्मच घी, बारीक कटे हुए टमाटर

विधि

पनीर सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले एक बर्तन में उबले हुए आलू को मैश कर लें और उसमें नमक,काली मिर्च,हरी मिर्च,टमाटर डालकर अच्छी तरह मिक्स कर ले। इसके बाद ब्रेड स्लाईस के ऊपर थोड़ा मक्खन लगाकर, आलू के तैयार मिश्रण को इसके ऊपर डालकर फिर पनीर की स्लाईस रख दें और इसके ऊपर ब्रेड स्लाईस रख दे। अब टोस्टर को गर्म करके उसमें थोड़ा घी लगा दें और उसमें यह सभी ब्रेड स्लाईस रख दे। कुछ समय के बाद इन्हें निकाल ले। अब तैयार है आपके गर्मागर्म सैंडविच।

अचारी दही भिंडी

सामग्री

500 ग्राम भिंडी, 2 बड़ा चम्मच तेल, 2 छोटा चम्मच सौंफ, 1 छोटा चम्मच कलौंजी, 1 चौथाई छोटा चम्मच मेथी, 2 छोटा चम्मच अदरक का पेस्ट, 1 चौथाई कप दही, 1 चौथाई छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 3 चौथाई छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 2 बड़े चम्मच धनिया पाउडर

विधि

500 ग्राम भिंडी लें। सभी के बीच में चीरा लगाकर लम्बे टुकड़े करें। 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इसमें भिंडी तल लें। दोबारा 2 बड़े चम्मच तेल गर्म करें। इसमें 2 छोटे चम्मच सौंफ, 1 छोटा चम्मच राई, डेढ़ छोटा चम्मच कलौंजी, एक चौथाई छोटा चम्मच मेथी दाना और चुटकीभर हींग डालकर पकाएं। अब 2 छोटे चम्मच अदरक का पेस्ट डालकर अच्छी तरह भून लें।एक चौथाई कप ताजा गाढ़ा दही लें। इसमें एक चौथाई छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, तीन चौथाई छोटे चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 2 बड़े चम्मच धनिया पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। तैयार दही पैन में डालें। एक मिनट बाद इसमें तली हुई भिंडी डालकर अच्छी तरह मिला लें। दो मिनट बाद आंच से उतार लें।

इन छोटी-छोटी बीमारियों को झट दूर करेगा यह जादुई नुस्खा

बदलते लाइफस्टाइल में सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी समस्याएं होना आम है। इन समस्याओं में हार्टबर्न, पेट संबंधी रोग, सिर दर्द, जोडों का दर्द और कफ, जुकाम और बुखार आम देखने को मिलता है। इन परेशानियों को लेकर डॉक्टर्स के पास जाते हैं जिस वजह से आपको कैमिकल्स युक्त दवाइयों का सेवन करना पड़ता है। यह दवाइयां किसी-किसी को सूट करती है लेकिन कुछ लोगों के लिए अन्य परेशानियों का कारण बन जाती है। इससे सेहत तो खराब होती है और पैसा जाता भी दिखाई देता है। अगर आप इन रोगों का इलाज घर पर कर सकें तो कहीं ओर क्यों जाना? ऐसे में घर पर पड़ी चीजों का इस्तेमाल करें जो आपके इन छोटे-छोटे रोगों को झट से दूर कर देंगी। हम आपको एक ऐसा ही नुस्खा बताने जा रहे है जो आपके काम आएगे।

इन रोगों में काम आएगा यह नुस्खा

- वजन कम करें
- सूजन
- कमजोरी
- स्किन के लिए फायदेमंद
- कोलेस्ट्रॉल और ब्लडप्रैशर कंट्रोल
- पाचनक्रिया में सुधार
- कब्ज से राहत
- जोड़ो का दर्द
- पेट की गैस

ड्रिंक बनाने की सामग्री

- 1 चम्मच एप्पल साइडर विनेगर
- 1 चम्मच शहद
- 1 कप Apple cider vinegar

बनाने का तरीका

ऊपर बताई सारी सामग्री को आपस मिला लें और ड्रिंक तैयार कर लें। इस ड्रिंक को रोजाना सुबह नाश्ता करने से 30 मिनट पहने पिएं। अगर आप चाहे तो जरूरत के अनुसार इस सामग्री को बढ़ा या घटा सकते है लेकिन इस नुस्खे को आजमाने से पहले अपनी किसी अच्छे डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

संपादकीय

युद्धविराम के बाद युद्ध

अमरीका और ईरान के दरमियान कथित युद्धविराम 20-21 दिन ही टिक सका। अंततः बीती 8 जुलाई को तडक़े 3-4 बजे ही ईरान के 80 से ज्यादा ठिकानों पर अमरीका ने ताबड़तोड़ हमले कर उसे दहला दिया। खौफ, अस्थिरता और संभावित हमलों की एक लहर ने खाड़ी देशों में झनझनाहट पैदा कर दी। जो सामान्य होने की उम्मीद कर रहा था, उसे असामान्य हालात में झोंक दिया। विश्व कांप उठा। बेशक ये हमले अप्रत्याशित, अनसोचे थे। पलटवार में ईरान ने भी दावा किया है कि उसने कुवैत, बहरीन, सऊदी अरब, जॉर्डन में करीब 85 ठिकानों पर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए। बहरीन में अमरीकी नौसेना के 5वें बेड़े पर हमला किया गया। ओमान की खाड़ी में मौजूद अमरीकी जहाज को भी निशाना बनाकर क्षतिग्रस्त किया। बहरीन और कुवैत में बिजली की लाइन पर ऐसा हमला किया गया कि इलाका अंधेरे में डूब गया। अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास 3 शहरों पर हवाई हमले कर उन्हें दहला दिया गया, जबकि 10 से अधिक शहरों पर बम बरसाए गए। ईरान की महत्वपूर्ण बंदर अब्बास बंदरगाह की बिल्कुल तबाही की खबरें सामने आई हैं और वहां मौजूद कई जहाज क्षतिग्रस्त भी हुए हैं। हमलों में ईरान की आईआरजीसी की 60 से अधिक पॉवर बोट्स को भी तबाह करने का दावा किया गया है। ईरान के सैन्य ठिकानों, वायु रक्षा प्रणाली, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन के ठिकानों पर अमरीकी हमले किए गए। बुशहर के परमाणु केंद्र के पास भी विस्फोट किए गए। सिरिक बंदरगाह और केश्म द्वीप के तेल ठिकानों पर भी मिसाइलें मारी गईं। हमलों में 8 ईरानी सैनिक मारे गए हैं, यह भी खबर है। सारांश यह है कि ईरान युद्ध का एक और चरण थोपा जा रहा है। यह अहंकार और विनाश का युद्ध है। अमरीका ही नहीं, इजरायल ने भी ईरान पर हमले बोलने की तैयारियां कर ली हैं। वहां के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने नया खुलासा किया है कि ईरान के पास 'रायनिक हथियार' हैं। ऐसे ही आरोप अमरीका ने इराक के तत्कालीन तानाशाह राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन पर लगाए थे कि इराक में जैविक, रासायनिक अस्त्र हैं, नतीजतन तबाही और मौतें व्यापक हो सकती हैं, लेकिन कुछ भी नहीं निकला और सद्दाम को फांसी पर लटका दिया गया। बहरहाल राष्ट्रपति ट्रंप ने ऐलान कर दिया है कि युद्धविराम समाप्त हो गया है। उन्होंने ईरानियों को सनकी, धोखेबाज, झूठे, नीच, क्रूर आदि करार दिया है। ट्रंप ने ये अपशब्द अंग्रेजी में बोले हैं। कितना निचला स्तर है अमरीकी राष्ट्रपति का! ट्रंप का मानना है कि ईरान का नेतृत्व गलत हाथों में है, लिहाजा उससे बातचीत करना और समझौते की उम्मीद करना 'वक्त की बर्बादी' है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अब वह ईरान के साथ कोई बातचीत नहीं करेंगे। अब ईरान कहर झेलने को तैयार रहे। हम ईरान के तटों को 'नरक' बना देंगे। ट्रंप इतने अनिश्चित, अस्थिर हैं कि उनके बयानों पर भरोसा नहीं किया जा सकता, लेकिन युद्धविराम के बाद युद्ध के उनके आदेश और ऐलान के बाद ही कच्चे तेल की कीमत 6 फीसदी उछल गई। अब तेल की कीमत करीब 79 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। दुनिया के लगभग सभी देशों के शेयर बाजार धड़ाम गिरे हैं। एकदम हाहाकार मचना शुरू हो गया है। यूरोपीय संघ ने परामर्श जारी किया है कि 31 अगस्त तक ईरान-इराक वायु क्षेत्र में उड़ान न भरें। ईरान ने होर्मुज फिर बंद करने का ऐलान किया है, तो अमरीका ने फिर नाकेबंदी का आदेश दिया है। ईरान पर से जो पाबंदियां समझौते के सहमति-पत्र के तुरंत बाद उठा ली गई थीं, 7 जुलाई से फिर उन्हें थोप दिया गया है। अमरीका के वित्त विभाग ने जो छूट दी थी, उसे रद्द कर दिया गया है और लाइसेंस खारिज कर दिए गए हैं। शांति के समझौते की नियति यही है। होर्मुज में करीब 350 जहाज-टैंकर फंस गए हैं, जिन पर करीब 6000 नाविक सवार हैं। भारत के भी 9 जहाज फंसे हैं, जिन पर 198 नाविक मौजूद हैं। विदेश मंत्रालय ने सभी को 'सुरक्षित' माना है। भारतीय मुद्रा 'रुपया' 63 पैसे टूटा है और एक डॉलर के मुकाबले 95.59 रुपए हो गया है। ये हमले तब किए गए हैं, जब ईरान अपने सुप्रीम लीडर रहे खामेनेई पर मातम मना रहा है।

> ओमान की खाड़ी में मौजूद अमरीकी जहाज को भी निशाना बनाकर क्षतिग्रस्त किया। बहरीन और कुवैत में बिजली की लाइन पर ऐसा हमला किया गया कि इलाका अंधेरे में डूब गया। अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास 3 शहरों पर हवाई हमले कर उन्हें दहला दिया गया, जबकि 10 से अधिक शहरों पर बम बरसाए गए। ईरान की महत्वपूर्ण बंदर अब्बास बंदरगाह की बिल्कुल तबाही की खबरें सामने आई हैं और वहां मौजूद कई जहाज क्षतिग्रस्त भी हुए हैं। हमलों में ईरान की आईआरजीसी की 60 से अधिक पॉवर बोट्स को भी तबाह करने का दावा किया गया है। ईरान के सैन्य ठिकानों, वायु रक्षा प्रणाली, रडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन के ठिकानों पर अमरीकी हमले किए गए। बुशहर के परमाणु केंद्र के पास भी विस्फोट किए गए। सिरिक बंदरगाह और केश्म द्वीप के तेल ठिकानों पर भी मिसाइलें मारी गईं। हमलों में 8 ईरानी सैनिक मारे गए हैं, यह भी खबर है। सारांश यह है कि ईरान युद्ध का एक और चरण थोपा जा रहा है। यह अहंकार और विनाश का युद्ध है।

भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है

हिंद-प्रशांत में भारत का बढ़ता सामर्थ्य एवं साझेदारियां

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं।

भारत आज केवल विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति ही नहीं, बल्कि एक उभरती हुई वैश्विक महाशक्ति के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने जिस आत्मविश्वास, स्पष्टता और दूरदृष्टि का परिचय दिया है, उसने अंतरराष्ट्रीय राजनीति की दिशा बदल दी है। कभी जो भारत अपनी रक्षा आवश्यकताओं के लिए विदेशी हथियारों पर निर्भर था, वही भारत आज आधुनिक मिसाइलों, रक्षा प्रणालियों और सैन्य उपकरणों का निर्यात करने वाला विश्वसनीय राष्ट्र बन चुका है। यह परिवर्तन केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की रणनीतिक, वैज्ञानिक, सैन्य और कूटनीतिक शक्ति का भी प्रमाण है। हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इंडोनेशिया सहित हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों के साथ हुई उच्चस्तरीय वार्ताएं इस नई विदेश नीति की सफलता का सशक्त उदाहरण हैं। रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, तकनीक और रणनीतिक सहयोग के क्षेत्रों में हुए समझौते यह स्पष्ट करते हैं कि भारत अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता और सुरक्षा का महत्वपूर्ण स्तंभ बन चुका है। भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। वर्षों तक भारत दुनिया का सबसे बड़ा हथियार आयातक माना जाता था, लेकिन आज स्थिति पूरी तरह बदल रही है। 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान ने रक्षा उत्पादन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल, आकाश वायु रक्षा प्रणाली, पिनाका रॉकेट सिस्टम, तेजस लड़ाकू विमान और अत्याधुनिक रक्षा उपकरण आज विश्व के अनेक देशों का विश्वास जीत रहे हैं। भारत की स्वदेशी अस्त्र मिसाइल और ब्रह्मोस मिसाइल आज केवल भारतीय सेना की शक्ति का प्रतीक नहीं हैं, बल्कि विश्व के अनेक देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम भी बन रही हैं। पाकिस्तान के विरुद्ध आतंकवाद विरोधी अभियानों में इन हथियारों की प्रभावशीलता ने विश्व का ध्यान आकर्षित किया है। यही कारण है कि इंडोनेशिया जैसे महत्वपूर्ण देश अपने सुखोई लड़ाकू विमानों के लिए अस्त्र मिसाइल प्राप्त करना चाहते हैं तथा ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। यह भारत के रक्षा उद्योग के प्रति बढ़ते वैश्विक विश्वास का प्रमाण है। इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। मलक्का जलडमरूमध्य जैसे विश्व के सबसे व्यस्त समुद्री मार्ग पर उसकी रणनीतिक स्थिति वैश्विक व्यापार के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। भारत और इंडोनेशिया के बीच बढ़ता रक्षा सहयोग केवल दो देशों के संबंधों को मजबूत नहीं करता, बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी नया आयाम देता है। समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद विरोध, रक्षा तकनीक, साइबर सुरक्षा और संयुक्त सैन्य अभ्यासों के माध्यम से दोनों देशों का सहयोग क्षेत्रीय स्थिरता को मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति की सबसे बड़ी

विशेषता यह है कि भारत अब किसी पर निर्भर होकर नहीं, बल्कि समान साझेदारी और परस्पर सम्मान के आधार पर संबंध स्थापित कर रहा है। भारत किसी देश पर अपनी शक्ति थोपने में विश्वास नहीं रखता। उसकी विदेश नीति का मूल मंत्र है- 'वसुधैव कुटुम्बकम्', 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और 'विश्व बंधुत्व'। यही कारण है कि भारत जहां अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप के साथ रणनीतिक संबंध मजबूत कर रहा है, वहीं दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रीका, पश्चिम एशिया और वैश्विक दक्षिण के देशों के साथ भी विश्वासपूर्ण साझेदारी विकसित कर रहा है। आज हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व राजनीति का केंद्र बन चुका है। चीन का विस्तारवादी रवैया, दक्षिण चीन सागर में उसका सैन्यीकरण, छोटे देशों पर दबाव बनाने की नीति तथा आर्थिक प्रभुत्व स्थापित करने के प्रयास विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय बने हुए हैं। भारत ने इन परिस्थितियों में संतुलित, शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ रणनीति अपनाई है। भारत किसी के विरुद्ध युद्ध नहीं चाहता, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता से कोई समझौता भी नहीं करता। यही संतुलित दृष्टिकोण भारत को विश्व का विश्वसनीय साझेदार बनाता है। भारत की बढ़ती रक्षा क्षमता चीन और पाकिस्तान जैसे देशों के लिए स्पष्ट संदेश है कि नया भारत अपनी संप्रभुता और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने में पूरी तरह सक्षम है। भारत अब केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समुद्री सुरक्षा, अंतरिक्ष सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और आधुनिक तकनीकी युद्ध की तैयारियों में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वदेशी रक्षा उत्पादन इस दिशा में भारत की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की सबसे बड़ी सफलता यह रही है कि उन्होंने भारत की वैश्विक छवि को अभूतपूर्व ऊंचाई प्रदान की है। आज विश्व के बड़े राष्ट्र भारत को केवल विशाल बाजार के रूप में नहीं, बल्कि विश्वसनीय मित्र, तकनीकी साझेदार, निवेश गंतव्य और सुरक्षा सहयोगी के रूप में देख रहे हैं। जी-20 की सफल अध्यक्षता, क्वाड की सक्रिय भूमिका, इंडो-पैसिफिक सहयोग, वैश्विक दक्षिण की आवाज तथा जलवायु परिवर्तन, डिजिटल अर्थव्यवस्था और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में भारत का नेतृत्व इसकी पुष्टि करता है। भारत की विदेश नीति अब केवल कूटनीतिक दस्तावेज नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय विकास का सशक्त माध्यम बन चुकी है। रक्षा निर्यात बढ़ने से विदेशी मुद्रा अर्जित हो रही है, लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं, अनुसंधान एवं नवाचार को नई गति मिल रही है और भारतीय उद्योग वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत हो रहे हैं। यह विकसित भारत के निर्माण की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। भारत की विदेश नीति का मूल मंत्र सदैव शांति, सह-अस्तित्व और परस्पर सम्मान रहा है। आदर्श स्थिति में किसी भी दो देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी की नींव किसी तीसरे देश के प्रति वैमनस्य या शत्रुता पर नहीं, बल्कि साझा विकास, सुरक्षा और स्थिरता पर आधारित होनी चाहिए। किंतु अंतरराष्ट्रीय राजनीति आदर्शों से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों और शक्ति-संतुलन से संचालित होती है। आज चीन और पाकिस्तान अपने सैन्य एवं आर्थिक गठजोड़ को सऊदी अरब तक विस्तार देने के प्रयासों में जुटे हैं। हाल के सप्ताहों में सऊदी नेतृत्व और बीजिंग के बीच बढ़ती सक्रियता इस बदलते भू-राजनीतिक समीकरण का संकेत है। यद्यपि सऊदी अरब की प्राथमिक सुरक्षा चिंताएं पाकिस्तान और चीन से अलग हैं तथा उसका प्रमुख ध्यान खाड़ी क्षेत्र में ईरान के बढ़ते प्रभाव पर केंद्रित है, फिर भी बदलते वैश्विक समीकरण भारत के लिए सतर्क रहने का संदेश देते हैं। पाकिस्तान हर परिस्थिति में भारत के विरुद्ध रणनीतिक लाभ उठाने का अवसर तलाशता है, जबकि चीन अपने विस्तारवादी दृष्टिकोण के माध्यम से क्षेत्रीय संतुलन को प्रभावित करने का प्रयास करता है। ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी, संतुलित और सक्रिय विदेश नीति भारत के हितों की प्रभावी सुरक्षा करती दिखाई देती है। उनकी कूटनीति केवल मित्र देशों के साथ विश्वास बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि चीन और पाकिस्तान की शरारतों, षड्यंत्रों तथा सामरिक चुनौतियों का संयमित और दृढ़ता से सामना करने की क्षमता भी प्रदर्शित करती है। यही दूरगामी सोच भारत को एक विश्वसनीय, जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। आज विश्व एक ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो शक्ति और शांति, विकास और सुरक्षा, तकनीक और मानवता के बीच संतुलन स्थापित कर सके। भारत इस भूमिका को सफलतापूर्वक निभाने की क्षमता रखता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने यह सिद्ध किया है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है जो अपनी रक्षा करने में सक्षम होने के साथ-साथ विश्व शांति और मानव कल्याण का भी वाहक बने। वह हथियारों का निर्माण युद्ध भड़काने के लिए नहीं, बल्कि शांति की रक्षा और संतुलन स्थापित करने के लिए कर रहा है। यही भारत की सांस्कृतिक चेतना, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार वैश्विक नेतृत्व की पहचान है। आने वाले वर्षों में भारत की यही संतुलित विदेश नीति, आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति और विश्वसनीय कूटनीतिक नेतृत्व न केवल विकसित भारत के स्वप्न को साकार करेगा, बल्कि विश्व व्यवस्था को भी अधिक सुरक्षित, संतुलित और न्यायपूर्ण दिशा प्रदान करेगा।

देश दुनिया से

सिंधु की धारा में मौन सिसकी की आहट

अमरनाथ यात्रा इस समय अपने चरम पर है, लेकिन यात्रा के पहले ही हफ्ते में बर्फानी शिवलिंग के 60 प्रतिशत तक गल जाने के कारण श्रद्धालुओं को भारी निराशा का सामना करना पड़ा है। पवित्र बर्फीले शिवलिंग के नियत समय से पहले गलने की आवृत्ति और तीव्रता पिछले कुछ सालों में अप्रत्याशित रूप से बढ़ गई है। वास्तव में, यह संकट केवल बर्फानी बाबा तक सीमित नहीं है, बल्कि समूचे सिंधु नदी के जल संभरण (कैचमेंट) क्षेत्र में गहराई से पैर पसार चुका है। पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की अत्यधिक भीड़, भारी निर्माण कार्यों से उड़ते धूल के गुबार और लाखों की संख्या में दौड़ते वाहनों के प्रदूषण ने इस ऐतिहासिक नदी के अस्तित्व को ही गंभीर संकट में डाल दिया है। सिंधु नदी, जिसने 'हिंदुस्तान' और 'इंडिया' को वैश्विक पहचान दी और 'सिंधु घाटी सभ्यता' को जन्म दिया, आज अपने अस्तित्व के सबसे गंभीर संकट में है। एशिया की यह जीवनदायिनी नदी करोड़ों लोगों की आजीविका और खाद्य सुरक्षा का आधार है। करीब 11 लाख वर्ग किलोमीटर में फैला यह बेसिन 'थर्ड पोल' का हिस्सा है। यहां के ग्लेशियर, जो सिंधु के 50 प्रतिशत जल प्रवाह का स्रोत हैं, तेजी से सिकुड़ रहे हैं। आईसीआईएमओडी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2000 के बाद इस क्षेत्र में ग्लेशियरों के पिघलने की गति लगभग दोगुनी हो गई है। वर्ष 1990 से 2020 के बीच इस पूरे क्षेत्र ने अपने ग्लेशियर क्षेत्रफल का लगभग 12 प्रतिशत हिस्सा खो दिया। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के वैज्ञानिकों का कहना है कि अब सर्दियों की भारी बर्फबारी का समय बदल रहा है। पहले जो हिमपात दिसंबर से फरवरी के बीच होता था, उसका बड़ा हिस्सा अब मार्च और अप्रैल में हो रहा है, जिससे ग्लेशियरों का प्राकृतिक पुनर्भरण लगातार कमजोर हो रहा है। सोनमर्ग से जोजिला दर्रे तक ऐसा प्रतीत होता है मानो पूरी सिंध घाटी धूल और धुएं की एक घनी चादर में लिपट गई हो। पर्यटकों के वाहनों की लंबी कतारें, यात्रा की रसद में जुटे बेतहाशा ट्रक, सैन्य बलों के काफिले और मेगा सड़क तथा सुरंग निर्माण परियोजनाओं में लगे भारी अर्थ-मूविंग वाहन प्रतिदिन हजारों की संख्या में इस अत्यंत संकरी और

संवेदनशील घाटी से गुजरते हैं। इन वाहनों के पीछे उठते धूल के गुबार और डीजल का काला धुआं हवा के साथ सीधे ऊपर सदियों पुराने हिमनदों की ओर बढ़ते साफ दिखाई देते हैं। सोनमर्ग के निकटवर्ती थजीवास, मचोई और बालटाल के ऊपरी क्षेत्रों में मौजूद ग्लेशियरों की उजली बर्फीली सतह पर मटमैली परत नंगी आंखों से देखी जा सकती है। कदम-कदम पर होने वाले भूस्खलन वाहनों की आवाजाही के दौरान इस धूल को और बढ़ाते हैं। विज्ञान का सीधा-सा नियम है कि स्वच्छ, सफेद बर्फ सूर्य के विकिरण का लगभग 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा वापस अंतरिक्ष में परावर्तित कर देती है, जिसे अल्बीडो प्रभाव कहा जाता है। लेकिन जब इसी बर्फ की सतह पर धूल, डीजल वाहनों की कालिख या निर्माण कार्यों से उड़ने वाला ब्लैक कार्बन जम जाता है, तो बर्फ का परावर्तन गुण तेजी से घट जाता है। गहरे रंग की यह परत सूर्य की अधिक ऊष्मा को अवशोषित करने लगती है, जिससे बर्फ के पिघलने की गति सामान्य से 30 से 40 प्रतिशत तक अधिक तेज हो जाती है। कश्मीर की सिंध नदी, जो आगे चलकर झेलम और अंततः सिंधु प्रणाली का प्रमुख हिस्सा बनती है, का उद्गम इन्हीं क्षेत्रों में है। सिंधु बेसिन के ऊपरी क्षेत्रों, विशेषकर लद्दाख, सोनमर्ग और अमरनाथ यात्रा मार्ग में अनियंत्रित पर्यटन ने पर्यावरण पर दबाव डाल दिया है। लद्दाख जैसे शीत मरुस्थल की वहन क्षमता अत्यंत सीमित है, लेकिन वहां प्रतिवर्ष लगभग 5.5 से 6 लाख पर्यटक पहुंच रहे हैं, जबकि वहां की स्थायी आबादी मात्र तीन लाख के आसपास है। पर्यटन के चरम मौसम में प्रतिदिन हजारों डीजल वाहन संवेदनशील क्षेत्रों तक पहुंचते हैं, जिससे न केवल ठोस कचरे और प्लास्टिक का संकट बड़ा हुआ है, बल्कि जल स्रोतों पर भी दबाव पड़ रहा है। जिन क्षेत्रों में कभी प्राकृतिक झरनों का जल पूरे वर्ष उपलब्ध रहता था, वहां अब गर्मियों में पानी का संकट दिखाई देने लगा है। अमरनाथ यात्रा निस्संदेह भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न हिस्सा है, और सामरिक सुरक्षा के लिए ऑल-वेदर कनेक्टिविटी सुरंगें भी राष्ट्र की प्राथमिकता हैं। लेकिन क्या हिमालय जैसे अत्यंत संवेदनशील और युवा पहाड़ की धारण क्षमता का आकलन किए बिना यह सब अनियंत्रित रूप से होना चाहिए? वैज्ञानिक अब सिंधु नदी के भविष्य को लेकर 'पीक वाटर' की अवधारणा की चर्चा कर रहे हैं। शुरुआती दशकों में तेजी से पिघलने के कारण नदी में जल प्रवाह बढ़ता हुआ दिखाई देगा, जिससे बाढ़ की घटनाएं बढ़ेंगी। लेकिन जैसे-जैसे हिमनद पूरी तरह सिकुड़ जाएंगे, जल प्रवाह स्थायी रूप से घटने लगेगा। इसका सबसे अधिक प्रभाव सिंचाई, पेयजल और खाद्य सुरक्षा पर पड़ेगा। सिंधु बेसिन पहले ही विश्व के सर्वाधिक जल तनाव वाले नदी तंत्रों में शामिल है, और आगामी दशकों में यह संकट करोड़ों लोगों के अस्तित्व को दांव पर लगा सकता है। संयुक्त राष्ट्र ने इस संकट की गंभीरता को देखते हुए वर्ष 2025-2034 को 'क्रायोस्फेरिक साइंसेज के लिए कार्रवाई का दशक' घोषित किया है। सिंधु के संरक्षण के लिए स्थानीय स्तर पर वैज्ञानिक आधार पर पर्यटन प्रबंधन, केवल भारत स्टेज-6 या इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रवेश की अनुमति, निर्माण मलबे का वैज्ञानिक निस्तारण और प्रत्येक संवेदनशील क्षेत्र की वहन क्षमता के अनुरूप आगंतुकों की सीमा तय करना आवश्यक है। सिंधु आज भी बह रही है, लेकिन उसकी धारा में भविष्य की एक मौन सिसकी और गंभीर चेतावनी भी बह रही है।

आप का नज़रिया

शिमला से सरकते दफ्तर

राजधानी शिमला के दफ्तरों का पहले बंटवारा हुआ और अब मूल सहित कुछ दफ्तर बाहर जिला मुख्यालयों में भेजे जा रहे हैं। इसी क्रम में राज्य का पिछड़ा वर्ग आयोग का मुख्यालय स्थानांतरित होकर धर्मशाला पहुंच गया है। जाहिर है पिछड़ा वर्ग के परिप्रेक्ष्य में आयोग का दफ्तर अगर नीचे की तरफ सरका है, तो इसके औचित्य का प्रश्न भी हल हो रहा है। इससे पहले भी कुछ कार्यालय शिमला की भीड़ से किनारा करके आए हैं, तो इन कदमों की फेहरिस्त देखी जाएगी। हिमाचल जितना शिमला में है, उससे व्यापक छवि का प्रदेश आज निचला हिमाचल बन जाता है, फिर भी पुनर्गठन की जरूरतें पूरी नहीं होतीं। प्रदेश स्तर पर भौगोलिक परिस्थितियों के कारण भी पुनर्गठन की जरूरत है। कई दफ्तर यूं ही राजधानी की फांस में शिमला फंसे हैं, जबकि जिला मुख्यालयों से भी कुछ दफ्तर अन्यत्र भेजे जा सकते हैं। मसलन मत्स्य विभाग, कृषि-बागबानी और पशुपालन जैसे विभाग जिला मुख्यालयों से बाहर होने चाहिएं। हिमाचल को हिस्सेदारी में तोलने के राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन हर परिवर्तन में सियासत नहीं हो सकती। हिमाचल में अब ढांचागत, प्रशासनिक व आर्थिक बदलाव की जरूरत है। इसके लिए किफायत सबसे ऊपर होनी चाहिए। अगर प्रदेश भर में सरकारी इमारतें खाली हैं, तो इनका इस्तेमाल किराए पर चल रहे दफ्तरों का स्थानांतरण करके संभव है। ढांचागत जरूरतों को समझने की जरूरत है, क्योंकि क्षमता के नीचे अगर स्कूल-कालेज चल रहे हैं, तो इनका युक्तिकरण जरूरी है। अगर धर्मशाला के छात्र स्कूल के 70 कनाल एरिया में मात्र 51 छात्र ही पढ़ रहे हैं, तो इस इमारत का इस्तेमाल किसी अन्य उद्देश्य से हो सकता है। यह सोच तब पैदा होगा जब सरकारी इमारतों का रखरखाव सार्वजनिक स्तर पर भी सरकार का रियल एस्टेट प्रबंधन प्राधिकरण करे। सरकारी कार्यालयों के साथ रिहायशी निवास नहीं होने चाहिएं ताकि वहां प्रशासनिक भूमिका बेहतर और भविष्य के अनुरूप हो सके। इससे हटकर दो तीन शहरों का कलस्टर बनाकर कर्मचारी नगर बसाने चाहिएं। आश्चर्य तब होता है जब राजनीतिक तौर तरीकों में उद्देश्य हारता है। उदाहरण के लिए कई कालेजों के उपयोग में विज्ञान और कामर्स विषय हटा दिए गए, तो ये विषय सियासी बन गए। कुछ इसी तरह अनावश्यक रूप से कालेजों को स्नातकोत्तर विषयों का केंद्र बना कर पूरी शिक्षा ही पटरी से उतार दी, तो पुनर्गठन होगा कैसे। बहरहाल कुछ दफ्तर शिमला के बजाय बाहर ज्यादा औचित्य दर्ज करेंगे। मसलन हॉर्टिकल्चर मुख्यालय अगर बानिकी विश्वविद्यालय सोलन और कृषि मुख्यालय एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी पालमपुर के आसपास बसा दें, तो औचित्य बढ़ेगा। धर्मशाला में स्कूल शिक्षा बोर्ड के पास शिक्षा निदेशालय का होना गरिमा बढ़ाता है। अगर मंडी सांस्कृतिक राजधानी है, तो वहां कला, भाषा एवं संस्कृति का मुख्यालय जबकि सुंदरनगर में बिजली महकमा होना कहीं ज्यादा औचित्यपूर्ण लगता है। शिमला से रुखसत हो रहे छोटे कार्यालयों का रुतबा जिला मुख्यालयों में आ कर बढ़ जाता है। इसी संदर्भ में प्रमुख शहरों का वर्गीकरण करते हुए शहरों को विषय विशेष के मुख्यालयों में परिवर्तित करना होगा। जिला अस्पताल किसी रोग विशेष के राज्य स्तरीय अस्पताल और कालेज किसी विषय के राज्य स्तरीय अध्ययन परिसर के रूप में प्रतिष्ठित हो सकते हैं।

> प्रदेश स्तर पर भौगोलिक परिस्थितियों के कारण भी पुनर्गठन की जरूरत है। कई दफ्तर यूं ही राजधानी की फांस में शिमला फंसे हैं, जबकि जिला मुख्यालयों से भी कुछ दफ्तर अन्यत्र भेजे जा सकते हैं। मसलन मत्स्य विभाग, कृषि-बागबानी और पशुपालन जैसे विभाग जिला मुख्यालयों से बाहर होने चाहिएं। हिमाचल को हिस्सेदारी में तोलने के राजनीतिक कारण हो सकते हैं, लेकिन हर परिवर्तन में सियासत नहीं हो सकती। हिमाचल में अब ढांचागत, प्रशासनिक व आर्थिक बदलाव की जरूरत है। इसके लिए किफायत सबसे ऊपर होनी चाहिए। अगर प्रदेश भर में सरकारी इमारतें खाली हैं, तो इनका इस्तेमाल किराए पर चल रहे दफ्तरों का स्थानांतरण करके संभव है। ढांचागत जरूरतों को समझने की जरूरत है, क्योंकि क्षमता के नीचे अगर स्कूल-कालेज चल रहे हैं, तो इनका युक्तिकरण जरूरी है। अगर धर्मशाला के छात्र स्कूल के 70 कनाल एरिया में मात्र 51 छात्र ही पढ़ रहे हैं, तो इस इमारत का इस्तेमाल किसी अन्य उद्देश्य से हो सकता है। यह सोच तब पैदा होगा जब सरकारी इमारतों का रखरखाव सार्वजनिक स्तर पर भी सरकार का रियल एस्टेट प्रबंधन प्राधिकरण करे। सरकारी कार्यालयों के साथ रिहायशी निवास नहीं होने चाहिएं ताकि वहां प्रशासनिक भूमिका बेहतर और भविष्य के अनुरूप हो सके। इससे हटकर दो तीन शहरों का कलस्टर बनाकर कर्मचारी नगर बसाने चाहिएं। आश्चर्य तब होता है जब राजनीतिक तौर तरीकों में उद्देश्य हारता है।

कुछ अलग

गोपाल को जानिये

शायद आप गोपाल को नहीं जानते हैं। गोपाल को मैं जानता हूं। गोपाल एक सरकारी कार्यालय में लिपिक है। अभी मैं उसकी चारित्रिक विशेषताएं बताऊंगा तो आप भी उसे जान जाएंगे। कार्यालयीय कामकाज में वह एक मक्कार किस्म का इनसान है। काम के नाम पर उसके देवता कूच कर जाते हैं। काम से बचने को उसके पास सौ बहाने हैं। आज उसे बच्चे को स्कूल छोडऩा है, कल उसे बच्चे को स्कूल से लाना है, कभी उसकी पत्नी आएगी तो उसके साथ जाना पड़ेगा, कभी उसकी तबीयत ठीक नहीं है तो कभी वह किसी की अन्त्येष्टि या तीये की बैठक में जाएगा। वह सवेरे ही तय कर लेता है कि उसे कौनसा फार्मूला आजमाना है। मुझे खुद को उसके पूरे बहाने याद नहीं हैं। यह भी इन बिंदुओं को देखते हुए विचारणीय है कि उसका अफसर उसे कैसे लगातार बरदाश्त कर रहा है या वे क्यों नहीं उसे कामचोरी से रोक पाते हैं। दरअसल गोपाल में चापलूसी का अद्भुत गुण विद्यमान है। दूसरा उसका सीनियर पूरी गंभीरता से कार्यालय में बैठकर काम निपटा रहा है। चापलूसी में उसकी अद्भुत क्षमता के आगे कोई भी निरुत्तर हो सकता है। यदि गोपाल दफ्तर में बैठा है और कोई डाक आ गई तो वह उसे अत्यंत सावधानी से अवलोकन के बाद अपने किसी साथी की ओर डायवर्ट करके खुद निद्रालीन हो जाता है। उसे किसी तरह की कार्यालयीय चिंता न होने से वह दफ्तर के लॉन में नींद भी निकाल लेता है। उससे पूछो कि वह कहां था, तो वह यही कहेगा मैं तो यहीं था। झूठ का कारोबार इतना प्रबल है कि आप स्वयं लज्जित हो जाएं, पर उसके जूं तक नहीं रेंगती। उसके गुणनफल अचंभित करने वाले होते हैं।

दृष्टि कोण

पंजाब में कांग्रेस का भविष्य

पंजाब में कांग्रेस का संकट गहराता जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने लगता है पार्टी के हाईकमान से बगावत ही कर दी है। चन्नी का कहना है कि पंजाब कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष राजा वडिंग को हटा कर उन्हें अध्यक्ष बना दिया जाए। अध्यक्ष बनने की तमन्ना तो दर्जन भर के करीब दूसरे छोटे बड़े नेताओं में भी है, लेकिन फिलहाल वे चन्नी की छाया में छिपे रहने को तैयार हो गए लगते हैं। अलबत्ता राजा वडिंग को हटाने को लेकर अनेक नेताओं में सहमति है। इसको लेकर कांग्रेस पार्टी की हाईकमान (जिसे सुविधा के लिए राहुल गांधी पढ़ा जाए) ने तीन सदस्यों की कमेटी गठित कर दी थी। उस कमेटी ने कई दिन लम्बी लम्बी बैठकों का सिलसिला शुरू किया। पंजाब कांग्रेस के सभी नेताओं, जिनका पंजाब में कोई महत्व था, उनको भी और जिनका महत्व नहीं था उनको भी, दिल्ली बुलाया गया। उनको अलग अलग सुना गया। कांग्रेस हाईकमान मान कर चलती है यदि एक साथ सुना जाए तो यह हाईकमान के खिलाफ षड्यंत्र होता है। इतनी लम्बी कवायद के बाद हाईकमान ने फैसला सुना दिया कि पंजाब में संगठन में कोई परिवर्तन नहीं किया जाएगा। वडिंग ही अध्यक्ष रहेंगे और प्रताप सिंह बाजवा ही विधानसभा में विपक्ष के नेता बने रहेंगे। इस फैसले से राजा वडिंग को छोड़ कर लगभग सभी नेता जो किसी तरह की भी अहमियत रखते हैं, नाराज हुए। लेकिन दो लोग सबसे ज्यादा नाराज हुए। एक चरणजीत सिंह चन्नी और दूसरे कभी उनके मंत्रिमंडल में उपमुख्यमंत्री रह चुके सुखजिन्दर सिंह रन्धावा। अब इसे संयोग ही कहना चाहिए कि राहुल गान्धी ने रन्धावा को राजस्थान में पार्टी का प्रभारी बनाया हुआ है और उनकी अहम ड्यूटी वहां अशोक गहलोत और सचिन पायलट के विरोधी गुटों में तालमेल बिठाना है। चरणजीत सिंह चन्नी ने अपना गुस्सा निकालने का परंपरागत तरीका चुना। उन्होंने मोरिंडा के अपने घर में पंजाब कांग्रेस के महत्वपूर्ण नेताओं की बैठक बुला ली। राजा वडिंग को पता चलना ही था। चन्नी ने जिन नेताओं को बुलाया था,

कहा जाता है वडिंग ने उन सभी को फोन कर वहां न जाने की चेतावनी दी। जो लोग वडिंग के भाषा प्रयोगों को जानते हैं, उन्होंने अंदाजा लगाया था कि चेतावनी किस प्रकार दी गई होगी। इसलिए राजा वडिंग आश्वस्त थे कि चन्नी के घर कोई नहीं जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जिनको चन्नी ने बुलाया था वे तो गए ही, जिनको नहीं बुलाया था वे भी चले गए। सुखजिन्दर सिंह रन्धावा वहां नहीं थे। कुछ लोग कहते हैं उनका मन वहीं भटक रहा था। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में ही संकेत दिया कि वहां जाने-न जाने का प्रश्न नहीं है, हम सब मिल कर पार्टी को मजबूत कर रहे हैं। पार्टी को मजबूत करने की यह 'चन्नी शैली' कांग्रेस में नया चलन नहीं है। इससे पहले भी यह प्रयोग किया जा चुका है। तब पंजाब में कांग्रेस सरकार थी और महाराजा अमरेन्द्र सिंह मुख्यमंत्री थे और सुनील जाखड़ पार्टी अध्यक्ष थे। राहुल गान्धी ने सुनील जाखड़ को हटा कर नवजोत सिंह सिद्धु को पार्टी अध्यक्ष बना दिया था। नवजोत सिंह सिद्धु ने अपनी ही पार्टी के मुख्यमंत्री को हटाने का अभियान छेड़ दिया था। उसका कहना था कि इससे पार्टी और भी मजबूत होगी। तब राहुल गान्धी ने प्रदेश कांग्रेस के सभी नेताओं, जिनकी अहमियत थी, उनको और जिनकी अहमियत नहीं थी उनकी भी, सलाह ली। कहा जाता है पार्टी के अधिकांश नेताओं जिनकी अहमियत थी, की यह सलाह थी कि सुनील जाखड़ को मुख्यमंत्री बनाया जाए। उस समय कांग्रेस की परंपरा को याद करते हुए एक ऐसी औरत की सलाह सार्वजनिक की गई जिसकी अहमियत उस समय पंजाब की राजनीति में बिल्कुल ही नहीं थी।

गांगुली आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल, हरभजन युवराज और सचिन सहित क्रिकेट जगत ने दी बधाई

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को प्रतिष्ठित आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल किया गया है। इसी के साथ ही गांगुली हाल आफ फेम सम्मान पाने वाले 12वें भारतीय क्रिकेटर बन गए हैं। इस उपलब्धि पर उन्हें क्रिकेट जगत के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाई दी है। दादा के नाम से लोकप्रिय रहे गांगुली को मिले इस सम्मान पर भारतीय क्रिकेट जगत ने भी बधाई दी है। पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई देते हुए लिखा, बधाई हो कप्तान। यह घोषणा सुनकर खुशी हुई। वहीं पूर्व आलराउंडर युवराज सिंह ने लिखा, आईसीसी हाल आफ फेम में शामिल होने पर बधाई हो दादा। आप इसके पूरी तरह अधिकारी हैं। आपने सिर्फ एक टीम ही नहीं बनाई, बल्कि क्रिकेटर्स की एक पीढ़ी में भरोसा भी जगाया। आपकी कप्तानी में खेलने और जीवन भर स्मरण रहने वाली यादें बनाने के लिए मैं आभारी हूं। एक बार फिर बधाई। वहीं महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भी अपनी खुशी व्यक्त की। उन्होंने लिखा, जब हम 14 साल के थे, तब से एक-दूसरे को जानते हैं, इसलिए अब ज्यादा हैरानी वाली बातें नहीं बची हैं। यह भी उनमें से एक नहीं थी। बधाई हो सौरव । आपको आईसीसी हाल आफ फेम में देखकर बहुत खुशी हुई। गांगुली से पहले, भारत के 11 अन्य क्रिकेट दिग्गजों को भी इस प्रतिष्ठित हाल आफ फेम में जगह मिल चुकी है। इनमें बिशन सिंह बेदी, सुनील गावस्कर, कपिल देव, अनिल कुंबले, राहुल द्रविड़, सचिन तेंदुलकर, वीनू मांकड़, डायना एडुल्जी, वीरेंद्र सहवाग, नीतू डेविड और एमएस धोनी जैसे महान खिलाड़ी शामिल हैं। गांगुली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में 113 टेस्ट मैचों में 7,212 रन और 311 एकदिवसीय मैचों में 11,363 रन बनाए हैं। हालांकि, उनकी पहचान सिर्फ एक सफल बल्लेबाज के रूप में ही नहीं, बल्कि एक ऐसे कप्तान के रूप में भी है जिसने 2000 के दशक की शुरुआत में भारतीय क्रिकेट को एक नई दिशा दी। उन्होंने युवा और निडर खिलाड़ियों की एक पीढ़ी को समर्थन दिया, उन्हें चुनौतियों का सामना करने का साहस सिखाया और भारतीय टीम को 2003 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल तक पहुंचाया।

न्यूज ब्रीफ

पहली बार भारत में खेली जाएगी बिग बैश लीग, चेन्नई के चेपाक स्टेडियम में बनेगा इतिहास

नई दिल्ली। आस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित बिग बैश लीग (बीबीएल) पहली बार भारत में कदम रखने जा रही है। दिसंबर में चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम (चेपाक) में बीबीएल का पहला अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला जाएगा। यह टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार होगा, जब कोई मैच आस्ट्रेलिया के बाहर आयोजित किया जाएगा। कई महीनों से चल रही चर्चाओं के बाद शुक्रवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में आयोजित विशेष कार्यक्रम में इस ऐतिहासिक मुकाबले की आधिकारिक घोषणा की गई। इस अवसर पर आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज़ और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे। 12 दिसंबर को होने वाले इस मुकाबले में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कार्चर्स की टीमें आमने-सामने होंगी। यह मैच 38 हजार दर्शकों की क्षमता वाले चेपाक स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग आयोजकों को उम्मीद है कि क्रिकेट प्रेमी चेन्नई में होने वाले इस ऐतिहासिक मुकाबले के लिए स्टेडियम को पूरी तरह भर देंगे। बीबीएल ने इस मुकाबले के लिए क्रिकेट कैलेंडर में भी खास समय चुना है। आस्ट्रेलिया में यह मैच शाम के समय खेला जाएगा, जबकि भारत में इसकी शुरुआत दोपहर में होगी। यह मुकाबला आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच पर्थ में खेले जा रहे टेस्ट मैच के चौथे दिन का खेल समाप्त होने के तुरंत बाद शुरू होगा। दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में बीबीएल का यह पहला कदम माना जा रहा है और इसे लीग के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है।

फीफा विश्व कप 2026: फ्रांस ने मोरक्को को 2-0 से हराया, लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंचा

फाक्सबोरो (अमेरिका)। गत उपविजेता फ्रांस ने फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में गुरुवार को मोरक्को को 2-0 से हराकर लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब फ्रांस का सामना अंतिम चार में स्पेन और बेल्जियम के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता टीम से होगा। मैच की शुरुआत से ही फ्रांस ने आक्रामक खेल दिखाया। चौथे मिनट में कप्तान किलियन एमबाप्पे गोल करने से मामूली अंतर से चूक गए। पहले हाफ में फ्रांस का दबदबा इतना रहा कि मोरक्को इंजरी टाइम तक गोल पर एक भी प्रभावी शाट नहीं लगा सका। फ्रांस को 25वें मिनट में पेनाल्टी मिली, लेकिन लंबी वीडियो समीक्षा के बाद एमबाप्पे का कमजोर शाट मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने शानदार तरीके से बचा लिया। पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ और स्कोर 0-0 रहा। दूसरे हाफ में फ्रांस ने दबाव बढ़ाया और 60वें मिनट में एमबाप्पे ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिला दी। यह इस विश्व कप में उनका आठवां गोल और विश्व कप नाकआउट मुकाबलों में 12वां गोल रहा।

मयंक यादव की टीम में वापसी पर उठ रहे सवाल

मुम्बई। इसी महीने तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय क्रिकेट टीम को जिम्बाब्वे दौरे पर जाना है।

इसके लिए टीम में तेज गेंदबाज मयंक यादव की वापसी हुई है। मयंक की करीब 21 महीने बाद वापसी हो रही है जबकि उन्होंने पिछले कुछ समय में काफी कम क्रिकेट खेला है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि मयंक यादव को किसी आधार पर टीम में जगह मिली है। मयंक आईपीएल के 2024 सत्र में अपनी तेज तर्रार गेंदबाजी के कारण रातों-रात छा गये थे। तब उन्होंने 155.8 किमी/घंटे की रफ्तार से सबसे तेज गेंदें फेंकी थी जिनका सामना करना दिग्गज बल्लेबाजों के लिए भी कठिन हो गया था पर कुछ ही मैचों के बाद वह चोटिल होकर सत्र से ही बाहर हो गये थे जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ। वहीं आईपीएल के 2025 सत्र में भी वह फिटनेस को लेकर जूझते रहे जिससे उनकी गेंदबाजी प्रभावित हुई। आईपीएल के 2026 में भी वह प्रभावित नहीं कर पाये इस दौरान उनकी रफ्तार भी पहले जैसी नहीं रही। आईपीएल 2026 में मयंक की बात करें तो वह लखनऊ की तरफ से सिर्फ 4 मैच में मैच में मैदान पर उतरे। वह पूरे सीजन में चोट से जूझते रहे. उन्होंने जो चार मैच खेले उसमें उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

मोइन व आर्चर बोले, आईपीएल के इम्पैक्ट प्लेयर नियम से खराब हुई भारतीय टीम की बल्लेबाजी

लंदन

इंग्लैंड दौरे में खराब प्रदर्शन के बाद एक बार फिर भारतीय टीम की बल्लेबाजी सवालों के घेरे में है। भारतीय टीम की बल्लेबाजी को काफी मजबूत माना जाता है पर जिस प्रकार से इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय बल्लेबाज एक के बाद एक असफल हुए हैं, उससे सभी हैरान है। इससे पहले कमजोर टीम आयरलैंड के खिलाफ भी भारतीय बल्लेबाज संघर्ष करते दिखे थे। इसी को लेकर अब इंग्लैंड के स्पिनर मोइन अली और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने प्रकाश डाला है। मोइन के अनुसार आईपीएल के इम्पैक्ट प्लेयर' नियम के कारण भारतीय टीम की बल्लेबाज खराब हुई है। इससे वे हालात के अनुबार बल्लेबाजी भूलकर आते ही बड़े शाट खेलने का प्रयास करने लगते हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट आईपीएल से काफी अलग होता है। इससे पहले तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने भी कहा था कि आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की चुनौतियां अलग होती हैं। वहीं अब मोइन अली ने सीधे तौर पर आईपीएल के इम्पैक्ट प्लेयर' नियम को भारतीय बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन का कारण बताय है। आर्चर ने कहा था कि इंग्लैंड में 200 रनों के लक्ष्य का पीछा करना आसान नहीं होता, जबकि आईपीएल में कभी-कभी 200 रन भी सुरक्षित महसूस नहीं होते। उन्होंने कहा कि भारतीय हालातों की तुलना इंग्लैंड से नहीं की जा सकती। आर्चर ने यहां के चुनौतीपूर्ण विकेट और लंबी बाउंड्री पर जोर देते हुए कहा था कि आईपीएल में आसान विकेट और छोटी बाउंड्री के कारण बल्लेबाजों को ज्यादा सतर्क रहना पड़ता है, वहीं इंग्लैंड में अच्छी लेंथ पर सीधी गेंदें फेंकने का महत्व बढ़ जाता है। यह अंतर भारतीय बल्लेबाजों के इंग्लैंड में असफल होने का कारण है वहीं मोइन ने कहा कि आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम का बहुत बड़ा फर्क पड़ता है, जिसके चलते भारतीय बल्लेबाज टी20 क्रिकेट में बल्लेबाजी की वास्तविक कला खो बैठे हैं। उनके अनुसार, इस नियम के कारण बल्लेबाज दबाव को झेलना और उससे निपटना भूल गए हैं। मोइन ने खास तौर पर नाटिंघम में भारत के अजीबोगरीब बल्लेबाजी फैसलों पर हैरानी जताई, जहाँ शिवम दुबे को आठवें नंबर पर और रिंकू राणा को उनसे पहले बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था।

मोइन ने समझाया कि भले ही राणा को दायें हाथ के बल्लेबाज होने के कारण ऊपर भेजा गया हो पर जब आप बाएं हाथ वाले बल्लेबाजों से भरी टीम चुनते हैं, तो ऐसे फैसले अजीब लगते हैं। उन्होंने कहा कि यह नियम किसी भी चीज से ज्यादा हालात के हिसाब से की जाने वाली बल्लेबाजी की कला छीन रहा है। आप आकर पहली गेंद से ही जोरदार शाट नहीं लगा सकते। इससे साफ है कि बल्लेबाज अब मैच के हालात की जगह सिर्फ बड़े शाट खेलने पर ध्यान दे रहे हैं, जिससे उनकी फैसाल लेने की क्षमता प्रभावित हो रही है।

मैनचेस्टर सिटी ने क्लब के लिए रखा नया कोचिंग स्टाफ, अर्जेंटीना के दिग्गज गोलकीपर रहे कैबलेरो को शामिल किया

मैनचेस्टर। इंग्लिश प्रीमियर लीग क्लब फुटबाल क्लब मैनचेस्टर सिटी ने मैनेजर एन्जो मारेस्का के लिए नय कोचिंग स्टाफ रखा है। इसमें अर्जेंटीना दिग्गज गोलकीपर रहे विली कैबलेरो को भी शामिल किया गया है। अनुभवी कैबलेरो के आने से मारेस्का के लिए काम काफी आसान होगा। मारेस्का पिछले महीने ही मैनचेस्टर सिटी के नये मैनेजर बने थे। उनका करार क्लब के साथ तीन साल के लिए हैं। मारेस्का की कोचिंग टीम में शामिल होने वाले अन्य प्रमुख चेहरों में राबर्टो विटिएलो, डैनी वाकर, मिशेल डी बर्नार्डिन, मार्कोस अल्वारेज, डेनिस सिल्वा और जेवियर मोलिना शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सेट-पीस कोच जेम्स फ्रेंच और गोलकीपिंग कोच रिचर्ड राइट अपने मौजूदा पदों पर बने रहेंगे, जो टीम में निरंतरता बनाए रखने में मदद करेगा। अर्जेंटीना के पूर्व अंतरराष्ट्रीय गोलकीपर विली कैबलेरो की वापसी क्लब के प्रशंसकों के लिए खुशी का कारण है। कैबलेरो ने साल उन्होंने 2014 से 2017 तक मैनचेस्टर सिटी के लिए 48 मुकाबले खेले थे और क्लब के लिए लीग कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे थे। विशेष रूप से, पेनल्टी शूटआउट में उनके शानदार बचावों को आज भी क्लब के इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में याद किया जाता है। खिलाड़ी के रूप में क्लब छोड़ने के बाद, कैबलेरो ने मारेस्का के साथ लीसेस्टर सिटी और चेल्सी में कोचिंग स्टाफ में काम किया, जिससे यह वापसी दोनों के बीच मजबूत पेशेवर रिश्ते को दर्शाती है।

फीफा विश्व कप 2026: गोल्डन बूट की दौड़ में एमबाप्पे सबसे आगे, मेसी दूसरे स्थान पर

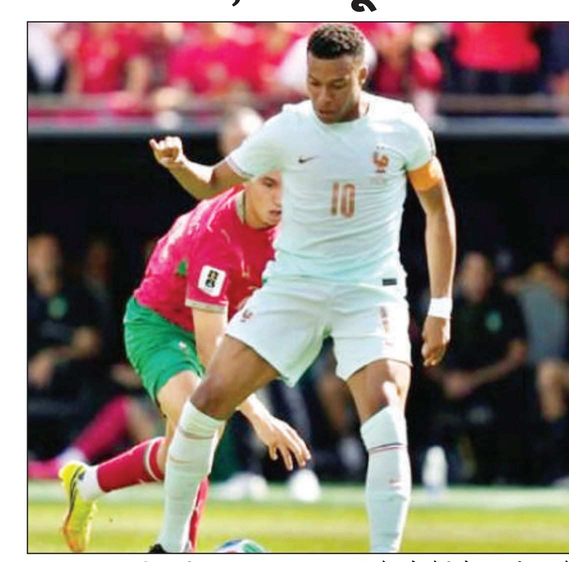

नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 अब अपने निर्णायक दौर में पहुंच चुका है। फ्रांस ने मोरक्को को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश भी कर लिया है। इसी के साथ टूर्नामेंट के सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी को मिलने वाले गोल्डन बूट की दौड़ भी रोमांचक होती जा रही है।

फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे 8 गोल और 3 असिस्ट के साथ शीर्ष पर बने हुए हैं।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी भी 8 गोल कर चुके हैं, लेकिन उनके नाम केवल 1 असिस्ट होने के कारण वे दूसरे स्थान पर हैं। नार्वे के एरलिंग हालैंड 7 गोल के साथ तीसरे स्थान पर हैं।

इंग्लैंड के हैरी केन 6 गोल और 1 असिस्ट के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि फ्रांस के उस्मान डेम्बेले 5 गोल और 2 असिस्ट के साथ पांचवें स्थान पर काबिज हैं।

इसके अलावा सेनेगल के इस्माइला सार, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, मेक्सिको के जूलियन क्विनोनेस, इंग्लैंड के जूड बेलिंघम और ब्राज़ील के विनीसियस जूनियर ने 4-4 गोल किए हैं। इन सभी खिलाड़ियों के नाम 1-1 असिस्ट भी दर्ज है, जिससे क्वार्टर फाइनल के बाद गोल्डन बूट की यह जंग और भी दिलचस्प हो गई है।

फीफा के नियमों के अनुसार यदि दो या उससे अधिक खिलाड़ी समान संख्या में गोल करते हैं, तो पहले असिस्ट की संख्या और उसके बाद मैदान पर खेले गए कम मिनट के आधार पर विजेता का फैसला किया जाएगा।

क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के साथ गोल्डन बूट की यह जंग और भी रोमांचक हो गई है।

विंबलडन की पहचान बने भारत में बने तौलिये

विंबलडन। टेनिस की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में से एक विंबलडन अपने ग्रास कोर्ट, स्ट्राबेरी और क्रीम जैसी परंपराओं के लिए जाना जाता है। विश्व के शीर्ष स्तर टेनिस स्टार यहां खिताब जीतने के लिए उतरते हैं पर क्या आप जानते हैं इसमें खिलाड़ी जिस विशेष तौलियों का उपयोग करते हैं वह भारत में बने होते हैं। पिछले 15 से अधिक साल से विंबलडन में जो तौलिए इस्तेमाल होते हैं वह गुजरात में बने होते हैं। ये तौलिये एक प्रकार से विंबलडन की पहचान बन गये हैं। इन तौलियों को विंबलडन के लिए हरे और बैंगनी रंग में डिजाइन किया गया है। ये तौलिए गुजरात के वापी स्थित वेल्सपन्स लिविंग लिमिटेड की सहायक कंपनी क्रिस्टी यूके द्वारा बनाए जाते हैं। गौरतलब है कि क्रिस्टी ने मूल रूप से 1850 में मैनचेस्टर से तौलिया निर्माण की शुरुआत की थी, लेकिन 2009-10 में कंपनी ने अपने प्लांट को भारत में स्थानांतरित कर दिया। इसी कदम के साथ, गुजरात दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित खेल आयोजनों में से एक विंबलडन का एक महत्वपूर्ण और अभिन्न सहयोगी बन गया है, जो वैश्विक मंच पर भारत की विनिर्माण क्षमता का प्रदर्शन कर रहा है।

एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप: भारत ने पहले दिन जीता 1 स्वर्ण समेत कुल 5 पदक

ओरडोस (चीन)

एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2026 में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले ही दिन एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य सहित कुल पांच पदक अपने नाम किए। भारत का एकमात्र स्वर्ण पदक मिक्स्ड 4×400 मीटर रिले टीम ने जीता।

आस्तिक प्रधान, सैंड्रा मोल साबू, सेतु मिश्रा और श्रावणी सचिन सांगले की भारतीय चौकड़ी ने 3:18.64 सेकेंड का समय निकालकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह दिन का भारत के लिए आखिरी इवेंट था।

भारत का पहला पदक भरतप्रीत सिंह ने दिलाया, जिन्होंने पुरुष डिस्कस थ्रो में 52.91 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ कांस्य पदक जीता। चीन के ली झिक्सिन ने 60.79 मीटर के साथ स्वर्ण और उनके ही देश के जियांग जेहाओ ने 59.60 मीटर के साथ रजत पदक जीता।

पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में भारत ने दो पदक हासिल किए। शिवाजी परशुराम मदप्पागौड़ा ने 14:08.19 मिनट के समय के साथ रजत पदक जीता, जबकि विनोद सिंह ने 14:23.67 मिनट में दौड़ पूरी कर कांस्य पदक अपने नाम किया। जापान के रुई सुजुकी ने 14:01.24 मिनट के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता।

दिन का पांचवां पदक प्राची देवकर ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज स्पर्धा में जीता। उन्होंने 10:32.69 मिनट का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। इस स्पर्धा में चीन की यांग यीतिंग ने 10:14.68 मिनट के साथ स्वर्ण और लियू युक्सिन ने 10:25.51 मिनट के साथ रजत पदक जीता।

एशियाई अंडर-23 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के पहले संस्करण में भारत की ओर से 53 एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। पहले दिन के प्रदर्शन के साथ भारतीय दल ने प्रतियोगिता में दमदार शुरुआत की है।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारतीय महिला हाकी टीम घोषित, सलीमा टेटे को सौंपी गई कप्तानी

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने शुक्रवार को जापान में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले 20वें एशियन गेम्स आइची-नागोया 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय महिला हाकी टीम की घोषणा कर दी। हाल ही में न्यूजीलैंड में एफआईएच नेशंस कप का खिताब जीतने वाली टीम की कप्तान सलीमा टेटे एक बार फिर टीम की कमान संभालेंगी।

टीम के मुख्य कोच सजार्ड मारिजन ने कहा, हमारे पास ऐसी टीम है जिसमें जूनियर, अनुभवी और वरिष्ठ खिलाड़ियों का शानदार संतुलन है। सभी खिलाड़ी एक-दूसरे से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं।

हाल ही में पद्मश्री सम्मान से सम्मानित सविता और बिचू देवी खारीबाम को टीम में गोलकीपर के रूप में शामिल किया गया है।

रक्षा पंक्ति में सुशीला चानू, इशिका चौधरी, ज्योति, ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस को जगह मिली है। ललथांतलुआंगी और शिल्पी डाबस ने एफआईएच नेशंस कप में अपना सीनियर डेब्यू किया था और शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें एशियन गेम्स टीम में भी शामिल किया गया है।

मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे के साथ निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, नेहा और दीपिका सोरेंग खेलती नजर आएंगी।

फारवर्ड लाइन में लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को शामिल किया गया है।

मुख्य कोच ने आगे कहा, इस टीम के खिलाड़ियों ने पिछले कुछ महीनों में शानदार फार्म और फिटनेस दिखाई है। हमें पूरा विश्वास है कि यह टीम एशियन गेम्स की चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है।

एशियन गेम्स 2026 के लिए भारत की 20 सदस्यीय महिला हाकी टीम

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारीबाम।

डिफेंडर: इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरम्बम, ललथांतलुआंगी, ज्योति, शिल्पी डाबस।

मिडफील्डर: निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, सलीमा टेटे (कप्तान), नेहा, दीपिका सोरेंग।

फारवर्ड: लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर, ब्यूटी डुंगडुंग।

टीसीएस की कमाई उम्मीद से बेहतर, एआई और डील्स ने भरा जोश, ब्रोकरेज हुए खुश

पहली तिमाही में 9.5 अरब डालर की नई डील्स, एआई का सालाना राजस्व रन रेट 2.6 अरब डालर के पार

नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा प्रदाता टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही के लिए उम्मीद से बेहतर नतीजे पेश किए हैं। मजबूत डील बुकिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि और स्थिर राजस्व प्रदर्शन ने बाजार का ध्यान खींचा है, जबकि वेतन वृद्धि और रणनीतिक निवेश के चलते मार्जिन पर अस्थायी दबाव देखा गया। विश्लेषकों ने कंपनी के भविष्य को लेकर आशावादी रुख बनाए रखा है, जिससे शुक्रवार सुबह कारोबार में टीसीएस के शेयर में 2 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। टीसीएस ने जून तिमाही में 7.62 अरब डालर का डालर राजस्व दर्ज किया, जो स्थिर मुद्रा में पिछली तिमाही से 0.4 फीसदी और सालाना आधार पर 3.2 फीसदी अधिक है, जो बाजार अनुमानों से थोड़ा बेहतर है। कंपनी का शुद्ध मुनाफा लगभग 13,400 करोड़ रुपये रहा, जो बाजार की उम्मीदों के अनुरूप था। इस तिमाही की सबसे बड़ी उपलब्धि 9.5 अरब डालर की नई डील्स रहीं, जो आगामी तिमाहियों के लिए मजबूत आर्डर बुक का संकेत देती हैं। एआई कारोबार भी तेजी से गति पकड़ रहा है, जिसका वार्षिक राजस्व रन रेट 2.6 अरब डालर पर पहुंच गया है, जो पिछली तिमाही के मुकाबले 13.6 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्शाता है। कंपनी ने इस अवधि में 9,279 नए कर्मचारियों की भर्ती की और शेयरधारकों के लिए 12 रुपये प्रति शेयर के अंतरिम लाभांश की घोषणा भी की। हालांकि, कर्मचारियों की वेतन वृद्धि और एआई, सेल्स तथा नई साझेदारियों में निरंतर निवेश के कारण कंपनी का एबिट मार्जिन पिछली तिमाही के मुकाबले 1.3 प्रतिशत अंक घटकर 24 फीसदी रह गया, जिससे मार्जिन पर दबाव स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। बावजूद इसके, प्रमुख ब्रोकरेज हाउसों ने टीसीएस पर अपना भरोसा बरकरार रखा है। एक रेटिंग एजेंसी ने बाय रेटिंग के साथ 12 महीनों के लिए 3,000 रुपये का लक्ष्य दिया है, उसका मानना है कि कंपनी के लिए अब आगे का रास्ता बेहतर दिख रहा है और हालिया गिरावट के बाद मौजूदा भाव पर शेयर आकर्षक है। भविष्य की बात करें तो, मजबूत डील पाइपलाइन और एआई कारोबार में सतत विस्तार टीसीएस के लिए सकारात्मक संकेत हैं। हालांकि, पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव, टैरिफ संबंधी अनिश्चितता और कंपनियों के आईटी खर्च में संभावित कमी जैसी वैश्विक चुनौतियां बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त एआई द्वारा संचालित उत्पादकता वृद्धि भविष्य में ग्राहकों द्वारा कम मूल्य निर्धारण की मांग को जन्म दे सकती है, जिससे मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है। इन चुनौतियों के बावजूद, कंपनी का रणनीतिक निवेश और भविष्य के लिए मजबूत आर्डर बुक, विश्लेषकों को दीर्घकालिक वृद्धि के लिए आश्वस्त कर रहा है।

न्यूज ब्रीफ

कच्चे तेल में उतार चढ़ाव, 72 डालर के पास टिकी कीमतें, होर्मुज जलडमरूमध्य पर टिकी निगाहें, कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बावजूद कच्चे तेल की कीमतें शुक्रवार को स्थिर बनी रहीं। डब्ल्यूटीआई क्रूड 72 डालर प्रति बैरल, जबकि ब्रेंट क्रूड 76 डालर के करीब रहा। पिछले सत्र की गिरावट के बाद बाजार शांति वार्ता और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। शुक्रवार को कीमतें स्थिर रहने के बावजूद पूरे सप्ताह अमेरिकी बेंचमार्क डब्ल्यूटीआई क्रूड 4 फीसदी से अधिक की बढ़त की ओर बढ़ रहा है। इसकी मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ा सैन्य तनाव रहा, जब अमेरिका ने ईरान के ठिकानों पर हमले किए और ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की। इन घटनाओं ने वैश्विक तेल आपूर्ति पर चिंता बढ़ा दी थी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जहां एक तरफ अंतरिम शांति समझौते को खत्म बताया, वहीं बातचीत जारी रहने की पुष्टि भी की। बाजार इन्हीं मिश्रित संकेतों पर प्रतिक्रिया दे रहा है। हालांकि, सबसे बड़ी चिंता अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य है, जहां से दुनिया का बड़ा समुद्री तेल व्यापार गुजरता है। तनाव के कारण यहां टैंकरों की आवाजाही धीमी बनी हुई है। यदि यह स्थिति लंबी खिंचती है, तो भविष्य में वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हो सकती है, जिससे कीमतों में फिर उछाल आ सकता है।

भारत ने ब्रिटेन से वाहन आयात पर एफटीए के तहत शुल्क कोटा लाभ लेने की प्रक्रिया को अधिसूचित किया

पहले वर्ष में इन तीनों श्रेणियों में कुल 20 हजार यात्री कारों के आयात की होगी अनुमति

नई दिल्ली

भारत ने ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत रियायती सीमा शुल्क पर वाहनों के आयात का रास्ता साफ करते हुए कोटा आधारित शुल्क रियायत का लाभ लेने के लिए आयातकों की मंजूरी प्रक्रिया अधिसूचित कर दी है। यह व्यवस्था 15 जुलाई, 2026 से लागू होगी।

विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने 9 जुलाई को जारी सार्वजनिक सूचना में कहा, भारत-ब्रिटेन (सीईटीए) के तहत कोटा आधारित शुल्क दर (टीआरक्यू) के आवंटन की प्रक्रिया अधिसूचित की जाती है। इस अधिसूचना के मुताबिक आयातित खेप की सीमा शुल्क निकासी के समय भारत में आयातक को ब्रिटेन के संबंधित प्राधिकरण द्वारा जारी मूल प्रमाणपत्र (सर्टिफिकेट आफ ओरिजिन) प्रस्तुत करना होगा। डीजीएफटी की अधिसूचना के मुताबिक व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के तहत भारत दोनों पक्षों के लिए निर्धारित कोटा के साथ मोटर वाहन आयात पर शुल्क को लगभग 110 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करेगा। भारत इस व्यापार समझौते के लागू होने के पहले 15 वर्ष के दौरान ब्रिटेन से पारंपरिक इंजन वाले यात्री वाहनों की 3.78 लाख इकाइयों के आयात की रियायती सीमा शुल्क पर अनुमति देगा। अधिसूचना के मुताबिक डीजीएफटी ने कहा, केवल ब्रिटेन में विनिर्मित वाहनों के मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) अथवा उनके विधिवत अधिकृत डीलर/चैनल पार्टनर ही टीआरक्यू के लिए आवेदन करने के पात्र होंगे। व्यापार महानिदेशालय ने यह भी कहा कि पात्रता के लिए प्रत्येक आवेदक को ब्रिटेन स्थित वाहन विनिर्माता (ओईएम) द्वारा जारी पूर्व-क्रय समझौता प्रस्तुत करना होगा। इसमें टीआरक्यू वर्ष के दौरान आपूर्ति की जाने वाली वाहनों की संख्या का उल्लेख होगा। डीजीएफटी ने कहा, इन आयातों के लिए वर्ष का अर्थ भारत में एक जनवरी से 31 दिसंबर तक की कैलेंडर अवधि होगा। डीजीएफटी जारी किए गए टीआरक्यू प्रमाणपत्रों की संचयी संख्या पर निगरानी रखेगा। निर्धारित टीआरक्यू सीमा पूरी होने के बाद कोई टीआरक्यू प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाएगा। ये प्रमाणपत्र अधिकतम 12 महीने या कैलेंडर वर्ष की समाप्ति तक, जो भी पहले हो, वैध रहेंगे। डीजीएफटी ने कहा, टीआरक्यू के तहत आयात करने वाले आयातक रियायती सीमा शुल्क का लाभ अंतिम खरीदार या उपभोक्ता तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। ब्रिटेन से भारत में आयात के लिए पारंपरिक इंजन वाले यात्री वाहनों का कोटा पांचवें वर्ष में विभिन्न श्रेणियों में बढ़कर 37,000 इकाई हो जाएगा। इसके साथ ही सीमा शुल्क क्रमिक रूप से घटकर अंतिम रूप से 10 फीसदी रह जाएगा। इसके बाद शुल्क में और कोई कटौती नहीं होगी। अधिसूचना के मुताबिक पहले वर्ष में 3,000 सीसी से अधिक (पेट्रोल) और 2,500 सीसी से अधिक (डीजल) इंजन क्षमता वाली कारों का कोटा 10,000 इकाई होगा। इन पर सीमा शुल्क 110 फीसदी से घटाकर 30 फीसदी किया जाएगा। 1,500 सीसी (पेट्रोल), 2,500 सीसी (डीजल) और 3,000 सीसी (पेट्रोल) इंजन क्षमता वाली कारों के लिए कोटा 5,000 इकाई होगा और इन पर शुल्क 66 फीसदी से घटाकर 50 फीसदी किया जाएगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय के जारी दस्तावेज के अनुसार, 1,500 सीसी तक की इंजन क्षमता वाले जन बाजार (मास मार्केट) श्रेणी की कारों के लिए समझौते के पहले वर्ष में 5 हजार इकाइयों के आयात की अनुमति होगी और इन पर सीमा शुल्क 66 फीसदी से घटाकर 50 फीसदी किया जाएगा।

पहले वर्ष में तीनों श्रेणियों में कुल 20 हजार यात्री कारों का आयात - समझौते के पहले वर्ष में इन तीनों श्रेणियों में कुल 20 हजार यात्री कारों के आयात की अनुमति होगी। भारत ने 40,000 ब्रिटिश पाउंड (सीआईएफ) से कम कीमत वाले वाहनों के लिए अपना बाजार नहीं खोला है। इससे बड़े पैमाने के बाजार वाले इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) खंड को पूर्ण संरक्षण मिलेगा, जिसमें भारत टाटा मोटर्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा और मारुति सुजुकी जैसी घरेलू कंपनियों के माध्यम से वैश्विक नेतृत्व हासिल करना चाहता है। भारत ने इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन चालित यात्री कारों के लिए पहले पांच वर्षों में कोई रियायत नहीं दी है। हालांकि, छठे वर्ष से 40,000 ब्रिटिश पाउंड (सीआईएफ) से 80,000 ब्रिटिश पाउंड (सीआईएफ) (दोनों सहित) कीमत वाले ऐसे वाहनों पर सीमा शुल्क 50 फीसदी कर दिया जाएगा और इनके लिए 400 इकाइयों का कोटा होगा।

निवेशकों की दुविधाः स्टाक एसआईपी या म्यूचुअल फंड एसआईपी, कौन है बेहतर

सही विकल्प का चुनाव करने के लिए दोनों के बीच के महत्वपूर्ण अंतरों को समझना बेहद जरूरी

नई दिल्ली

लंबी अवधि में संपत्ति बनाने का एक सबसे लोकप्रिय और प्रभावी तरीका बन चुके सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) को लेकर निवेशकों के मन में अक्सर यह सवाल उठता है: बेहतर रिटर्न के लिए सीधे शेयरों में एसआईपी (स्टाक एसआईपी) करना उचित है या म्युचुअल फंड एसआईपी का चुनाव करना चाहिए वित्तीय लक्ष्यों और जोखिम उठाने की क्षमता के आधार पर सही विकल्प का चुनाव करने के लिए दोनों के बीच के महत्वपूर्ण अंतरों को समझना बेहद जरूरी है। स्टाक स्टाक एसआईपी में निवेशक हर महीने एक निर्धारित राशि से सीधे किसी कंपनी के शेयर खरीदता है। इसमें शेयर का चुनाव पूरी तरह निवेशक पर निर्भर करता है, जिससे इसमें उच्च रिटर्न की संभावना तो होती है, लेकिन जोखिम भी अधिक होता है और निवेशक को कंपनियों व बाजार पर लगातार नजर रखनी पड़ती है। इसके विपरीत, म्युचुअल फंड एसआईपी में निवेशक हर महीने एक तय रकम म्युचुअल फंड स्कीम में निवेश करता है। यहां निवेश से जुड़े सभी फैसले पेशेवर फंड मैनेजर करते हैं, जो विभिन्न शेयरों और अन्य एसेट्स में पैसा लगाते हैं। इससे निवेश में विविधता आती है और निवेशक को शेयर चुनने या पोर्टफोलियो संभालने की चिंता नहीं करनी पड़ती। वैल्यूमैट्रिक्स टेक्नोलाजीज के एक को-फाउंडर के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाली कंपनियों की सही पहचान और उन्हें लंबे समय तक बनाए रखने पर स्टाक एसआईपी निश्चित रूप से म्युचुअल फंड एसआईपी से बेहतर रिटर्न दे सकता है। हालांकि, उनका मानना है कि ऐसी कंपनियों की पहचान करना बेहद मुश्किल होता है और गलत शेयरों के चुनाव की संभावना सफल होने से कहीं ज्यादा होती है। जैन के मुताबिक, सीधे शेयरों में निवेश के लिए कंपनी के कारोबार, उसके मूल्यांकन और बाजार की बदलती परिस्थितियों पर लगातार नजर रखना अनिवार्य है। इसके विपरीत ज्यादातर निवेशकों के लिए म्युचुअल फंड एसआईपी :एक बेहतर विकल्प साबित होता है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मेरे भंडार ...

लेकिन पार्टी नेतृत्व समझता है कि विधानसभा चुनाव में केवल उसी रणनीति को दोहराना पर्याप्त नहीं होगा। इसलिए राम मंदिर के चढ़ावे का विवाद उसके लिए नया राजनीतिक अवसर बनकर सामने आया है। अखिलेश यादव लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर स्वतंत्र जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने इसे केवल भ्रष्टाचार नहीं बल्कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा मामला बताया है। प्रयागराज में युवाओं के बीच उन्होंने कहा था, भाजपा के लिए नेशन फर्स्ट नहीं, डोनेशन फर्स्ट है। समाजवादी पार्टी ने तय किया है कि इस मुद्दे को केवल मीडिया तक सीमित नहीं रखा जाएगा। पार्टी की सहयोगी इकाई बाबा साहेब अंबेडकर वाहिनी प्रदेशभर में पीडीए पंचायतें, प्रशिक्षण शिविर और जनसंवाद कार्यक्रम चला रही है। वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, आगरा, गाजियाबाद और बलिया में कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं। वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव रामबाबू सुदर्शन कहते हैं, जब मामला जनता की आस्था और जनता के पैसे का हो, तब निष्पक्ष और पारदर्शी जांच जरूरी है। हमारे कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर लोगों से चर्चा कर रहे हैं कि आस्था से जुड़े मामलों में जवाबदेही क्यों जरूरी है।राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि अखिलेश यादव इस मुद्दे के जरिए अपने पारंपरिक वोट बैंक से आगे बढ़कर शहरी मध्यवर्ग और सवर्ण मतदाताओं तक भी पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के महीनों में ब्राह्मण सम्मेलनों का आयोजन, सैफई में केदारनाथ की तर्ज पर केदारेश्वर महादेव मंदिर का निर्माण और स्वयं राम मंदिर जाने की घोषणा इसी व्यापक रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

फैजाबाद की हार से 2027 की चुनौती तक

भाजपा के लिए इस विवाद की राजनीतिक संवेदनशीलता का एक बड़ा कारण 2024 का लोकसभा चुनाव भी है। राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा के केवल चार महीने बाद फैजाबाद लोकसभा सीट पर भाजपा की हार ने पूरे राजनीतिक परिदृश्य को चौंका दिया था। समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद ने भाजपा के लल्लू सिंह को पराजित कर दिया। यह परिणाम इसलिए भी महत्वपूर्ण था क्योंकि मंदिर निर्माण के बाद पहली बार जनता मतदान कर रही थी।2022 के विधानसभा चुनाव में फैजाबाद लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों में भाजपा तीन और समाजवादी पार्टी दो सीटें जीती थी। लेकिन 2024 में अयोध्या विधानसभा को छोड़कर बाकी चार विधानसभा क्षेत्रों में समाजवादी पार्टी को उल्लेखनीय बढ़त मिली। अयोध्या स्थित डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त प्रोफेसर आर. एस. वर्मा कहते हैं, 2024 में स्थानीय लोगों में जमीन अधिग्रहण, विस्थापन और शहर में बदले प्रबंधन को लेकर असंतोष था। समाजवादी पार्टी ने इसे सामाजिक समीकरण के साथ जोड़ दिया। लेकिन इस बार मामला स्थानीय नहीं है। अब सवाल देशभर के श्रद्धालुओं के दान से जुड़ा है इसलिए इसका असर कहीं व्यापक हो सकता है।हालांकि फरवरी 2025 के मिल्कीपुर विधानसभा उपचुनाव में बीजेपी ने जीत दर्ज कर राजनीतिक संतुलन बनाने की कोशिश की लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि यदि चढ़ावे के विवाद की जांच लंबी चलती है तो विपक्ष इसे लगातार चुनावी मुद्दा बनाए रखेगा। राजनीतिक विश्लेषक और चुनावी मामलों के जानकारों का मानना है कि भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह होगी कि वह बहस को 'भ्रष्टाचार' से हटाकर फिर राम मंदिर और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की ओर मोड़े जबकि विपक्ष चाहता है कि चर्चा केवल पारदर्शिता और जवाबदेही पर केंद्रित रहे।

2027 का नैरेटिव : दान बनाम धर्म या हिंदुत्व बनाम विपक्ष?

इगझ इस विवाद को केवल सफाई देकर समाप्त नहीं करना चाहती। पार्टी इसे वैचारिक स्तर पर जवाब देने की रणनीति पर भी काम कर रही है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाथरस की रैली में अखिलेश यादव को श्रीकृष्ण जन्मभूमि आंदोलन का समर्थन करने की चुनौती दी। उनका संदेश स्पष्ट था कि विपक्ष यदि स्वयं को धार्मिक बताता है तो उसे मथुरा और काशी जैसे मुद्दों पर भी अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता दिनेश प्रताप सिंह कहते हैं, "जिन लोगों ने कारसेवकों पर गोलियां चलवाईं, उन्हें राम मंदिर पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। जनता समाजवादी पार्टी के शासनकाल का भ्रष्टाचार और अपराध भूली नहीं है। यानी भाजपा बहस को फिर हिंदुत्व बनाम विरोधी की वैचारिक लड़ाई में ले जाना चाहती है, जबकि समाजवादी पार्टी इसे 'दान, पारदर्शिता और जवाबदेही' तक सीमित रखना चाहती है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यही 2027 के चुनाव का सबसे महत्वपूर्ण नैरेटिव बन सकता है। यदि जांच शीघ्र पूरी होकर दोषियों के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई होती है, तो भाजपा इसे अपनी भ्रष्टाचार विरोधी नीति की सफलता के रूप में पेश करेगी। लेकिन यदि विवाद लंबा खिंचता है या जांच को लेकर सवाल उठते हैं, तो विपक्ष इसे आस्था और प्रशासनिक जवाबदेही के बड़े मुद्दे में बदलने का प्रयास करेगा। एक वरिष्ठ संघ पदाधिकारी, जिन्होंने नाम प्रकाशित न करने का आग्रह किया, कहते हैं, राम मंदिर करोड़ों लोगों की आस्था का विषय है। इसलिए प्रबंधन पर उठे किसी भी सवाल का जवाब पूरी पारदर्शिता से देना जरूरी है। जितनी जल्दी स्थिति स्पष्ट होगी, उतना ही अच्छा रहेगा।

सीज़फ़ायर...

इस तनातनी के बाद ईरान ने कुवैत और बहरीन में मौजूद कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर जवाबी कार्रवाई की। बहरीन में ही अमेरिकी नौसेना का पांचवां बेड़ा मौजूद है, जिस वजह से यह इलाका बेहद संवेदनशील माना जाता है। इसी बीच आईआरजीसी ने दावा किया कि उसने अमेरिका के एमक्यू-9 रीपर ड्रोन को मार गिराया है। हालांकि इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है।मध्य पूर्व में हाल के हफ्तों में दोनों देशों के बीच सीमित जवाबी हमले जारी रहे हैं। ऐसे में ट्रंप का यह बयान कि सीज़फायर खत्म हो चुका है, इस बात का संकेत माना जा रहा है कि पहले बनी कूटनीतिक समझ कमजोर पड़ गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही कतर में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत हुई थी।

ईरान पर ...

ईरान ने इन हमलों के लिए सीधे तौर पर किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है, हालांकि एक सांसद ने संयुक्त अरब अमीरात को चेतावनी दी है कि उसने ईरान के खिलाफ अमेरिकी अभियान में कथित तौर पर मदद की है। लेकिन हैरानी की बात यह है कि अमेरिका द्वारा इस घोषणा के कुछ समय बाद ही ईरान पर फिर से हमले हुए। ईरान की न्यूज एजेंसियां और सरकारी मीडिया ने देश के बुशहर और सिस्तान-बलूचिस्तान प्रांतों, अहवाज़ और चाबहार शहरों और अन्य इलाकों को निशाना बनाकर किए गए कई हवाई हमलों और धमाकों की खबर दी। सेंट्रल कमांड ने इन हमलों के बारे में टिप्पणी के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। तो सवाल है कि ईरान पर ये हमले किसने किए।

ईरान का प्रतिकार : खाड़ी देशों पर मिसाइल हमले

इससे पहले गुरुवार को हुए हमलों के जवाब में ईरान ने मध्य पूर्व में बहरीन, जॉर्डन, कुवैत और कतर को निशाना बनाते हुए कई हमले किए। इन चारों देशों में मिसाइल अलर्ट सायरन बजने लगे, जिससे लोग सुरक्षित जगहों की ओर भागने लगे।

ईरान के हमले के तुरंत बाद यूएई के नेता शेख मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान कुवैत गए ताकि तेल से मालामाल इस छोटे से देश के शासक अमीर से मिल सकें। खाड़ी के अरब देशों ने कतर के विदेश मंत्री से भी बातचीत की। ईरान का कहना है कि सऊदी अरब और यूएई दोनों ने ईरान पर हवाई हमले किए, क्योंकि तेहरान ने उनके देशों में ऊर्जा ठिकानों पर हमला किया था।

इज़रायल की चुप्पी और अमेरिका की भूमिका

इज़रायल ने जून के बाद से इस इस्लामिक देश पर कोई हमला नहीं किया है। इज़रायल आमतौर पर ईरान पर किए गए अपने हमलों की ज़िम्मेदारी तुरंत ले लेता है। इज़रायल सरकार ने बताया कि नेतन्याहू ने गुरुवार रात ट्रंप से बात की जिसमें ट्रंप ने उन्हें खाड़ी में अमेरिकी कदमों के बारे में जानकारी दी।

इज़रायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज़ ने भी चेतावनी दोहराई कि जरूरत पड़ने पर उनका देश ईरान का सामना करने के लिए तैयार है। काट्ज़ ने एक सैन्य समारोह में कहा, इजरायली सेना अलर्ट पर है और अभियान को फिर से शुरू करने, हवाई वर्चस्व फिर से हासिल करने और खतरों को खत्म करने के लिए ईरान पर 'ब्लू-व्हाइट' (इज़राइली) हमला करने के लिए तैयार है, चाहे तीसरी बार ही क्यों न करना पड़े। उन्होंने कहा, अगर हमें वापस लौटना पड़ा, तो हम और भी ज़्यादा ताकत के साथ लौटेंगे।

ढाई करोड़ ...

वर्ष 2025 में कुल 978 पौधे लगाए हैं। निरीक्षण के दौरान इनमें से 859 पौधे जीवित और स्वस्थ पाए गए।

अधिकरण ने अपने आदेश में कहा कि क्षतिपूरक पौधरोपण की दिशा में हुई प्रगति को रिकॉर्ड पर लिया जाता है। हालांकि इसके साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की वसूली की प्रक्रिया अलग है और उसे भी निर्धारित समय के भीतर पूरा किया जाना जरूरी है। अब उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को तीन महीने के भीतर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति से संबंधित सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अधिकरण के आदेश का पालन करना होगा। इस मामले पर आगे की कार्रवाई पर भी सभी की नजर रहेगी।

हैवान ...

वहीं, मृतक बच्चे की मां का कहना था कि विराज उससे शादी करना चाहता था और बच्चे को रास्ते की रुकावट मानता था। इस बीच जब बच्चे की मां अपनी एक रिश्तेदार के घर गई थी, तब आरोपी टॉफी दिलाने के बहाने बच्चे को अपने साथ ले गया। इसके बाद उसने बच्चे को सड़क पर पटककर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इसके बाद तुरंत बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

वहीं, बदायूं में रहने वाले विराज के तीन भाइयों सोनू, राजीव और मुनीश ने उसके अतीत और व्यवहार को लेकर कई बातें कहीं।

परिवार के मुताबिक, अप्रैल 2010 में पिता की मौत के बाद परिवार की आर्थिक और सामाजिक स्थिति पर असर हुआ। जिसके चलते विराज की पढ़ाई बीच में छूट गई। इसके बाद उसने मारुति वैन चलाकर टैक्सी का काम किया, लेकिन बाद में उसने घर के पास एक छोटी परचून की दुकान शुरू कर दी।

परिवार का कहना है कि विराज का स्वभाव शांत था, लेकिन पिछले कुछ महीनों से उसके व्यवहार में बदलाव देखा गया। परिवार ने बताया कि मासूम की हत्या के बाद विराज ने अपने बड़े भाई राजीव को फोन किया था। फोन पर वह रो रहा था, उसने बस इतना कहा कि मेरे साथ बड़ा धोखा हुआ है।

परिवार ने साफ कहा कि विराज ने जो किया, वह काफी गलत और खौफनाक है। एक मासूम बच्चे के साथ हुई हैवानियत को किसी तरीके से सही नहीं बताया जा सकता है।

चादरघाट में ...

यदि आवश्यकता हुई, तो हम और भी दमकल गाड़ियों को बुलाएंगे। डीसीपी साउथ जोन ने आगे कहा, मैं अनुरोध करता हूं कि कोई भी झूठी खबर न फैलाएं। पुलिस आग लगने के कारणों की गहन जांच करेगी। हम यह भी सुनिश्चित करेंगे कि हैदराबाद में दोबारा ऐसी घटनाएं न हों। डीसीपी ने घटनाक्रम की जानकारी देते हुए बताया, पुलिस को शाम करीब 4:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके तुरंत बाद पुलिस और दमकल विभाग ने कार्रवाई की और दमकल गाड़ियों को बुलाया। पिछले एक घंटे से आग पर काबू पाने के प्रयास जारी थे... इस अग्निकांड में करीब सात दुकानें पूरी तरह जल गई हैं। इनमें से अधिकांश कार मरम्मत की दुकानें थीं, जबकि एक दुकान फंक्शन हॉल के लिए इस्तेमाल होने वाले सजावटी सामानों की थी। आग अब नियंत्रण में है...

नामपल्ली कोर्ट की तीसरी मंजिल पर भी भड़की थी आग, मचा हड़कंप

इससे पहले इसी सप्ताह, एक अलग घटना में हैदराबाद के नामपल्ली आपराधिक न्यायालय (क्रिमिनल कोर्ट) भवन की तीसरी मंजिल पर भीषण आग लग गई थी। एक दमकल अधिकारी ने बताया कि इस घटना के कारण परिसर में मौजूद लोगों के बीच अफरा-तफरी और डर का माहौल बन गया था। अधिकारियों के अनुसार, घटना की सूचना मिलते ही दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और लपटों पर काबू पाया। इस आग के लगने के असली कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

मिर्यालगुडा में सिलेंडर ब्लास्ट से तीन की मौत; अमीरपेट में हेलमेट बाजार भी धधका

एक अन्य दुखद घटना में, तेलंगाना के मिर्यालगुडा के कालकावाड़ा इलाके में गुरुवार देर रात एक घर में गैस सिलेंडर फटने के बाद आग लग गई, जिससे तीन लोगों की मौत हो गई।

दमकल विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, उन्हें इस आग की सूचना रात करीब 12:30 बजे मिली, जिसके तुरंत बाद एक दमकल गाड़ी को मौके पर भेजा गया। दमकल अधिकारी ने बताया, कल रात करीब 12:30 बजे हमें सूचना मिली कि मिर्यालगुडा के कालकावाड़ा में एक घर में आग लग गई है। एक दमकल गाड़ी ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। सिलेंडर ब्लास्ट के कारण तीन लोगों ने अपनी जान गंवा दी। हम मामले की जांच कर रहे हैं। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतकों में एक बुजुर्ग महिला, एक लड़की और एक लड़का शामिल हैं। जांच पूरी होने के बाद हम और विवरण साझा करेंगे।

इसके अलावा, शुक्रवार को ही हैदराबाद के अमीरपेट इलाके में एक कमर्शियल हेलमेट बाजार में भी भीषण आग भड़क उठी। आग को आसपास फैलने से रोकने के लिए दमकल की टीमों को तुरंत मौके पर भेजा गया।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 10 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

खाद्य व्यापारियों की समस्याओं को लेकर केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मिला प्रतिनिधिमंडल

हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन ने सौंपा ज्ञापन 'वन नेशन, वन फूड लॉ' के प्रभावी क्रियान्वयन की उठाई मांग

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दी हैदराबाद किराना मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा से भेंट कर खाद्य व्यापारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर एसोसिएशन के महामंत्री अविनाश देवड़ा ने केंद्रीय मंत्री को खाद्य विभाग से संबंधित वर्तमान व्यवस्थाओं तथा व्यापारियों के समक्ष आ रही व्यावहारिक समस्याओं से विस्तारपूर्वक अवगत कराया। उन्होंने इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक सुझाव भी प्रस्तुत किए।

प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन के माध्यम से तेलंगाना में खाद्य सुरक्षा कानूनों का समान, पारदर्शी एवं विधिसम्मत क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही बिना निर्धारित प्रक्रिया के बार-बार होने वाले निरीक्षणों पर रोक लगाने तथा वन नेशन, वन फूड लॉ के प्रभावी पालन की आवश्यकता पर बल दिया।

प्रतिनिधिमंडल ने बेगम बाजार स्थित टीएचकेएमए क्षेत्र, जहां 700 से अधिक दुकानें एवं प्रतिष्ठान संचालित हैं, वहां सरकारी फूड टेस्टिंग लेबोरेटरी स्थापित करने का अनुरोध किया।

उनका कहना था कि इससे व्यापारी अपने खाद्य उत्पादों की गुणवत्ता की जांच सरल एवं सुविधाजनक तरीके से करा सकेंगे।इसके अतिरिक्त एसोसिएशन ने यह भी मांग रखी कि किसी भी व्यापारी, प्रतिष्ठान अथवा ब्रांड को किसी अधिकृत प्रयोगशाला की प्रमाणित रिपोर्ट के बिना मीडिया में बदनाम न किया जाए, जिससे व्यापारियों की प्रतिष्ठा, व्यापार और उपभोक्ताओं के विश्वास को अनावश्यक क्षति न पहुंचे।

प्रतिनिधिमंडल में संस्था के मार्गदर्शक विमल जैन, राकेश अग्रवाल, अरविंद पटेल, सह मंत्री कमल जैन तथा कोषाध्यक्ष दुर्गेश पंवार भी शामिल थे। सभी पदाधिकारियों ने केंद्रीय मंत्री जे. पी. नड्डा का सम्मान किया, व्यापारियों की समस्याओं एवं सुझावों से अवगत कराया तथा ज्ञापन सौंपा।

श्रद्धांजलि सभा व कवि गोष्ठी का आयोजन आज

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 618वीं मासिक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन, गीत चाँदनी, गोलकोण्डा दर्पण विचार मंच, सीता युद्धवीर पुस्तकालय एवं शोध संस्थान, बच्चन अकादमी तथा कबीर चिंतन के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार, 11 जुलाई, 2026 को अपराह्न 3 : 00 बजे अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टावर्स, 9वीं मंज़िल, आबिड्स, हैदराबाद में श्रद्धांजलि सभा व कवि गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर साहित्यकार स्वर्गीय रत्नकला मिश्र एवं स्वर्गीय सुषमा बैद के निधन पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। श्रद्धांजलि सभा में हैदराबाद के वरिष्ठ साहित्यकार, लेखक, कवि एवं बुद्धिजीवी दोनों दिवंगत साहित्यकारों के व्यक्तित्व, कृतित्व तथा हिंदी साहित्य के प्रति उनके अमूल्य योगदान पर अपने विचार व्यक्त करेंगे तथा उनके साहित्यिक अवदान को स्मरण करेंगे।

मतदाता जागरूकता के लिए तेलंगाना का सबसे बड़ा इनफ्लेटेबल मॉडल प्रदर्शित

प्रसाद आईमैक्स सर्कल पर उमड़ी भीड़, प्रवासियों और गणमान्य नागरिकों ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): हैदराबाद के प्रसिद्ध प्रसाद आईमैक्स सर्कल पर विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक बड़े पैमाने पर जन जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के तहत जनता को आकर्षित और जागरूक करने के लिए तेलंगाना के सबसे बड़े इनफ्लेटेबल (हवा से भरे जाने वाले) मॉडल का प्रदर्शन किया गया, जो नागरिकों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। इस वृहद जागरूकता अभियान का आधिकारिक उद्घाटन 'तेलंगाना प्रवासी समाज वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन' (टीपीएसडब्ल्यूओ) के संयोजक श्री सुभाष अग्रवाल और एपी महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन श्री रमेश बुंग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रवासी समुदाय के कई प्रमुख सदस्य और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के महत्व के बारे में शिक्षित करना है। इसके साथ ही, हर पात्र मतदाता को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अपने चुनावी विवरण (मतदाता सूची में नाम व अन्य जानकारियां) को सत्यापित और अपडेट करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। आयोजकों ने मीडिया और समाचार पत्रों से भी इस जन कल्याणकारी अभियान को व्यापक समर्थन देने की अपील की है ताकि यह महत्वपूर्ण संदेश हर घर तक पहुंच सके।

इस भव्य उद्घाटन समारोह के अवसर पर उमा शंकर गोयनका, नरेंद्र शर्मा, अशोक बंसल, सीए हरिगोविंद, नवल किशोर, दिवाकर सिंह, रतन लाल जैन, धर्मपाल एच., सत्यपाल, सावरमल अग्रवाल, बबलू सिंह, जीतेंद्र यादव, रवि अनुपाला और अजय पाल उपस्थित थे।

इनके साथ ही संजय ढोलानी, दुर्गा प्रसाद बंसल, असित आबकारी, नंदू मोंडल, पूजा गुप्ता, पवन तिवारी, संगीता अग्रवाल, उमेश मेहता और हेमंत अग्रवाल सहित कई अन्य गणमान्य नागरिकों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर इस अभियान को सफल बनाया।

मिधानि के तत्वावधान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए

पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत सरकार के अंतर्गत रक्षा मंत्रालय के उद्यम मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, मिधानि के तत्वावधान में उद्यम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य मिधानि में कार्यरत आधिकारियों व कर्मचारियों को दैनिक कार्यों में कार्यालयीन शब्दावली व लघु टिप्पणियों का प्रयोग, कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग टूल्स, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सी-डैक के सहयोग से विकसित अनुवाद टूल भारती, भाषिणी, शिक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विभिन्न तकनीकी विषयों से संबंधित शब्दावलियों की जानकारी सहित राजभाषा नीति के अंग संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम 1976 के अनुपालन से परिचित कराना रहा।

कार्यशाला के आरंभ में उद्यम के प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) डॉ. बी. बालाजी ने कार्यशाला के आयोजन का उद्देश्य बताते हुए मिधानि में राजभाषा कार्यान्वयन को गति देने के लिए लागू की गई योजनाओं के बारे में बताया। तीन सत्रों में आयोजित कार्यशाला के पहले सत्र में केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप संस्थान, राजभाषा विभाग के सहायक निदेशक (टंकण एवं आशुलिपि) श्री संतोष कुमार ने प्रतिभागियों को कंप्यूटर पर हिंदी टाइपिंग पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अक्सर कर्मचारियों में यह भ्रम रहता है कि हिंदी टाइपिंग कठिन है। कार्यशाला के तकनीकी सत्र में इसी भ्रम को दूर किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को कंप्यूटर पर इन्सक्रिप्ट कीबोर्ड, इंडिक इनपुट टूल (फोनेटिक) और गूगल वॉइस टाइपिंग का व्यावहारिक ज्ञान देकर अभ्यास करवाया।

दूसरे सत्र में डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार) ने प्रतिभागियों को राजभाषा संबंधी संवैधानिक प्रावधान, राजभाषा अधिनियम, 1963 तथा राजभाषा नियम 1976 के अनुपालन की जानकारी देते हुए राजभाषा संबंधी लक्ष्यों पर चर्चा की। साथ ही उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी) द्वारा सभी 22 भारतीय भाषाओं में तकनीकी शब्दावलियों का एक बहुभाषी पोर्टल शब्द और आधिकारिक वेबसाइट सीएसटीटी लॉन्च की गई है। उन्होंने बताया कि इन प्लेटफॉर्म्स पर मानक शब्दावली: विज्ञान (भौतिकी, रसायन, गणित), मानविकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और कृषि जैसे क्षेत्रों के लाखों मानक तकनीकी शब्द, प्रशासनिक शब्दावली: विभिन्न सरकारी और प्रशासनिक कार्यों में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली और विभाग-वार शब्दावली: केंद्रीय भंडारण निगम और अन्य मंत्रालयों/सार्वजनिक उपक्रमों का विशिष्ट शब्द-संग्रह आदि मुख्य शब्दावलियाँ उपलब्ध हैं। उन्होंने निवेदन किया कि हिंदी में तकनीकी लेखन के लिए इनका अधिक से अधिक प्रयोग करें।

तीसरे सत्र में श्री कमालुद्दीन, सहायक निदेशक (से.नि.), हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ने सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के उपयोग को अधिक सरल और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से लघु टिप्पणियों पर व्याख्यान दिया एवं अभ्यास करवाया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि सराकरी फाइलों पर लंबी-चौड़ी टिप्पणियाँ लिखने के बजाय संक्षिप्त और सटीक लघु टिप्पणियों का उपयोग किया जाए।

इससे न केवल फाइलों का निपटान तेजी से होगा बल्कि जिन कर्मचारियों की हिंदी पर पकड़ कम है वे भी असानी से काम कर सकते हैं। श्री कमालुद्दीन ने कर्मचारियों को पत्राचार के नियमों एवं लक्ष्यों के विषय में बताते हुए कहा कि नियमों के तहत देश को तीन क्षेत्र क, ख और ग में बांटा गया है, जिसमें 'ग' क्षेत्र के लिए हिंदी में पत्राचार लक्ष्य का 60% और टिप्पणियों का 35% तय किया गया है।

अंत में सभी प्रतिभागियों ने राजभाषा हिंदी में कार्य करने के लिए शपथ ली, लिखित रूप में अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त की और कार्यशाला को अधिक लाभप्रद बनाने के लिए अपने सुझाव दिए। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी अनुवादक डॉ. विकास कुमार आज़ाद और डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल व प्रेम की सक्रिय भूमिका रही।

राधे रानी की असीम कृपा से 365 दिन निरंतर बह रही है मानव सेवा की अविरल धारा : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास शुक्रवार को आयोजित नियमित अन्नदान कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि राधे रानी की असीम कृपा ही संगठन की सबसे बड़ी शक्ति है।

इसी दिव्य कृपा के कारण राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से वर्ष के 365 दिन निरंतर मानव सेवा का पावन अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि जिस कार्य की शुरुआत निष्काम सेवा, श्रद्धा और समर्पण के साथ राधे रानी का स्मरण करके की जाती है, उसकी सफलता का मार्ग स्वयं राधे रानी प्रशस्त करती हैं।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल किसी जरूरतमंद को भोजन कराने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता, करुणा, प्रेम और ईश्वर भक्ति का सर्वोच्च स्वरूप है। जब कोई व्यक्ति बिना किसी स्वार्थ के भूखे और असहाय लोगों की सेवा करता है, तब वह वास्तव में भगवान की सेवा करता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद प्रतिदिन हजारों जरूरतमंदों तक सम्मानपूर्वक भोजन पहुँचाने का कार्य कर रहा है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने कहा कि संगठन के तीनों नियमित सेवा केंद्रनामपल्ली, बेगम बाजार एवं केबीआर पार्कपर प्रतिदिन बिना किसी अवकाश के अन्नदान कार्यक्रम संचालित हो रहे हैं। तेज वर्षा, भीषण गर्मी, कड़ाके की ठंड अथवा अन्य किसी भी प्राकृतिक परिस्थिति ने इस सेवा अभियान की गति को कभी प्रभावित नहीं किया। प्रत्येक दिन निर्धारित समय पर सेवाभावी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ उपस्थित होकर जरूरतमंदों तक प्रेमपूर्वक भोजन पहुँचाते हैं। यह सेवा केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के लिए प्रेरणा का जीवंत उदाहरण बन चुकी है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबूराम कुमावत, गोपाल गोयल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, जगन गुप्ता, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जय प्रकाश सारड़ा एवं प्रीतिका अग्रवाल सहित अनेक सेवाभावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने नियमित अन्नदान सेवा में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के सेवा अभियान को और अधिक व्यापक बनाने का संकल्प व्यक्त किया।

सीएम रेवंत रेड्डी की बड़ी भविष्यवाणी

तेलंगाना में दोबारा आएगी कांग्रेस, 182 में से जीतेंगे 117 सीटें

खम्मम, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य के राजनीतिक भविष्य को लेकर एक बड़ा दावा किया है। खम्मम के चिंताकनी में आयोजित रायथु आशीर्वाद सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, मैं भद्राचलम के भगवान श्री राम की कसम खाकर, चुनाव परिणामों की भविष्यवाणी तय समय से 36 महीने पहले कर रहा हूँ। कांग्रेस राज्य की 182 विधानसभा सीटों में से 117 सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करेगी और लगातार दूसरी बार सरकार बनाएगी।

के चंद्रशेखर राव (केसीआर) को सीधी चुनौती देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, चंद्रशेखर राव इस बात को नोट करके लिख लें और अपनी फर्जी सर्वे एजेंसियों को अपने ध्यान में रखें। हम इस लक्ष्य को हकीकत में बदलने के लिए दिन में 18-18 घंटे काम करेंगे। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तीखा हमला बोलते हुए सीएम रेवंत ने इस मंच का उपयोग आगामी आम चुनावों का बिगुल फूंकने के लिए किया। उन्होंने आगामी परिसीमन (डिलिमिटेशन) का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य का राजनीतिक परिदृश्य बदलने वाला है और कांग्रेस एक ऐतिहासिक

बहुमत की ओर बढ़ रही है।

मई या जून 2029 में होंगे अगले आम चुनाव, बदल जाएगा सीटों का गणित

हजारों किसानों और पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए सीएम रेवंत रेड्डी ने चुनाव के समय को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि अगले आम चुनाव पहले की उम्मीद के मुताबिक दिसंबर 2028 में नहीं, बल्कि मई या जून 2029 के आसपास होने की संभावना है। उन्होंने जानकारी दी कि राष्ट्रीय परिसीमन प्रक्रिया के बाद तेलंगाना में विधानसभा सीटों की संख्या 119 से बढ़कर 182 हो जाएगी, जबकि लोकसभा (संसदीय) सीटों की संख्या 17 से बढ़कर 26 हो जाएगी। विपक्ष के पक्ष में आए हालिया निजी सर्वेक्षणों को सिरे से खारिज करते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें 'बैंड-बाजा बैच' करार दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अभी तक नई आरक्षण सीमाएं और सटीक समयसीमा भी तय नहीं हुई है, तो कोई भी एजेंसी तार्किक रूप से जीत या हार का अनुमान कैसे लगा सकती है?

मुख्यमंत्री ने केसीआर और कल्वकुंतला परिवार पर शब्दों के तीखे बाण चलाते हुए कहा कि राजनीतिक 'कुरुक्षेत्र' अब शुरू हो चुका है। जुलाई 2023 के घटनाक्रम को याद दिलाते हुए जब नेता पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी कांग्रेस में शामिल हुए थे, उन्होंने बीआरएस सरकार को उखाड़ फेंकने का श्रेय खम्मम की जनता को दिया। सीएम रेवंत ने कहा, आपने पाप की ताकतों को सत्ता से बाहर कर दिया और उनके नेता को उनके फार्महाउस तक सीमित कर दिया। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे आगामी चुनाव में विपक्ष का राजनीतिक मानचित्र से पूरी तरह सफाया सुनिश्चित करें।

बीआरएस खेमे के भीतर की अंदरूनी कलह का मजाक उड़ाते हुए मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि उनके परिवार के सदस्य एक-दूसरे पर भरोसा नहीं करते और एक ही घर में दो प्रतिस्पर्धी गुटों की तरह व्यवहार करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से हरीश राव को निशाने पर लिया, जो कन्नेपल्ली में पंप चालू करने की मांग कर रहे हैं। सीएम ने मेदिगड्डा बैराज में हुए भारी संरचनात्मक नुकसान का जिक्र करते हुए कहा कि जलाशय को समय से पहले दोबारा भरने से भद्राचलम खतरे में पड़ जाएगा और आसपास के इलाके जलमग्न हो जाएंगे। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली सरकार के कुप्रबंधन के कारण खम्मम के 44 गांव पहले ही बाढ़ की चपेट में आ चुके थे।

बीआरएस-भाजपा सांठगांठ का दावा और जन कल्याणकारी योजनाओं का रिपोर्ट कार्ड

सीएम रेवंत ने बीआरएस और भाजपा के बीच कथित गुप्त समझौते को लेकर भी गंभीर दावे किए। उन्होंने हरीश राव को चुनौती दी कि वे केसीआर की कसम खाकर कहें कि वे भाजपा में शामिल नहीं होंगे। सीएम ने दावा किया कि खुद केसीआर की बेटी के. कविता ने भविष्य में बीआरएस और भाजपा के विलय का स्पष्ट संकेत दिया था, और यह भी उजागर किया था कि आंध्र प्रदेश के ठेकेदारों ने बीआरएस को करोड़ों रुपये का फंड दिया था।

अपनी सरकार के कामकाज का बचाव करते हुए मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस प्रशासन ने महत्वपूर्ण जन कल्याणकारी योजनाओं को न केवल जारी रखा है बल्कि उन्हें और बेहतर बनाया है। उन्होंने 'शादी मुबारक' जैसी योजनाओं की निरंतरता के साथ-साथ निम्नलिखित प्रमुख कार्यों को रेखांकित किया।

श्री हनुमत कथा एवं बागेश्वर बाबा के दिव्य दरबार की तैयारियों को लेकर

पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से विशेष चर्चा

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आगामी 17, 18 एवं 19 जुलाई को हैदराबाद में आयोजित होने वाली श्री हनुमत कथा एवं श्री बागेश्वर बाबा के दिव्य दरबार के सफल आयोजन को लेकर तैयारियां तेज़ हो गई हैं।

इसी क्रम में तिरुपति में आयोजित ऊर्जा संचय शिविर के दौरान पूज्य पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से आयोजन की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न तैयारियों के संबंध में विशेष विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान अंजनी कुमार अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, आशुतोष अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल तथा डॉ. मोहन गुप्ता ने पूज्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से भेंट कर आयोजन की व्यवस्थाओं, श्रद्धालुओं की सुविधाओं एवं कार्यक्रम की सफलता को लेकर विस्तार से चर्चा की।आयोजकों ने विश्वास व्यक्त किया कि श्री हनुमत कथा एवं श्री बागेश्वर बाबा का दिव्य दरबार श्रद्धालुओं के लिए आध्यात्मिक ऊर्जा, भक्ति एवं प्रेरणा का अद्भुत संगम सिद्ध होगा तथा बड़ी संख्या में श्रद्धालु इस धार्मिक आयोजन में सहभागिता करेंगे।

मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है : शिव भगवान अग्रवाल

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला परिसर में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंद, असहाय एवं निराश्रित लोगों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिव भगवान अग्रवाल ने कहा कि मानव सेवा ही सच्ची ईश्वर भक्ति है। उन्होंने कहा कि भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है और यही हमारे भारतीय संस्कारों की पहचान भी है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस निस्वार्थ भाव से प्रतिदिन अन्नदान कर मानवता की सेवा कर रहा है, वह वास्तव में समाज के लिए प्रेरणादायक है। ऐसे सेवा कार्य लोगों के मन में परोपकार, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि जब किसी जरूरतमंद को समय पर भोजन मिलता है और उसके चेहरे पर संतोष की मुस्कान आती है, तो वही सेवा का सबसे बड़ा पुरस्कार होता है। प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार समाज के वंचित वर्ग की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

राधे-राधे ग्रुप का यह सतत सेवा अभियान मानवता, संवेदनशीलता और सामाजिक समरसता का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है।

इस अन्नदान कार्यक्रम में अनिल धरशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, शिव भगवान अग्रवाल तथा जगन गुप्ता ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग प्रदान करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

ज्ञानशाला में आचार्य श्री तुलसी महाप्रयाण दिवस

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ज्ञानशाला के जनक एवं तेरापंथ धर्मसंघ के गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी के 30वें महाप्रयाण दिवस (विसर्जन दिवस) पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के तत्वावधान में संचालित ज्ञानशाला परिवार ने श्रद्धा-पूर्वक भावांजलि अर्पित की। कार्यक्रम महातपस्वी शांतिदूत युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि श्री दीपकुमारजी आदि ठाणा-2 की पावन सन्निधि में निवर्तमान आंचलिक संयोजक श्रीमती सीमा दस्साणी के निवास पर आयोजित किया गया।

ज्ञानशाला परामर्शक अंजू बैद एवं सीमा दस्साणी के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में सामूहिक सामायिक के पश्चात 22 प्रशिक्षिकाओं ने श्रद्धांजलि गीत प्रस्तुत किए। बोवेनपल्ली डी.वी. कॉलोनी एवं मारेडपल्ली के 13 ज्ञानार्थियों ने आचार्य श्री तुलसी के जीवन एवं अवदानों पर प्रभावशाली प्रस्तुति दी। मुनि श्री दीपकुमारजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि ज्ञानशाला आज के युग की आवश्यकता है और बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रत्येक अभिभावक को इसे प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने हैदराबाद ज्ञानशाला की जागरूकता, कर्मठता एवं समर्पण की भी सराहना की।

विसर्जन दिवस के अवसर पर सभी इकाई ज्ञानशालाओं में आचार्य श्री तुलसी के जीवन पर आधारित एनीमेटेड फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा ज्ञानार्थियों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रशिक्षिकाओं के लिए अणुव्रत गीत पर वीडियो प्रतियोगिता भी रखी गई, जिसमें 16 प्रशिक्षिकाओं ने भाग लिया।

इस अवसर पर बताया गया कि 26 जुलाई को मुनिश्री का चातुर्मासिक प्रवेश भव्य रैली के साथ होगा। इसी दिन से 26 जुलाई से 2 अगस्त तक ज्ञानशाला संपर्क पखवाड़ा आयोजित किया जाएगा, जिसका उद्देश्य अधिक से अधिक बच्चों को ज्ञानशाला से जोड़ना है। 15-16 अगस्त को 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए आवासीय शिविर तथा 30 अगस्त को देशभर में एक साथ ज्ञानशाला दिवस मनाया जाएगा।

कार्यक्रम के अंत में लगभग 60 वर्षों तक तेरापंथ धर्मसंघ एवं संपूर्ण मानवता की सेवा करने वाले महामानव गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी को ज्ञानशाला परिवार ने श्रद्धापूर्वक शत-शत नमन किया।

मतदाता सूची से नाम गायब होने पर घबराएं नहीं

फॉर्म 6 से वापस मिलेगा वोटिंग का अधिकार: मुख्य निर्वाचन अधिकारी

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) सी. सुदर्शन रेड्डी ने स्पष्ट किया है कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के हिस्से के रूप में केवल उन्हीं मतदाताओं के विवरण को प्रारंभिक (ड्राफ्ट) मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा जो गणना फॉर्म (इन्यूमरेशन फॉर्म) भरेंगे। शुक्रवार को प्रेस क्लब हैदराबाद द्वारा आयोजित मीट द प्रेस कार्यक्रम में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि जो लोग गणना फॉर्म भरने और जमा करने में विफल रहेंगे, उनके नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं दिखेंगे। हालांकि, ऐसे लोग फॉर्म 6 भरकर इसे दोबारा जमा कर सकते हैं। उन्होंने आश्वस्त किया, जिन लोगों के नाम ड्राफ्ट सूची में नहीं हैं, उन्हें यह चिंता करने की आवश्यकता नहीं है कि उन्होंने अपना मतदान का अधिकार खो दिया है। वे फॉर्म 6 जमा कर सकते हैं। 1 अगस्त से वे फॉर्म 6 भरने की इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं।

हर वोटर को दिए जा रहे हैं दो फॉर्म; 10 जून की सूची को माना गया है आधार

सीईओ सुदर्शन रेड्डी ने बताया कि एसआईआर-2026 (एसआईआर - 2026) के तहत 10 जून तक मतदाता सूची में शामिल प्रत्येक मतदाता के नाम पर विचार किया गया है और उनके लिए गणना फॉर्म प्रिंट किए गए हैं। उन्होंने कहा, प्रत्येक मतदाता को दो फॉर्म दिए गए हैं, जिन्हें उन्हें भरना होगा। एक फॉर्म बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) द्वारा ले लिया जाएगा और दूसरा पावती (एक्नॉलेजमेंट) के रूप में मतदाता को वापस कर दिया जाएगा।

उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि हैदराबाद और मेडचल जैसे शहरी क्षेत्रों में एसआईआर (एसआईआर) अभ्यास के लिए तैनात बीएलओ को पते आपस में मिक्स (मिश्रित) होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। चूंकि शहरी क्षेत्रों में बीएलओ अन्य स्थानों से आते हैं, इसलिए उन्हें पते और मतदाताओं को खोजने में कठिनाई हो रही है, जिसके लिए अब नगर निगम के कर्मचारियों की सहायता ली जा रही है।

गणना फॉर्म के वितरण में देरी के कारण एसआईआर अभ्यास की समयसीमा बढ़ाने के सवाल पर सीईओ ने कहा कि यह पूरी तरह से निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और बीएलओ द्वारा प्रस्तुत स्थिति रिपोर्ट पर निर्भर करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि हिंदी और उर्दू भाषाओं में गणना फॉर्म प्रिंट न होने का मामला भारत निर्वाचन आयोग के संज्ञान में लाया गया है।

हैदराबाद में रोहिंग्याओं से जुड़े एक सवाल का जवाब देते हुए सीईओ सुदर्शन रेड्डी ने कहा, हैदराबाद के 32 केंद्रों में उनकी पहचान की गई है। इन केंद्रों के ईआरओ को निर्देश जारी किए जाएंगे कि वे इन गणना फॉर्मों की जांच करते समय विशेष सावधानी बरतें। जहां भी आवश्यकता होगी, वहां नियमानुसार नोटिस जारी किए जाएंगे।

हिंद महासागर में शांति का गारंटर है भारत: राजनाथ सिंह

विशाखापत्तनम, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में शांति और स्थिरता के गारंटर के रूप में खड़ा है। उन्होंने रेखांकित किया कि तेजी से जटिल होते वैश्विक सुरक्षा माहौल के बीच भारतीय नौसेना देश के समुद्री हितों की पूरी मुस्तैदी से रक्षा कर रही है।वे शुक्रवार को विशाखापत्तनम में नौसैनिकों को संबोधित कर रहे थे। रक्षा मंत्री ने यह बात प्रोजेक्ट 17ए के तहत निर्मित छठे स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट (युद्धपोत) महेंद्रगिरि को भारतीय नौसेना में शामिल (कमीशन) किए जाने की पूर्व संध्या पर आयोजित पारंपरिक बड़ाखाना के दौरान कही।हिंद महासागर क्षेत्र के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि मात्रा (वॉल्यूम) के लिहाज से भारत का 90 प्रतिशत से अधिक व्यापार समुद्री मार्गों से होकर गुजरता है। इसके साथ ही देश की ऊर्जा सुरक्षा, विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) और द्वीप क्षेत्र ऐसे कारक हैं जो समुद्री सुरक्षा को भारत के आर्थिक विकास और राष्ट्रीय हितों का केंद्र बिंदु बनाते हैं।रक्षा मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि क्षेत्र में लगातार बढ़ रही भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और बाहरी शक्तियों (क्षेत्र से बाहर के देशों) की बढ़ती मौजूदगी ने समुद्री सतर्कता को और अधिक बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित किया है।

राजस्थानी जागृति समिति की 9 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा 13 अगस्त से

तैयारी बैठक कल, विभिन्न समितियों के संयोजकों का किया जाएगा चयन

हैदराबाद, 10 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी जागृति समिति, हैदराबाद के तत्वावधान में पावन श्रावण मास के उपलक्ष्य में 9 दिवसीय श्री शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन 13 अगस्त से 21 अगस्त तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक साईं बाबा मंदिर प्रांगण, एन.एम. गुडा चौराहा, आतापुर, हैदराबाद में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से दी।

उन्होंने बताया कि कथा का रसपान बाल विदुषी सुश्री दीक्षा किशोरी अपनी अमृतमयी वाणी से कराएंगी। कथा के माध्यम से भगवान शिव की महिमा, आध्यात्मिक संदेश एवं सनातन संस्कृति के मूल्यों का श्रद्धालुओं को श्रवण कराया जाएगा।

समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी ने सभी धर्मप्रेमी बंधुओं से आग्रह किया है कि वे अपने परिवार एवं इष्ट-मित्रों सहित इस पुण्य अवसर पर उपस्थित होकर श्री शिव महापुराण कथा का श्रवण करें तथा धर्मलाभ एवं पुण्य अर्जित करें। उन्होंने सभी समाजों, धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों, महिला मंडलों तथा श्रद्धालुओं से कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाने के लिए सहयोग देने की अपील की।

आगामी आयोजन की तैयारियों के संदर्भ में रविवार, 12 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे अत्तापुर स्थित साईं बाबा मंदिर हॉल में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में आयोजन की विस्तृत रूपरेखा एवं विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी दी जाएगी।

इस दौरान मुख्य संयोजक, सह-संयोजक, कलश यात्रा संयोजक, मंच संयोजक, पंडाल संयोजक, कथा पंडाल में बैठने की व्यवस्था संयोजक, प्रसाद वितरण संयोजक, अतिथि स्वागत संयोजक, प्रचार-प्रसार संयोजक सहित विभिन्न दायित्वों के लिए संयोजकों का चयन किया जाएगा।

समिति ने सभी धार्मिक आस्था रखने वाले बंधुओं, विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों तथा महिला मंडलों से बैठक में उपस्थित होकर अपने सुझाव देने का आग्रह किया है, ताकि सभी के विचार-विमर्श से कार्यक्रम को भव्य एवं सफल बनाया जा सके। अधिक जानकारी के लिए समिति अध्यक्ष श्रीनिवास सोमाणी से संपर्क किया जा सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.